धनबाद
शुक्रवार 15.05.2026
मूल्य- ₹ 2.50
वर्ष-32 अंक-82 पृष्ठ- 12
ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष-14
संवत 2083

झारखण्ड से प्रकाशित सर्वाधिक लोकप्रिय दैनिक

बिहार ऑब्जर्वर

ओमान तट के पास भारतीय जहाज पर हमला
समुद्र में डूबा पोत सभी 14 भारतीय नाविक सुरक्षित

नई दिल्ली (ईएमएस): मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव के बीच भारत से जुड़ा एक बड़ा समुद्री घटनाक्रम सामने आया है।

अरब सागर के रणनीतिक जलमार्ग में ओमान के तट के पास भारतीय ध्वज वाले एक मालवाहक जहाज पर संदिग्ध विस्फोटक हमले के बाद जहाज समुद्र में डूब गया। राहत की बात यह रही कि जहाज पर सवार सभी १४ भारतीय नाविकों को सुरक्षित बचा लिया गया है।

जानकारी के अनुसार हाजी अली नाम का यह मालवाहक जहाज गुजरात के देवभूमि द्वारका जिले के सलाया बंदरगाह में पंजीकृत था।

यह पोत सोमालिया से शारजाह की ओर जा रहा था, तभी बुधवार तड़के करीब ३:३० बजे ओमान के उत्तरी तट के पास उस पर संदिग्ध ड्रोन या मिसाइल जैसा हमला हुआ। विस्फोट के बाद जहाज में आग लग गई और कुछ ही देर में वह समुद्र में समा गया।

भारत के विदेश मंत्रालय ने इस हमले को अस्वीकार्य बताते हुए कड़ी प्रतिक्रिया दी है। मंत्रालय ने कहा कि व्यावसायिक जहाजों और नागरिक नाविकों को निशाना बनाना गंभीर चिंता का विषय है और अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्गों की सुरक्षा सुनिश्चित की जानी चाहिए। मंत्रालय ने ओमान प्रशासन को बचाव अभियान के लिए धन्यवाद भी दिया। यह घटना ऐसे समय हुई है जब ईरान के विदेश मंत्री भारत दौरे पर हैं और ब्रिक्स देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक के लिए नई दिल्ली पहुंचे हैं। इस घटनाक्रम ने क्षेत्रीय सुरक्षा और समुद्री व्यापार को लेकर नई चिंता खड़ी कर दी है।

झारखंड में 20 जून से शुरू होगा एसआईआर
7 अक्टूबर को जारी होगी अंतिम सूची

रांची (एजेंसी): निर्वाचन आयोग ने देशभर में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तीसरे चरण की घोषणा कर दी है। इस चरण में झारखंड समेत १६ राज्यों और तीन केंद्रशासित प्रदेशों में मतदाता सूची का सत्यापन कराया जाएगा। झारखंड में यह प्रक्रिया २० जून २०२६ से शुरू होगी, जबकि अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन ७ अक्टूबर २०२६ को किया जाएगा। आयोग की ओर से जारी कार्यक्रम के मुताबिक ३० जून से २९ जुलाई २०२६ तक बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) घर-घर जाकर मतदाताओं की जानकारी का सत्यापन करेंगे। इस दौरान मतदाताओं के विवरण की जांच की जाएगी और जरूरत पड़ने पर सुधार भी दर्ज किए जाएंगे। साथ ही मतदान केंद्रों के युक्तिकरण का कार्य भी किया जाएगा।

अगस्त में जारी होगी प्रारूप मतदाता सूची

झारखंड में ५ अगस्त २०२६ को प्रारूप मतदाता सूची प्रकाशित की जाएगी। इसके बाद ५ अगस्त से ४ सितंबर २०२६ तक मतदाता अपने दावे और आपत्तियां दर्ज करा सकेंगे। आयोग ने स्पष्ट किया है कि सभी शिकायतों और संशोधन संबंधी आवेदनों का निपटारा ३ अक्टूबर तक पूरा कर लिया जाएगा।

निर्वाचन आयोग के आंकड़ों के अनुसार झारखंड में कुल २ करोड़ ६४ लाख ८९ हजार ७७७ मतदाताओं का सत्यापन किया जाएगा। इस प्रक्रिया को पूरा करने के लिए राज्य में २९,५७१ बीएलओ तैनात किए जाएंगे, जबकि विभिन्न राजनीतिक दलों की ओर से २१,६४४ बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) नियुक्त किए जाएंगे। ▶▶ 8

पश्चिम एशिया संकट के बीच प्रधानमंत्री मोदी का कूटनीतिक विदेश दौरा, ऊर्जा से रक्षा तक होंगे अहम समझौते

नई दिल्ली (ईएमएस): वैश्विक तनाव और पश्चिम एशिया में बढ़ते संकट के बीच भारत की कूटनीतिक सक्रियता और तेज होती दिखाई दे रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी १५ मई २०२६ से ६ दिन के अहम विदेश दौरे पर निकल रहे हैं। इस दौरान प्रधानमंत्री संयुक्त अरब अमीरात, नीदरलैंड, स्वीडन, नॉर्वे और इटली की आधिकारिक यात्रा करेंगे।

इस बहुप्रतीक्षित दौरे में ऊर्जा सुरक्षा, रक्षा सहयोग, व्यापार, निवेश, हरित प्रौद्योगिकी और रणनीतिक साझेदारी प्रमुख एजेंडे में शामिल रहेंगे। विदेश मंत्रालय के अनुसार प्रधानमंत्री सबसे पहले संयुक्त अरब अमीरात पहुंचेंगे, जहां उनकी मुलाकात राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नहयान से होगी। दोनों देशों के बीच ऊर्जा आपूर्ति, क्षेत्रीय सुरक्षा और आर्थिक गलियारे जैसे मुद्दों पर चर्चा होगी।

इसके बाद प्रधानमंत्री यूरोप का रुख करेंगे। नीदरलैंड में अर्धचालक तकनीक और उन्नत विनिर्माण, स्वीडन और नॉर्वे में हरित तकनीक, निवेश और नवाचार पर फोकस रहेगा। ओस्लो में १८ मई को भारत-नॉर्डिक शिखर सम्मेलन आयोजित होगा, जहां व्यापार और तकनीकी सहयोग को नई दिशा देने पर चर्चा होगी।

दौरे का अंतिम पड़ाव इटली होगा, जहां रक्षा उत्पादन, रणनीतिक उद्योग और यूरोपीय संपर्क गलियारे पर महत्वपूर्ण बातचीत होने की संभावना है।

विशेषज्ञों का मानना है कि मौजूदा वैश्विक अस्थिरता के बीच यह दौरा भारत की ऊर्जा सुरक्षा, रक्षा आत्मनिर्भरता और वैश्विक आर्थिक पहुंच को नई मजबूती देने वाला साबित हो सकता है।

केरल के नए सीएम होंगे वी डी सतीशन
चुने गए विधायक दल के नेता

नई दिल्ली (ईएमएस): कांग्रेस की केरल इकाई के वरिष्ठ नेता वी डी सतीशन राज्य के अगले मुख्यमंत्री होंगे। कांग्रेस आलाकमान ने पार्टी के शीर्ष और प्रदेश इकाई के नेताओं के साथ लंबी मंत्रणा के बाद सतीशन के नाम पर मुहर लगाई है। केरल के लिए पार्टी के पर्यवेक्षकों अजय माकन और मुकुल वासनिक तथा महासचिव जयराम रमेश के साथ पार्टी कार्यालय में एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में कांग्रेस की केरल प्रभारी दीपा दासमुंशी ने सतीशन के नाम की घोषणा की है।

उन्होंने कहा, कांग्रेस विधायक दल की ७ मई, २०२६ को तिरुवनंतपुरम में बैठक हुई थी और सर्वसम्मति से कांग्रेस अध्यक्ष को केरल राज्य में विधायक दल के नए नेता के चयन के लिए अधिकृत करने का प्रस्ताव पारित किया गया था। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष (सोनिया गांधी), लोकसभा में विपक्ष के नेता (राहुल गांधी), एआईसीसी पर्यवेक्षकों (माकन और वासनिक) के साथ व्यापक चर्चा की। सांसदों, पूर्व पीसीसी अध्यक्षों सहित राज्य के कई अन्य नेताओं से भी परामर्श किया गया।

बंगाल में पशु वध पर शुभेंदु सरकार सख्त, बकरीद पर संकट के बादल
अनिवार्य फिटनेस सर्टिफिकेट के बिना पशुबध नहीं

कोलकत्ता (ईएमएस): पश्चिम बंगाल की नई भाजपा सरकार ने पशु वध को लेकर कड़े निर्देश जारी कर दिए हैं। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व वाली सरकार ने बंगाल पशु वध नियंत्रण अधिनियम, १९५० और २०१८ के कलकत्ता हाईकोर्ट के आदेश का हवाला देकर एक नोटिस जारी किया है। यह आदेश २६ मई को मनाई जाने वाली ईद उल-अजहा (बकरीद) से ठीक पहले सामने आया है, जिससे राज्य की सियासत गर्मा गई है।

नए नियमों के अनुसार, अब अनिवार्य फिटनेस सर्टिफिकेट के बिना किसी भी मवेशी या भैंस के वध पर पूर्ण प्रतिबंध लागू होगा। यह प्रमाणपत्र नगर पालिका या पंचायत समिति के अध्यक्ष द्वारा सरकारी पशु चिकित्सा अधिकारी के साथ संयुक्त रूप से दिया जाएगा। दोनों अधिकारियों को लिखित में इस बात पर सहमत होना होगा कि पशु वध के योग्य है। प्रमाणपत्र केवल तभी मिलेगा जब पशु की आयु १४ वर्ष से अधिक हो, या वह वृद्धावस्था, चोट, विकृति या किसी लाइलाज बीमारी के कारण स्थायी रूप से अक्षम हो गया है।

वहीं अधिकारी सरकार ने सार्वजनिक वध पर रोक लगा दी है। पशुओं का वध केवल नगर पालिका की वधशाला या स्थानीय प्रशासन द्वारा निर्दिष्ट वधशाला में ही हो सकता है। ▶▶ 8

नीट पेपर लीक मामले में सीबीआई की कार्रवाई तेज, 7 गिरफ्तार

नई दिल्ली (ईएमएस): देश के सबसे बड़े मेडिकल प्रवेश परीक्षा छएएढ-णत्रः २०२६ पेपर लीक मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की कार्रवाई लगातार तेज होती जा रही है। देशभर में छापेमारी और पूछताछ के बीच गुरुवार को एजेंसी ने दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इसके साथ ही इस मामले में अब तक कुल सात लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है। सीबीआई की जांच में लगातार नए खुलासे हो रहे हैं और कई अन्य संदिग्धों से भी पूछताछ जारी है।

सीबीआई के मुताबिक पिछले २४ घंटों के दौरान देश के अलग-अलग राज्यों में १४ स्थानों पर छापेमारी की गई। इसी कार्रवाई के दौरान महाराष्ट्र से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। इनमें अहिल्यानगर निवासी धनंजय लोखंडा और पुणे की मनीषा वाघमारे शामिल हैं। जांच एजेंसी का कहना है कि दोनों आरोपियों की भूमिका पेपर लीक नेटवर्क में अहम हो सकती है और उनसे पूछताछ के आधार पर अन्य लोगों तक पहुंचने की कोशिश की जा रही है।

इससे पहले सीबीआई ने राजस्थान, महाराष्ट्र और हरियाणा के गुरुग्राम से पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया था। ▶▶ 8

भारत ने चीनी के निर्यात पर लगाई रोक

नई दिल्ली (ईएमएस): देश ने चीनी के निर्यात पर ३० सितंबर तक तत्काल प्रभाव से रोक लगाई है। घरेलू उपलब्धता बढ़ाने और कीमतों को नियंत्रित करने के लिए यह कदम उठाया गया है। सरकारी अधिसूचना में यह जानकारी दी है। इससे पहले चीनी निर्यात प्रतिबंधित श्रेणी में आता था जिसका निर्यात करने के लिए लाइसेंस की आवश्यकता होती थी।

विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने १३ मई को जारी अधिसूचना में कहा, चीनी (कच्ची चीनी, सफेद चीनी एवं परिष्कृत चीनी) की निर्यात नीति को तत्काल प्रभाव से ३० सितंबर, २०२६ तक या अगले आदेश तक (जो भी पहले हो) ▶▶ 8

चार दिन काम, तीन दिन आराम! नए श्रम नियमों से बदल सकती है नौकरी की दुनिया

नई दिल्ली (ईएमएस): देश में नौकरीपेशा लोगों के लिए जल्द बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। केंद्र सरकार द्वारा पुराने उनतीस श्रम कानूनों की जगह चार नए श्रम नियम लागू करने की तैयारी तेज हो गई है। इन नियमों के लागू होने के बाद करोड़ों कर्मचारियों के काम करने का तरीका, वेतन की संरचना, भविष्य निधि, अवकाश और सेवा समाप्ति लाभ जैसे कई अहम पहलुओं में बदलाव संभव है।

नए नियमों के तहत सबसे चर्चित बदलाव चार दिन कार्य सप्ताह को लेकर है। यानी कर्मचारी सप्ताह में केवल चार दिन काम कर सकते हैं, हालांकि इन दिनों काम के घंटे बढ़ सकते हैं। इसके अलावा ओवरटाइम से जुड़े नियम भी स्पष्ट किए जाएंगे, जिससे अतिरिक्त काम का उचित भुगतान सुनिश्चित हो सके।

नए प्रावधानों के अनुसार मूल वेतन कुल वेतन का कम से कम पचास प्रतिशत रखना अनिवार्य हो सकता है। इससे कर्मचारियों की भविष्य निधि और सेवा समाप्ति पर मिलने वाली राशि बढ़ सकती है, हालांकि हाथ में मिलने वाला मासिक वेतन कुछ कम हो सकता है।

महिला कर्मचारियों के लिए रात्रि पाली में काम करने की अनुमति सुरक्षा प्रबंधों के साथ दी जा सकती है। असंगठित क्षेत्र, संविदा कर्मियों और मंच आधारित कामगारों को भी सामाजिक सुरक्षा के दायरे में लाने की तैयारी है।

केंद्र सरकार ने वेतन, औद्योगिक संबंध, सामाजिक सुरक्षा और कार्यस्थल सुरक्षा से जुड़े चार व्यापक नियम तैयार किए हैं। अब राज्यों की सहमति और अधिसूचना के बाद इनका क्रियान्वयन आगे बढ़ सकता है। माना ▶▶ 8

अब आसमान में भारत का अदृश्य पराक्रम
आंध्र में बन रहा देश का सबसे बड़ा रक्षा केंद्र

नई दिल्ली (ईएमएस): भारत अब रक्षा तकनीक के उस शिखर की ओर बढ़ रहा है, जहां अब तक दुनिया के चुनिंदा देशों की ही पहुंच रही है। दक्षिण भारत के राज्य आंध्र प्रदेश में देश के सबसे बड़े रक्षा और वैमानिक केंद्र की नींव रखी जा रही है, जहां भारत का पहला स्वदेशी पांचवीं पीढ़ी का स्टील्थ लड़ाकू विमान तैयार होगा।

यह महत्वाकांक्षी परियोजना पुट्टपर्थी, श्री सत्य साई जिला में स्थापित की जा रही है। राजनाथ सिंह और एन चंद्रबाबू नायडू १५ मई २०२६ को इस ऐतिहासिक परियोजना की आधारशिला रखेंगे।

यह केंद्र वैमानिकी विकास एजेंसी के अधीन विकसित किया जा रहा है, जहां भारत के उन्नत मध्यम लड़ाकू विमान का एकीकरण, परीक्षण, सत्यापन और प्रमाणन किया जाएगा। इसी केंद्र में विमान के कंप्यूटर, रडार, सेंसर, हथियार प्रणाली और स्टील्थ तकनीक को एक साथ जोड़कर अंतिम रूप दिया जाएगा।

परियोजना के तहत पुट्टपर्थी में हवाई पट्टी की लंबाई बढ़ाकर १०००० फुट की जा रही है और विशेष उड़ान क्षेत्र भी तैयार किया जा रहा है। लक्ष्य है कि विमान का पहला प्रारूप २०२७ तक तैयार हो और ▶▶ 8

अदालत पहुंची ममता बोलीं- हिंसा में बच्चों महिलाओं और अल्पसंख्यकों को नहीं बख्शा
कोर्ट रूम से बाहर ममता की मौजदूगी में लगे चोर-चोर के नारे

कोलकाता,(ईएमएस): पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार को कलकत्ता हाईकोर्ट में वकील के रूप में अपनी पहली उपस्थिति दी। उन्होंने विधानसभा चुनाव के बाद बंगाल में हुई हिंसा से संबंधित मामले में न्यायमूर्ति के समक्ष अपनी दलीलें पेश कीं। ममता बनर्जी ने कलकत्ता हाईकोर्ट को १० मृतकों की सूची सौंपी, जिसमें से छह के हिंदू होने का दावा है। उन्होंने गंभीर आरोप लगाकर कहा कि पुलिस की मौजूदगी में घरों और कार्यालयों को लूटा जा रहा था, लेकिन इन मामलों में प्राथमिकी तक दर्ज नहीं हुई। उन्होंने एक ९२ वर्षीय अनुसूचित जाति की विधवा और उसके परिवार को घर से बेदखल करने का मुद्दा भी उठाया। कलकत्ता हाईकोर्ट में तस्वीरें दिखाते हुए ममता बनर्जी अत्यंत भावुक हो गईं और बताया कि हिंसा में बच्चों, महिलाओं और अल्पसंख्यकों तक को नहीं बख्शा गया। उन्होंने खुलासा किया कि उनके अपने परिवार की १२ साल की बच्चियों को बलात्कार की ▶▶ 8

भविष्य की चुनौतियों को साधने की तैयारी, सेना और नौसेना के बीच अहम समझौता

नई दिल्ली (ईएमएस): भारतीय सेना और नौसेना ने देश की सुरक्षा को अभूतपूर्व मजबूती देने के लिए एक ऐतिहासिक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर कर दिए हैं। गुरुवार को नई दिल्ली में हुए संबद्धता समझौता ज्ञापन (मेमोरेंडम ऑफ एसोसिएशन ऑन अफिलिएशन) का उद्देश्य दोनों सेनाओं के बीच गहरे तालमेल, आपसी समझ और संयुक्त कार्यप्रणाली को बढ़ावा देना है, विशेषकर भविष्य के जटिल युद्ध स्वरूपों और सुरक्षा चुनौतियों के मद्देनजर। यह कदम भारतीय सशस्त्र बलों में संयुक्तता, एकीकरण और बेहतर तालमेल स्थापित करने की दिशा में एक मील का पत्थर माना जा रहा है।

समझौते के तहत, सेना और नौसेना की विभिन्न संरचनाओं, रेजीमेंटों, संस्थानों और युद्धपोतों के बीच संस्थागत सहयोग को औपचारिक रूप दिया जाएगा। इसके माध्यम से दोनों सेवाओं के अधिकारियों व जवानों को एक-दूसरे की कार्यप्रणाली, प्रशिक्षण व्यवस्था और जिम्मेदारियों को करीब से समझने का अवसर मिलेगा। संयुक्त गतिविधियों, पेशेवर आदान-प्रदान और प्रशिक्षण कार्यक्रमों को बढ़ावा दिया जाएगा, जिससे परिचालन समन्वय और दीर्घकालिक पेशेवर संबंध मजबूत होगा। 'ऑपरेशन सिंदूर' जैसी सफलताओं ने पहले ही यह साबित कर दिया है कि भविष्य के अभियानों में तीनों सेनाओं का समन्वित संचालन कितना महत्वपूर्ण है, और यह समझौता उसी दिशा में एक ठोस कदम है।

इस अहम समझौता ज्ञापन पर भारतीय सेना की ओर से एडजुटेंट जनरल लेफ्टिनेंट जनरल वीपीएस कौशिक और भारतीय नौसेना की ओर से चीफ ऑफ पर्सोनल वाइस एडमिरल गुरचरण सिंह ने हस्ताक्षर किए।

इस मौके पर सेना के उप प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ और नौसेना के उप प्रमुख वाइस एडमिरल संजय वात्सायन भी उपस्थित थे। मौजूदा सुरक्षा वातावरण की जटिलता और निरंतर बदलते भू-राजनीतिक परिदृश्य को देखकर थल और जल दोनों क्षेत्रों में मजबूत समन्वय अब राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए अपरिहार्य हो गया है।

जहां नौसेना समुद्री हितों की सुरक्षा सुनिश्चित करती है, वहीं सेना देश की स्थलीय सीमाओं की रक्षा का प्राथमिक दायित्व निभाती है। यह समझौता ज्ञापन भविष्य में ऐसी और अंतर-सेवा संबद्धताओं का मार्ग प्रशस्त करेगा, जिससे भारतीय सशस्त्र बल आधुनिक चुनौतियों का सामना करने के लिए और अधिक एकीकृत तथा सक्षम बन सकें।

संपादकीय | सरकार तय करे निचले वर्ग पर न पड़े विपरीत प्रभाव

पश्चिम एशिया में संघर्ष का असर अब भारत की अर्थव्यवस्था पर साफ दिखने लगा है। ऊर्जा संकट और व्यापार में बाधाओं के कारण पैदा हुई चुनौतियों का दायरा बढ़ता जा रहा है। वैश्विक स्तर पर तेल की कीमतों में बढ़ोतरी और मुद्रा (रुपये) के लगातार कमजोर होने से देश की अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ गया है। उधर, अमेरिका और ईरान के तल्ख तेवरों से शांति समझौते पर बातचीत आगे नहीं बढ़ पा रही है।

ऐसे में अब मौजूदा संकट से निपटने के लिए वैकल्पिक उपायों को अमल में लाना जरूरी हो गया है। यही वजह है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बीते रविवार को देश की जनता से पेट्रोलियम उत्पादों का संयमित तरीके से उपयोग करने, सोने की खरीदारी से परहेज करने, गैर जरूरी विदेश यात्रा से बचने और स्थानीय वस्तुओं को प्राथमिकता देने का आह्वान किया है।

सरकार का मानना है कि इन सभी प्रयासों के परिणामस्वरूप भारत दुनिया भर में जारी ऊर्जा संकट का प्रभावी ढंग से सामना कर सकेगा। इससे विदेशी मुद्रा की बचत होगी, जिससे सरकारी कोष को मजबूत बनाए रखने में मदद मिलेगी। इसमें दोराय नहीं कि पिछले कुछ वर्षों में भारत सौर ऊर्जा के मामले में दुनिया के शीर्ष देशों में शामिल हो गया है, लेकिन देश की जरूरत मुख्य तौर पर अभी भी जीवाश्म ईंधन से पूरी की जा रही है। ऐसे में जरूरी है कि मौजूदा संकट के दौरान आयातित ऊर्जा संसाधनों का उपयोग विवेकपूर्ण ढंग से और वास्तविक आवश्यकता के अनुसार ही किया जाए। गौरतलब है कि पश्चिम एशिया में संघर्ष के कारण होर्मुज जलमार्ग के बंद होने से तेल की आपूर्ति शृंखला बाधित हुई है, जिससे

ऊर्जा का गंभीर संकट खड़ा हो गया है।

खबरों के मुताबिक, पिछले कुछ दिनों से वैश्विक ऊर्जा कीमतों में हुई बढ़ोतरी से देश की सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों पर आर्थिक दबाव बढ़ गया है, जिस कारण आने वाले दिनों में पेट्रोलियम पदार्थों के दाम बढ़ सकते हैं। हालांकि, अभी तक सरकार ने पेट्रोल-डीजल और घरेलू रसोई गैस के दामों को नियंत्रित करने के प्रयास किए हैं, लेकिन संकट गहराने से अब यह सब आसान नहीं होगा। इसके लिए वैकल्पिक उपायों पर गंभीरता से काम करना होगा, ताकि प्रतिकूल प्रभावों को कम किया जा सके।

प्रधानमंत्री के आह्वान से इस बात के संकेत भी मिल रहे हैं कि आने वाले समय में रोजमर्रा के इस्तेमाल की जरूरी वस्तुएं महंगी हो सकती हैं। यानी कच्चे तेल से जुड़ी महंगाई, पैकेजिंग सामग्री और ईंधन लागत में बढ़ोतरी के बीच साबुन, डिटर्जेंट, बिस्किट, पैकेट बंद खाद्य पदार्थ और पेय उत्पाद जैसी वस्तुओं की कीमतें बढ़ सकती हैं।

खबरों के मुताबिक, आवश्यक वस्तुओं का उत्पादन करने वाली देश की प्रमुख कंपनियां मुनाफे पर पड़ रहे दबाव को कम करने के लिए चरणबद्ध तरीके से दाम बढ़ाने की तैयारी कर रही हैं। प्रधानमंत्री के ये सुझाव कि कोरोना काल की तरह घर से काम करने समेत अन्य तरीकों पर फिर से अमल करना, खाद्य तेल की खपत कम करना और रासायनिक उर्वरकों के उपयोग में कमी लाना, यह सब मौजूदा संकट की गंभीरता को दर्शाता है।

यह सही है कि संकट जब गंभीर हो, तो उससे निपटने के लिए सरकारी उपायों के साथ-साथ आम नागरिकों की भी जिम्मेदारी बनती है कि वे उसमें सक्रिय भागीदारी निभाएं। मगर इस सब के बीच यह सुनिश्चित करना भी जरूरी है कि इस तरह के उपायों का समाज के निचले और मध्य वर्ग की आजीविका पर कोई विपरीत प्रभाव न पड़े।

कितना सही है यूपी सरकार का बेहतर कानून व्यवस्था का दावा?

उत्तर प्रदेश सरकार यह दावा करती आई है कि राज्य में कानून व्यवस्था बेहतर है, लेकिन हत्या की वारदात का सिलसिला थम नहीं रहा है। खासकर महिलाओं के खिलाफ अपराध तेजी से बढ़ रहे हैं। चंदौली जिले में सोमवार को एक निजी अस्पताल में भर्ती महिला की गोली मार कर हत्या कर देने की घटना ने आम नागरिकों की सुरक्षा पर फिर से गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। इससे पता चलता है कि राज्य में महिलाएं कहीं भी सुरक्षित नहीं हैं। अपराधी हथियार लेकर सड़कों पर बेखौफ घूम रहे हैं और कभी भी बड़ी वारदात को अंजाम दे देते हैं। सवाल है कि अगर राज्य में कानून व्यवस्था के अनुपालन में वास्तव में सख्ती बरती जाती, तो क्या कोई अस्पताल में घुस कर महिला की हत्या कर सकता था? अपना इलाज करवाने के बहाने अस्पताल में घुसे हमलावर ने महिला पर गोली चलाने के बाद परिसर में हवा में भी गोलियां चलाईं और भागने की कोशिश की। हालांकि वहां मौजूद लोगों ने उसे पकड़ कर पुलिस के हवाले कर दिया। उत्तर प्रदेश में हत्या की घटनाएं जिस तरह से बढ़ी हैं, उससे लगता है कि सड़क से लेकर घर और अस्पताल में भी लोग सुरक्षित नहीं हैं। पिछले दिनों संभल जिले में कुछ लोग एक युवक को घर से खींच कर ले गए थे और बाद में सड़क पर उसकी हत्या कर दी गई थी। राज्य में इस तरह की घटनाएं अक्सर सामने आती रहती हैं। सवाल है कि सरकार के दावों के बरक्स आखिर अपराधियों के भीतर कानून का खौफ क्यों नही है? जाहिर है कि इसके पीछे पुलिस की निष्क्रियता और लापरवाही जिम्मेदार है। पुलिस तंत्र में तालमेल और त्वरित कार्रवाई का अभाव साफ नजर आता है। पुलिस के अपराध नियंत्रण के ढांचे में खामियों का फायदा अपराधी उठा रहे हैं। इस बात पर भी गंभीरता से विचार करने की जरूरत है कि सरकारी हो या निजी अस्पताल, वहां सुरक्षा के पुख्ता बंदोबस्त किए जाने चाहिए। अगर कोई अपराधी हथियार लेकर अस्पताल के अंदर दाखिल होता है, तो यह वहां मौजूद सुरक्षा कर्मियों की लापरवाही को उजागर करता है। ऐसे में राज्य सरकार को अपराध पर नियंत्रण के लिए सही मायने में ठोस कदम उठाने होंगे।

आज का कार्टून

कॉरपोरेट सेक्टर की बढ़ती ताकत...

> भारत में लाजिस्टिक लागत सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 13-14 फीसद है, जो वैश्विक औसत से अधिक है। खराब परिवहन प्रणाली, अपर्याप्त भंडारण और बिजली की कमी, ये सभी उत्पादन लागत को बढ़ाते हैं। जटिल नियामक ढांचा और नीतिगत अनिश्चितता, भ्रष्टाचार और नियमों में बार-बार बदलाव निवेश को हतोत्साहित करते हैं। अनुसंधान और विकास में कम निवेश के कारण भारतीय उद्योग नवाचार और उद्यमिता के मामले में पीछे हैं। सख्त श्रम कानूनों के कारण भी निजी क्षेत्र को कार्य बल प्रबंधन में चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। विपणन और तकनीक की पुरानी कार्यप्रणालियों के उपयोग, विशेष रूप से लघु उद्योगों में प्रतिस्पर्धा को कम करता है। जीडीपी के मुकाबले निजी ऋण का उच्च अनुपात भी आर्थिक चिंता का विषय है। भारत के निगमित क्षेत्र को विनिर्माण, बुनियादी ढांचे, नौकरशाही और वित्तीय मोर्चों पर कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। इन समस्याओं के समाधान के लिए व्यापक संरचनात्मक सुधारों की आवश्यकता है।

अजय जोशी

देश की अर्थव्यवस्था में निगमित क्षेत्र का महत्त्वपूर्ण योगदान है। यह क्षेत्र अब तेजी से वृद्धि और बदलाव के दौर में है। वर्तमान में यह संरचनात्मक परिवर्तनों, तकनीकी एकीकरण और स्थिरता की दिशा में विकास के चरण से गुजर रहा है। इस क्षेत्र में विनिर्माण क्षेत्र सर्वाधिक अहम है। पिछले कुछ वर्षों से इसकी गति धीमी चल रही थी। मगर अब इसके पुनरुद्धार की दिशा में किए गए प्रयासों से विनिर्माण क्षेत्र में तेज वृद्धि देखी जा रही है। नवंबर 2025 तक विनिर्माण क्षेत्र में 8.0 फीसद की वृद्धि दर्ज की गई है।

सरकार की ओर से समय-समय पर जारी आंकड़ों के अनुसार, यह क्षेत्र बेहतर प्रदर्शन कर रहा है। वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में इसमें 7.72 फीसद और दूसरी तिमाही में 9.13 फीसद वृद्धि दर्ज की गई है। सकल घरेलू उत्पाद में विनिर्माण क्षेत्र का योगदान लगभग 17 फीसद रहा है। ताजा संशोधित आंकड़ों के अनुसार, विनिर्माण की वृद्धि दर वर्ष 2025-26 में 11.5 फीसद रहने का अनुमान है। भारत का लक्ष्य सकल घरेलू उत्पाद में विनिर्माण क्षेत्र की हिस्सेदारी को 17 फीसद से बढ़ा कर 25 फीसद करना है।

निगमित क्षेत्र में डिजिटल परिवर्तन का दौर भी तेजी से चल रहा है। बैंकिंग, खुदरा व्यवसाय, स्वास्थ्य सेवा और सामग्री प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में कृत्रिम मेधा (एआइ) को तेजी से अपनाया जा रहा है। निगमित क्षेत्र में ब्राडबैंड और इंटरनेट उपयोगकर्ता बढ़ रहे हैं। नवंबर 2025 तक ब्राडबैंड ग्राहकों की संख्या एक सौ करोड़ के पार चली गई, जो एक दशक पहले के 13.15 करोड़ से सात गुना अधिक है। देश के 99.9 फीसद जिलों में 5जी की सुविधा है और 5.18 लाख से अधिक बेस स्टेशन कार्यरत हैं। वहीं यूपीआइ लेन-देन भी तेजी से बढ़ रहा है। भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा डिजिटल देश है। देश में डेटा की लागत वर्ष 2014 के 269 रुपए प्रति गीगाबाइट से घट कर वर्ष 2025-26 में 8-10 रुपए प्रति गीगाबाइट रह गई है। डेटा सुरक्षा के लिए डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण नियम- 2025 में लागू हुए, जिसमें बच्चों के डेटा और गोपनीयता के संबंध में सख्त प्रावधान किए गए हैं।

अब कारपोरेट क्षेत्र में केवल मुनाफे के बजाय पर्यावरणीय और सामाजिक शासन के मापदंडों पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। इससे हरित ऊर्जा और सतत विकास के क्रियाकलापों में निवेश बढ़ा है। निगमित संस्थाओं में पर्यावरण और समाज के प्रति जिम्मेदारियां बढ़ाई गई हैं। निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व के लिए बने सीएसआर कोष से इसके लिए व्यय लगातार बढ़ रहा है। कंपनियां पर्यावरणीय पहलों जैसे नवीकरणीय ऊर्जा, अपशिष्ट प्रबंधन और जल संरक्षण आदि पर अधिक खर्च कर रही हैं।

सीएसआर के तहत प्रमुख कार्यों में भुखमरी, गरीबी और कुपोषण को दूर करना, स्वास्थ्य सेवा, स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी प्रमुखता से प्रयास किए गए हैं। अब कंपनियां केवल परियोजना-आधारित व्यय के बजाय,

स्थायी विकास के लक्ष्यों को अपनी मूल व्यावसायिक रणनीतियों में शामिल कर रही हैं। कंपनियां पर्यावरण अनुकूल उत्पादों को अपना रही हैं, ताकि पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभावों को कम किया जा सके। कई संस्थाएं 18 राज्यों में 2,250 गांवों और कस्बों में पांच लाख से अधिक परिवारों को जोड़ते हुए अपने पर्यावरणीय लक्ष्यों के माध्यम से सतत विकास में योगदान दे रही हैं। इनका प्रमुख जोर पर्यावरण संरक्षण और पारिस्थितिकी संतुलन बनाए रखने पर है।

भारतीय निगमित जगत ने वित्तीय मजबूती के लिए ऋण में भारी कटौती की है, जो वर्ष 2010 के दशक के 67 फीसद से घट कर 2024 में 48 फीसद पर आ गया है। इससे कंपनियों की वित्तीय स्थिति मजबूत हुई है। एनएसओ द्वारा वार्षिक निगमित सेवा क्षेत्र उद्यम सर्वेक्षण की शुरुआत के साथ, निगमित प्रशासन और डेटा पारदर्शिता में सुधार के प्रयास किए जा रहे हैं।

'मेक इन इंडिया' के तहत रक्षा और रेलवे जैसे क्षेत्रों में विदेशी प्रत्यक्ष निवेश की सीमा को उदार बना कर सौ फीसद तक की अनुमति दे दी गई है। जुलाई 2025 तक विनिर्माण विकास में 5.4 फीसद की वृद्धि देखी गई। 2025 में अप्रैल-अगस्त के दौरान उत्पाद निर्यात 2.52 फीसद से बढ़ कर 184.13 बिलियन अमेरिकी डालर हो गया। देश में आटोमोबाइल उत्पादन 1991-92 के बीस लाख से बढ़ कर 2023-24 में दो करोड़ 80 लाख इकाइयां हो गई हैं। वित्त वर्ष 2024-25 में कोयला उत्पादन 7.12 फीसद से बढ़ कर 370 मीट्रिक टन तक पहुंच गया है।

भारत सेमीकंडक्टर मिशन के तहत नई इकाइयों को मंजूरी देकर वैश्विक केंद्र बनने की ओर अग्रसर है। इन नवीन पहलुओं के परिणामस्वरूप, भारतीय निगमित क्षेत्र न केवल घरेलू मांग को पूरा कर रहा है, बल्कि वैश्विक मूल्य शृंखला में भी एक प्रमुख शक्ति के रूप में उभर रहा है। इन सभी के बीच देश के निगमित क्षेत्र में इस समय कई तरह की आर्थिक, ढांचागत और नियामक चुनौतियां हैं। इससे विकास और उत्पादकता प्रभावित होती है। विशेष रूप से लघु और मध्य आकार की कंपनियां अपने कारोबार का विस्तार करने, नई तकनीक अपनाने या उत्पाद शृंखला में विविधता लाने के लिए आवश्यक पूंजी की कमी से जूझ रही हैं।

भारत में लाजिस्टिक लागत सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 13-14 फीसद है, जो वैश्विक औसत से अधिक है। खराब परिवहन प्रणाली, अपर्याप्त भंडारण और बिजली की कमी, ये सभी उत्पादन लागत को बढ़ाते हैं। जटिल नियामक ढांचा और नीतिगत अनिश्चितता, भ्रष्टाचार और नियमों में बार-बार बदलाव निवेश को हतोत्साहित करते हैं। अनुसंधान और विकास में कम निवेश के कारण भारतीय उद्योग नवाचार और उद्यमिता के मामले में पीछे हैं। सख्त श्रम कानूनों के कारण भी निजी क्षेत्र को कार्य बल प्रबंधन में चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। विपणन और तकनीक की पुरानी कार्यप्रणालियों के उपयोग, विशेष रूप से लघु उद्योगों में प्रतिस्पर्धा को कम करता है। जीडीपी के मुकाबले निजी ऋण का उच्च अनुपात भी आर्थिक चिंता का विषय है। भारत के निगमित क्षेत्र को विनिर्माण, बुनियादी ढांचे, नौकरशाही और वित्तीय मोर्चों पर कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। इन समस्याओं के समाधान के लिए व्यापक संरचनात्मक सुधारों की आवश्यकता है।

निगमित क्षेत्र के इन आयामों से जुड़ी समस्याओं के समाधान की दृष्टि से पुराने श्रम कानून और व्यवसाय शुरू करने तथा उनको चलाने में अत्यधिक दस्तावेजीकरण निवेश को हतोत्साहित करते हैं। एकल खिड़की मंजूरी प्रणाली को मजबूत करना तथा श्रम कानूनों का और सरलीकरण करना जरूरी है। खराब परिवहन से उत्पादन और वितरण लागत बढ़ जाती है। गति शक्ति पहल के तहत बहु-परिवहन प्रणालियों और समर्पित माल गलियारों में निवेश तेज करना तथा सामग्री प्रबंधन लागत को कम करने के प्रयास जरूरी है।

सोना खरीदने से क्यों मना कर रहे हैं मोदी?

> पश्चिम एशिया में जारी अमेरिका ईरान तनाव का असर अब भारत की अर्थव्यवस्था और आम लोगों की जिंदगी पर साफ दिखाई देने लगा है। कच्चे तेल की कीमतों में लगातार हो रही तेजी, रुपये पर बढ़ता दबाव और विदेशी मुद्रा भंडार को लेकर गहराती चिंता के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों से बचत करने की अपील की है। हैदराबाद में एक जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने लोगों से एक वर्ष तक सोना खरीदने से बचने, विदेश यात्राएं टालने और जहां संभव हो वहां घर से काम करने जैसे उपाय अपनाने का आग्रह किया।

नीरज कुमार दुबे

प्रधानमंत्री ने कहा कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण वैश्विक आपूर्ति व्यवस्था प्रभावित हुई है और होरमुज जलडमरूमध्य में बाधा आने से तेल की आपूर्ति को लेकर गंभीर संकट पैदा हो गया है। हम आपको बता दें कि यह समुद्री मार्ग दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण तेल परिवहन मार्गों में गिना जाता है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान के शांति प्रस्ताव को ठुकराए जाने के बाद कच्चे तेल की कीमतें एक सौ पांच डॉलर प्रति बैरल से ऊपर पहुंच गईं, जिससे पूरी दुनिया में महंगाई और ऊर्जा सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है।

भारत अपनी जरूरत का लगभग 88 प्रतिशत कच्चा तेल आयात करता है। ऐसे में अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतों में तेजी का सीधा असर देश की अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है। रुपये में कमजोरी आई है और आयात बिल लगातार बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि कोरोना काल के दौरान देश ने घर से काम, वर्चुअल बैठकों और वीडियो संवाद जैसी व्यवस्थाओं को अपनाया था। अब समय आ गया है कि इन तरीकों को फिर से व्यापक रूप से अपनाया जाए ताकि ईंधन की खपत कम हो और विदेशी मुद्रा की बचत हो सके।उन्होंने लोगों से मेट्रो रेल का अधिक उपयोग करने, कार पूल

जैसी शेयरिंग व्यवस्था अपनाने और बिजली से चलने वाले वाहनों को प्राथमिकता देने की अपील की। साथ ही माल परिवहन को सड़कों की बजाय रेलमार्ग की ओर ले जाने की बात भी कही ताकि डीजल पर निर्भरता घटाई जा सके। हम आपको बता दें कि पश्चिम एशिया संकट के बाद भारत का ईंधन आयात खर्च तेजी से बढ़ा है और यदि होरमुज जलडमरूमध्य में बाधा लंबे समय तक बनी रही तो तेल की ऊंची कीमतें कई महीनों तक बनी रह सकती हैं।प्रधानमंत्री की सबसे अधिक चर्चा में रही अपील सोने की खरीद को लेकर थी। उन्होंने कहा कि देशहित में नागरिकों को कम से कम एक वर्ष तक सोना खरीदने से बचना चाहिए। हम आपको बता दें कि भारत दुनिया के सबसे बड़े सोना आयातकों में शामिल है और विवाह तथा त्योहारों के मौसम में इसकी मांग बहुत बढ़ जाती है। चूंकि सोना मुख्य रूप से विदेशों से आयात किया जाता है, इसलिए इसकी अधिक खरीद से डॉलर बाहर भेजना पड़ता है और भारत के घरेलू विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव पड़ता है। अर्थशास्त्रियों के अनुसार भारत के लिए कच्चे तेल और सोने में एक समानता है। दोनों का बड़ा हिस्सा विदेशों से खरीदा जाता है और भुगतान अमेरिकी डॉलर में किया जाता है। जब तेल महंगा होता है और साथ ही सोने की मांग भी बढ़ जाती है, तब देश को आयात के लिए अधिक डॉलर खर्च करने पड़ते हैं। इससे चालू खाते का घाटा बढ़ता है और रुपये पर दबाव आता है। यही कारण है कि आर्थिक संकट के समय सरकारें अक्सर सोने के आयात को नियंत्रित करने के उपाय करती रही हैं। अतीत में भी आयात शुल्क बढ़ाने, आयात पर रोक लगाने और वैकल्पिक योजनाओं को बढ़ावा देने जैसे कदम उठाए जा चुके हैं।प्रधानमंत्री ने लोगों से अनावश्यक विदेश यात्राएं, विदेशी पर्यटन और विदेशों में आयोजित होने वाले विवाह समारोह भी एक वर्ष तक टालने का आग्रह किया। उनका कहना था कि मध्यम वर्ग में विदेश घूमने और विदेश में विवाह करने का चलन तेजी से बढ़ा है, लेकिन मौजूदा वैश्विक संकट के समय विदेशी मुद्रा बचाना राष्ट्रीय आवश्यकता बन गया है।

इस बीच, अमेरिका ईरान युद्ध का असर वैश्विक सोना बाजार पर भी दिखाई दे रहा है। आम तौर पर युद्ध और भू-राजनीतिक तनाव के समय निवेशक सोने को सुरक्षित निवेश मानते हैं, जिससे इसकी कीमतें बढ़ती हैं। लेकिन इस बार स्थिति जटिल है क्योंकि तेल की कीमतों में उछाल से महंगाई और ब्याज दरों के लंबे समय तक ऊंचे बने रहने की आशंका बढ़ गई है। ऊंची ब्याज दरों के कारण निवेशक सोने की बजाय ब्याज देने वाले निवेश विकल्पों की ओर आकर्षित हो रहे हैं। इसी कारण युद्ध की अनिश्चितता के बावजूद अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की कीमतों में उतार-चढ़ाव बना हुआ है।

हम आपको यह भी बता दें कि प्रधानमंत्री ने केवल ईंधन और सोने तक ही अपनी अपील सीमित नहीं रखी। उन्होंने खाद्य तेल की खपत घटाने, रासायनिक उर्वरकों के उपयोग को कम करने और प्राकृतिक खेती तथा स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने की भी बात कही। उनका कहना था कि किसी भी तरह विदेशी मुद्रा की बचत करना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है और देश को आत्मनिर्भर बनाने में हर नागरिक की भूमिका महत्वपूर्ण है।

हालांकि विपक्ष ने प्रधानमंत्री की इस अपील पर सवाल भी उठाए हैं। कांग्रेस ने कहा है कि सरकार ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने में विफल रही है और अब आम लोगों पर बोझ डाल रही है। दूसरी ओर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने प्रधानमंत्री की अपील को दूरदर्शी कदम बताते हुए कहा कि इससे भारत ऊर्जा के क्षेत्र में अधिक सुरक्षित और आत्मनिर्भर बन सकेगा। उधर, विशेषज्ञों का मानना है कि प्रधानमंत्री का संदेश केवल सोना या ईंधन बचाने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह देश को संभावित वैश्विक आर्थिक संकट के लिए तैयार करने का संकेत भी है। यदि तेल की कीमतें लंबे समय तक ऊंची बनी रहीं और सोने का आयात भी बढ़ता रहा, तो महंगाई, आयात बिल और रुपये पर दबाव और अधिक बढ़ सकता है। ऐसे में सरकार नागरिकों से संयम, बचत और स्वदेशी सोच अपनाने की अपील कर रही है ताकि वैश्विक संकट के बीच भारत की आर्थिक स्थिरता बनी रहे।

सुरेन्द्र अग्रवाला के आवास पर बम फेंक दहशत फैलाने की कोशिश

धनबाद (कासं) : धनबाद में अपराधियों के हौसले लगातार बुलंद होते नजर आ रहे हैं। ताजा हादसा टल गया। घटना के बाद इलाके में अफरातफरी और दहशत का माहौल है।

मामला सरायढेला थाना क्षेत्र का है, जहां प्रेमसंस होंडा सर्विस सेंटर के समीप रहने वाले व्यवसायी सुरेन्द्र अग्रवाला के आवास पर देर रात अज्ञात अपराधियों ने बम फेंक कर दहशत फैलाने की कोशिश की। गनीमत रही कि बम फटा नहीं, जिससे एक बड़ा

सूचना मिलते ही सरायढेला थाना के एसआई अनूप कुमार दलबल के साथ मौके पर पहुंचे और जांच शुरू कर दी। पुलिस ने बम को कैंजे में लेकर आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच शुरू कर दी है, ताकि अपराधियों की पहचान की जा सके। मामले की गंभीरता को देखते हुए धनबाद विधायक राज सिन्हा भी घटनास्थल पर पहुंचे और पुलिस अधिकारियों से जानकारी ली।

बताया जा रहा है कि वर्ष २०१० में भी सुरेन्द्र अग्रवाला के घर डकैती की बड़ी घटना हो चुकी है। अब एक बार फिर इस घटना ने इलाके की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है। देर रात व्यवसायी सुरेन्द्र अग्रवाला के घर के बाहर बम फेंके जाने की सूचना मिलते ही इलाके में हड़कंप मच गया। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने बम को सुरक्षित कैंजे में लिया। पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। घटना के बाद धनबाद विधायक राज सिन्हा भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने कहा कि शहर में लगातार आपराधिक घटनाएं बढ़ रही हैं और पुलिस को अपराधियों पर सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। वहीं पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है और जल्द ही अपराधियों की पहचान कर गिरफ्तारी की जाएगी।

आइसा ने चार सूत्री मांगों को ले किया प्रदर्शन

धनबाद (कासं) : ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन (आइसा) धनबाद ने अपनी मांगों को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया। आइसा की मांगों में लॉ कॉलेज धनबाद में एलएलएम की पढ़ाई शुरू करना। लॉ कॉलेज धनबाद को अंगीभूत कॉलेज बनाना। लॉ कॉलेज धनबाद में एक स्थाई शासी निकाय का गठन। लॉ कॉलेज के दाता की सूची को जल्द से जल्द जारी करना शामिल है। मौके पर आइसा के राज्य अध्यक्ष विभा पुष्पदीप, राज्य उपाध्यक्ष स्नेहा कुमारी, राज्य सह सचिव रितेश मिश्रा, विश्वविद्यालय प्रभारी दीपक महतो, अनिमेष कुमार, संजय कुमार महतो, वीरेंद्र कुमार, अमित कुमार एवं अन्य छात्र-छात्राएं मौजूद थे।

केंद्रीय मंत्री सतीश चंद्र का रागिनी व मेयर संजीव ने किया स्वागत

धनबाद (कासं) : केंद्रीय कोयला एवं खान राज्य मंत्री सतीश चंद्र दुबे के धनबाद आगमन पर झरिया विधायक रागिनी सिंह एवं धनबाद मेयर संजीव सिंह ने अपने आवास सिंह मेंशन में उनका गर्मजोशी के साथ स्वागत किया। इस शिष्टाचार एवं आत्मीय भेंट के दौरान झरिया समेत पूरे कोयलांचल की वस्तुस्थिति एवं जनसमस्याओं पर विस्तारपूर्वक चर्चा हुई। वहीं केंदुआडीह क्षेत्र में भूधंसान से प्रभावित सड़क की गंभीर समस्या को केंद्रीय मंत्री के समक्ष रखा गया।

क्षेत्रवासियों की सुरक्षा एवं सुगम आवागमन को ध्यान में रखते हुए समस्या के शीघ्र समाधान की मांग की गई। साथ ही झरिया क्षेत्र में आग, भू-धंसान, विस्थापन और पुनर्वास से जुड़े मुद्दों पर भी चर्चा हुई। झरिया विधायक रागिनी सिंह ने कहा कि कोयलांचल की समस्याएं वर्षों पुरानी हैं और प्रभावित लोगों को सुरक्षित जीवन उपलब्ध कराना बेहद जरूरी है। उन्होंने केंद्रीय मंत्री से प्रभावित क्षेत्रों में त्वरित कार्रवाई कर राहत पहुंचाने का आग्रह किया। धनबाद मेयर संजीव सिंह ने कहा कि कोयलांचल की वास्तविक स्थिति को केंद्र सरकार तक पहुंचाना आवश्यक है। उन्होंने उम्मीद जताई कि केंद्रीय मंत्री के प्रयासों से क्षेत्र की आधारभूत समस्याओं के समाधान में तेजी आएगी।

केंद्रीय मंत्री सतीश चंद्र दुबे ने कहा कि कोयलांचल क्षेत्र की समस्याओं की गंभीरता को समझते हुए संबंधित विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर आवश्यक कदम उठाए जाएंगे, ताकि आम लोगों को राहत मिल सके।

मजदूरशोषितों के मसीहा थे एके राय : विधायक अरूप

धनबाद (कासं) : कामरेड एके राय स्मारकीय समिति की बैठक एलसी रोड स्थित सम्राट चौधरी के मठ कार्यालय परिसर में हुई। बापू हरि प्रसाद प्रसाद ने की। बैठक में वाम पंथ के जननायक, दादा के पूर्व कॉ० ए के रॉय की ९१वीं जयंती १५ जून को धूमधाम से मनाने का फैसला लिया गया। वक्ताओं ने कहा कि १५ जून को जगजीवन नगर स्थित भगत सिंह की मूर्ति में माल्यापर्न के बाद सेंट्रल अस्पताल के मुख्य द्वार पर एके रॉय की मूर्ति की स्थापना और सभा आयोजित की जाएगी। उनकी याद में ब्लड डोनेशन कैम्प लगाया जाएगा। शाम को एसएनएमएमसीएच में बच्चों के बीच भोजन का वितरण किया जाएगा। बैठक में निरसा के विधायक अरूप चटर्जी ने कहा कि का० ए के रॉय किसान मजदूर, शोषित के मसीहा थे। अपने जीवन लोगों के लिए समर्पित कर दिया। ऐसे लोग विरले ही पैदा होते हैं। उनका सिर्फ जन्मदिन मनाना नहीं बल्कि उनके संघर्षों को याद करना है। उनके संघर्षों को आगे बढ़ाते हुए हम लोगों की मुख्य जिम्मेवारी है।

मौके पर सत्यनारायण कुमार, एएम पाल, सम्राट चौधरी, रामकृष्ण पासवान, कार्तिक प्रसाद, राणा चाटराज, हिमांशु मंडल, नकुलदेव सिंह, कल्याण घोषाल, बीडी गोस्वामी, लीलामय गोस्वामी, आरपी महतो, अजय महतो, शत्रुघ्न महतो, विश्वजीत राय, मुमताज अली आदि मौजूद थे।

पेट्रोलडीजल की सप्लाई में कोई कमी नहीं : जिला प्रशासन

धनबाद (कासं) : उपायुक्त सह जिला दडाधिकारी आदित्य रंजन की अध्यक्षता में उप विकास आयुक्त सन्नी राज, सिटी एसपी ऋत्विक श्रीवास्तव तथा अनुमंडल दंडाधिकारी लोकेश बारंगे ने इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड, भारत पैट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड एवं हिंदुस्तान पैट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड के वरीय प्रबंधन के साथ बैठक कर पेट्रोल पंपों पर ईंधन सप्लाई की वास्तविक स्थिति पर विस्तृत चर्चा की। उपायुक्त इस बैठक में ऑनलाइन जुड़े थे।

पेट्रोलियम कंपनियों से जब पूछा गया कि अचानक सभी पेट्रोल पंप पर वाहनों की अत्यधिक भीड़ होने का क्या कारण था तब पेट्रोलियम कंपनियों ने बताया कि पेट्रोल डीजल की सप्लाई में कोई कमी नहीं है। सुबह से सभी पंप पर ईंधन की आपूर्ति जारी है। बताया कि अफवाहों के कारण पेट्रोल पंपों पर अचानक वाहनों की भीड़ उमड़ पड़ी। घबराहट में लोग अपने वाहनों में अतिरिक्त ईंधन भराने के लिए पहुंचने लगे। इसके कारण सामान्य व्यवस्था प्रभावित हुई।

बताया कि अफवाह के कारण कुछ पेट्रोल पंपों पर ४ दिन की बिक्री के बराबर ईंधन की बिक्री हुई। अमूमन वाहनों में कम ईंधन भराने वालों ने भी अधिक ईंधन भरा लिया। जबकि ईंधन की सप्लाई सुचारू रूप से बनी हुई है। प्रबंधन ने धनबाद को अतिरिक्त ईंधन सप्लाई किया है। पेट्रोलियम कंपनी हर रिटेलर के स्टॉक की जानकारी ऑनलाइन देख सकते हैं। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त ने कहा कि जब तक स्थिति सामान्य नहीं हो जाती तब तक जिला प्रशासन एवं पेट्रोलियम कंपनियां रिटेल आउटलेट पर नजर बनाए रखेंगी। जिला पशासन ने सभी अंचल अधिकारियों एवं संबंधित थाना को अपनेअपने क्षेत्र के पेट्रोल पंप पर नजर बनाए रखने का निर्देश दिया है। उन्होंने जिला प्रशासन को पेट्रोल पंप में स्टॉक की सूचना देने का भी निर्देश दिया।

उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि जनहित के विरुद्ध रिटेल आउटलेट कोई काम नहीं करेगा। ईंधन का स्टॉक होने के बावजूद पेट्रोल पंप जानबूझकर ईंधन नहीं देगा तो जिला प्रशासन अपने स्तर से पंप संचालक के विरुद्ध करवाई करेगा।

बैठक के अंत में उप विकास आयुक्त ने जिला प्रशासन की ओर से लोगों को अफवाहों पर ध्यान नहीं देने की अपील की। बैठक में उप विकास आयुक्त सन्नी राज, सिटी एसपी ऋत्विक श्रीवास्तव, अनुमंडल दंडाधिकारी लोकेश बारंगे, बीपीसीएल के टेरिटरी मैनेजर मनीष कुमार गर्ग, एचपीसीएल के रीजनल मैनेजर अमित मेहता, आईओसीएल के डिविजनल मैनेजर सुयांश कुमार मौजूद।

डालसा ने चलाया जनजागरूकता अभियान

धनबाद (कासं) : झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार के निर्देश पर जिले भर में चलाए जा रहे ९० दिवसीय अवेयरनेस एवं आउटरीच कार्यक्रम के तहत जिला विधिक सेवा प्राधिकार धनबाद द्वारा निरसा ,तोंपचांची, बलियापुर में जनजागरूकता अभियान चलाया गया। इस बाबत जानकारी देते हुए प्राधिकार के सचिव सह और न्यायाधीश मयंक तुषार टोपनो ने बताया कि निरसा प्रखंड के मदनपुर पंचायत के तिलतोडिया गांव में अधिकार मित्र पंकज कुमार वर्मा, श्याम कुमार झा, पूनम हेंब्रम, फूल चांद महतो, भोलानाथ धीवर के द्वारा विधिक जागरूकता शिविर लगाकर ग्रामीणों को नालसा तथा झालसा द्वारा चलाए जा रहे योजनाओं के बारे में, जागृति योजना, संवाद योजना, वीर परिवार योजना, आशा योजना, साथी योजना, डोन योजना, जिला विधिक सेवा अधिकार धनबाद के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए, दिव्यांग प्रमाण पत्र के संबंध में विशेष जानकारी दी, स्पॉन्सरशिप से मिलने वाले लाभ के बारे में बताई गई, असाध्य रोग में सिविल सर्जन कार्यालय से रकम की प्रावधान के बारे में समझाई गई, सड़क दुर्घटना के संबंध में हिट एंड रन में मिलने वाले मुआवजे की जानकारी दी गई। विधिक सहायता केंद्र के बारे में बताई गई, नि:शुल्क अधिवक्ता के बारे में, लोक अदालत तथा नेशनल लोक अदालत के बारे में, प्रखंड कार्यालय में चल रहे जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में ग्रामीणों को जानकारी दी गई। कहा गया कि किसी भी प्रकार की कानूनी समस्या यदि हो रही हो तब आप अभिलंब १५१०० नंबर की विशेष जानकारी देते हुए डोरटूडोर कैम्प भी किया।

टाटा डीएवी में तनाव प्रबंधन पर सत्र आयोजित

जोड़ापोखर (ससे) : टाटा डीएवी स्कूल, जामाडोबा में कक्षा ग्यारहवी एवं बारहवीं के विद्यार्थियों के लिए तनाव प्रबंधन विषय पर एक विशेष सत्र का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन प्रसिद्ध काउंसलिंग साइकेट्रिस्ट कोमल अग्रवाल द्वारा किया गया, जो वर्तमान में टाटा स्टील के सहयोग से झरिया एवं वेस्ट बोकारो क्षेत्र के विद्यालयों में विद्यार्थियों के भावनात्मक कल्याण हेतु कार्य कर रही हैं।

कार्यक्रम की शुरुआत संगीत शिक्षक अभिषेक पाठक द्वारा प्रस्तुत स्वागत गीत से हुई। इसके पश्चात वरिष्ठ शिक्षिका डालिया मुखर्जी ने स्वागत भाषण दिया। विद्यालय के प्राचार्य अमितावा दासगुप्ता ने अपने प्रेरणादायक संबोधन में विद्यार्थियों को सकारात्मक सोच अपनाने तथा मानसिक स्वास्थ्य के महत्व को समझने के लिए प्रेरित किया।

मुख्य वक्ता कोमल अग्रवाल ने विद्यार्थियों को तनाव के कारणों एवं उसके मानसिक और शारीरिक प्रभावों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने बोर्ड परीक्षा की तैयारी के दौरान तनाव को नियंत्रित करने के लिए समय प्रबंधन, गहरी साँस लेने की तकनीक, सकारात्मक सोच, पर्याप्त नींद तथा नियमित विश्राम जैसे व्यावहारिक उपायों की जानकारी दी।

सत्र अत्यंत संवादात्मक एवं ज्ञानवर्धक रहा। विद्यार्थियों ने परीक्षा के तनाव, साथियों के दबाव तथा मानसिक चुनौतियों से संबंधित अनेक प्रश्न पूछे, जिनका समाधान सरल एवं प्रभावी तरीके से किया गया।

कार्यक्रम का समापन संगीत शिक्षिका श्रुति मैम द्वारा प्रस्तुत मधुर गीत के साथ हुआ। यह सत्र विद्यार्थियों के लिए अत्यंत उपयोगी एवं प्रेरणादायक सिद्ध हुआ।

गैस रिसाव से क्षतिग्रस्त सड़क को ओबी डालकर किया बंद

कतरास (ससे) : बीसीसीएल के सिजुआ एरिया५ अंतर्गत जोगता से कनकनी जाने वाले मार्ग में जोरिया नदी के समीप पीसीसी सड़क गैस रिसाव के कारण पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई है। सड़क पर

लगातार हो रहे गैस रिसाव से लोगों की सुरक्षा को खतरा उत्पन्न हो गया था। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए जोगता नागरिक समिति के अध्यक्ष अनुज कुमार सिन्हा की पहल पर सड़क को ओबी (ओवरबर्डन) डालकर बंद कर दिया गया। समिति की ओर से यह कदम आम लोगों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उठाया गया है, ताकि किसी प्रकार की दुर्घटना से बचाव किया जा सके। स्थानीय लोगों ने संबंधित विभाग से जल्द स्थाई समाधान निकालने और क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है।

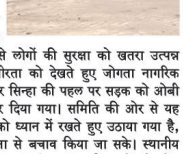

धनबाद रेलवे में चला टिकट चेकिंग अभियान

धनबाद (कासं) : धनबाद मंडल में बड़े पैमाना पर टिकट चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। धनबाद मंडल में मेगा टिकट चेकिंग अभियान चलाया गया। यह टिकट चेकिंग अभियान सुनियोजित कार्यक्रम के तहत दिनसत चलाया गया। जांच अभियान के परिणामस्वरूप ११४० यात्रियों को पकड़ा गया जिसमें बिना टिकट यात्रा कर रहे यात्री, बिना उचित प्राधिकार के यात्रा करने वाले यात्री, बिना बुक किये गए सामान के साथ यात्रा कर रहे यात्रीगण शामिल थे। इस दौरान उनसे ७.४० लाख जुमनि के रूप में राशि प्राप्त की गई तथा पकड़ें गए यात्रियों को उचित टिकट के साथ यात्रा करने की कड़ी हिदायत दी गई। चेकिंग टीमों द्वारा स्टेशनों एवं विभिन्न मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों में भी चेकिंग किया गया। धनबाद मंडल द्वारा निरंतर टिकट जांच किया जा रहा है तथा भविष्य में भी यह जारी रहेगा। टिकट जांच अभियान के दौरान स्टेशनों के अनारक्षित टिकट काउंटर पर यात्रियों की काफी भीड़ देखी गई।

डीएवी सीएफआरआई में अंतरमृह प्रतियोगिता के परिणाम घोषित

जोड़ापोखर (ससे) : डीएवी मॉडल स्कूल सीएफआरआई में आयोजित अंतरमृह प्रतियोगिता के परिणाम घोषित किए गए। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में उत्साह एवं खुशी का वातावरण देखने को मिला। यह कार्यक्रम सुबह की प्रार्थना सभा में आयोजित की गई। प्रतियोगिता में विभिन्न गृहों के विद्यार्थियों ने बढ़चढ़कर भाग लिया और अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। इस अवसर पर विद्यालय की प्राचार्या महुआ ने विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कार एवं प्रमाणपत्र प्रदान किए। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएँ विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इस तरह की प्रतियोगिता में भाग लेना चाहिए ताकि उनका शारीरिक और मानसिक विकास होता है।

इस कार्यक्रम में बुलेटिन बोर्ड डिस्प्ले प्रतियोगिता, विज्ञान प्रदर्शनी प्रतियोगिता और समाज विज्ञान प्रदर्शनी प्रतियोगिता आयोजित की गई। सभी गृहों के बीच कड़ा मुकाबला हुआ। बुलेटिन बोर्ड प्रतियोगिता में विजेता हैं - प्रथम बृजानंद हाउस, द्वितीय - श्रद्धानंद हाउस, दयानंद हाउस और तृतीय -हंसराज हाउस, विज्ञान प्रदर्शनी में विजेता टीम हैं कक्षा (षष्टम- अष्टम) - प्रथम - वृजानंद हाउस द्वितीय - श्रद्धानंद हाउस, दयानंद हाउस और तृतीय -हंसराज हाउस, वर्ग (नवम बारहवीं) प्रथम - वृजानंद हाउस, द्वितीय - दयानंद हाउस, हंसराज हाउस और तृतीय- श्रद्धानंद हाउस, समाज विज्ञान प्रतियोगिता में विजेता हैं कक्षा (षष्टम - अष्टम) प्रथम-वृजानंद हाउस, द्वितीय - दयानंद हाउस और तृतीयहंसराज हाउस और श्रद्धानंद हाउस, कक्षा (नवम - बारहवीं) में विजेता हैं -प्रथम- वृजानंद हाउस, द्वितीय-दयानंद हाउस और तृतीय श्रद्धानंद हाउस और हंसराज हाउस है। इस अवसर पर विद्यालय के सभी शिक्षक, शिक्षिकाएं एवं विद्यार्थी मौजूद थे।

'अपने हिस्से की ज़िंदगी' पुस्तक का विमोचन

धनबाद (कासं) : शिल्पे अनन्या बांग्ला त्रैमासिक पत्रिका के कार्यालय धनबाद में डॉ. काशी नाथ चटर्जी द्वारा लिखित आत्म कथात्मक पुस्तक अपने हिस्से की ज़िंदगी का विमोचन प्रो. डॉ. दीपक कुमार सेन की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में साहित्य, शिक्षा, विज्ञान आंदोलन और सामाजिक क्षेत्र से जुड़े अनेक लोगों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

इस अवसर पर डॉ. काशीनाथ चटर्जी ने अपनी पुस्तक के संबंध में कहा कि वे पिछले लगभग दस वर्षों से ज्ञानविज्ञान आंदोलन, शिक्षा आंदोलन और सामाजिक अनुभवों पर लगातार लिखते रहे हैं। प्रख्यात लेखक स्व. अजीत राय के उत्साह और प्रेरणा से उन लेखों को पुस्तक का स्वरूप दिया गया। उन्होंने बताया कि इस पुस्तक का प्रारंभिक रूप चिह्न दखल एर लड़ाई नाम से बांग्ला में प्रकाशित हुआ था, जिसकी चर्चा बंगाल तथा बांग्ला साहित्यिक जगत में व्यापक रूप से हुई थी। अब वही पुस्तक हिंदी में अपने हिस्से की ज़िंदगी के रूप में प्रकाशित हुई है।

डॉ. चटर्जी ने कहा कि इस पुस्तक को लिखने का उनका मुख्य उद्देश्य देशभर में ज्ञान-विज्ञान आंदोलन, साक्षरता अभियान और शिक्षा आंदोलन के दौरान प्राप्त अनुभवों को साझा करना है। उन्होंने कहा कि उन्हें भारत के लगभग सभी राज्यों में भ्रमण करने तथा विभिन्न भाषाभाषी और विविध समुदायों के लोगों के बीच काम करने का अवसर मिला। इस दौरान उन्होंने महसूस किया कि भारत की वास्तविक शक्ति अनेकता में एकता की भावना में निहित है।

उन्होंने यह भी कहा कि भारत ज्ञान विज्ञान समिति तथा उससे जुड़े हजारों कार्यकर्ताओं के अथक परिश्रम से साक्षरता और विज्ञान आंदोलन को गांव-गांव तक पहुंचाया। उन समर्पित कार्यकर्ताओं के संघर्ष, प्रतिबद्धता और योगदान को भी उन्होंने इस पुस्तक में स्थान देने का प्रयास किया है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रो. डॉ. दीपक कुमार सेन ने सभी उपस्थित लोगों का स्वागत किया और कहा कि उन्हें अत्यंत प्रसन्नता है कि डॉ. काशी नाथ चटर्जी ने अपने जीवन के अनुभवों और आंदोलनकारी संघर्षों को पुस्तक के रूप में प्रस्तुत किया है। उन्होंने कहा कि वे इस पुस्तक को बांग्ला में पढ़ चुके हैं और यह विज्ञान आंदोलन से जुड़े कार्यकर्ताओं के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण दस्तावेज साबित होगी। उन्होंने लेखक को हार्दिक बधाई भी दी।

भारत ज्ञान विज्ञान समिति की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य रवि सिंह ने कहा कि इस पुस्तक को पढ़कर उन्हें नई ऊर्जा मिली। साथ ही यह समझने का अवसर भी मिला कि विज्ञान आंदोलन में हजारों कार्यकर्ताओं ने किस प्रकार अपनी सक्रिय भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि इस पुस्तक से यह स्पष्ट होता है कि विज्ञान आंदोलन ने पूरे देश में किस तरह अपनी मजबूत पकड़ बनाई और ग्रामीण युवाओं को संगठित तथा जागरूक किया। ज्ञान विज्ञान समिति, झारखंड के उपाध्यक्ष हेमंत जायसवाल ने कहा कि वे स्वयं इस आंदोलन के हमसफर रहे हैं और उन्हें अत्यंत खुशी है कि डॉ. काशी नाथ चटर्जी ने अपने आंदोलनकारी जीवन को आत्मकथात्मक रूप में प्रस्तुत किया है। उन्होंने कहा कि पिछले लगभग ३० वर्षों से वे साथसाथ काम करते आ रहे है।

सामाजिक कार्यकर्ता एवं जनआंदोलन के नेता विकास ठाकुर ने लेखक को बधाई देते हुए कहा कि उन्होंने भी साक्षरता और विज्ञान आंदोलन को बहुत निकट से देखा है। यह पुस्तक निश्चित रूप से कार्यकर्ताओं को नई ऊर्जा प्रदान करेगी। अधिवक्ता सौरभ चटर्जी ने कहा बचपन से हमने पिताजी के काम को नजदीक से देखा है उनका पूरा जीवन समाज को समर्पित रहा है आज भी वे सक्रिय हैं।

ज्ञान विज्ञान समिति के जिला सचिव भोला नाथ राम ने कहा कि वे १४ वर्ष की आयु से ही साक्षरता आंदोलन से जुड़े रहे हैं। उन्होंने हजारों स्वयंसेवकों को नि:स्वार्थ भाव से काम करते देखा है। यह पुस्तक आने वाली पीढ़ी के स्वयंसेवक साथियों के लिए प्रेरणादायी दस्तावेज का कार्य करेगी। कार्यक्रम में विश्वजीत गुप्ता, कवि जगबंधु आचार्जी, रानी मिश्रा, बैसाखी चंद्र तथा पार्थ सेनगुप्ता सहित अन्य उपस्थित लोगों ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

हाथियों को लेकर राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित करने का उपायुक्त ने दिया प्रस्ताव

बोकारो (ससे): जिले में मानव-वन्यजीव संघर्ष, विशेषकर हाथियों की समस्या के स्थायी एवं प्रभावी समाधान तथा वन क्षेत्रों के आसपास रहने वाले समुदायों की आजीविका को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से गुरुवार को पेटरवार फॉरेस्ट रेस्ट हाउस में एक महत्वपूर्ण उच्च स्तरीय बैठक आयोजित की गई।

बैठक में प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) रवि रंजन, उपायुक्त बोकारो अजय नाथ झा, जिला वन पदाधिकारी (डीएफओ) नीतीश कुमार, वन पदाधिकारी संदीप शींदि सहित जापान इंटरनेशनल कोऑपरेशन एजेंसी (जेआइसीए) के प्रतिनिधि एवं प्रोजेक्ट गणेशा के विशेषज्ञ शामिल हुए। बैठक से पूर्व जेआइसीए एवं प्रोजेक्ट गणेशा की संयुक्त टीम ने जिले के विभिन्न हाथी प्रभावित क्षेत्रों एवं संयुक्त वन प्रबंधन समिति (जेएफएमसी) क्षेत्रों का भ्रमण किया। भ्रमण के दौरान मानव-हाथी संघर्ष की वर्तमान स्थिति, प्रभावित गांवों की परिस्थितियों एवं जमीनी चुनौतियों का आकलन किया गया।

पेटरवार रेस्ट हाउस में आयोजित बैठक में मानव-वन्यजीव संघर्ष को कम करने के लिए वैज्ञानिक एवं व्यवहारिक रणनीतियों पर विस्तृत चर्चा की गई। साथ ही, वन क्षेत्रों पर निर्भर ग्रामीणों की सुरक्षा,आजीविका सुदृढ़ीकरण तथा हाथियों के सुरक्षित आवागमन को लेकर जिला प्रशासन एवं वन विभाग द्वारा किए जा रहे प्रयासों की विस्तृत समीक्षा की गई।

बैठक में जानकारी दी गई कि जिला प्रशासन द्वारा हाथी प्रभावित क्षेत्रों में बी-कीपिंग (मधुमक्खी पालन), सोलर लाइट एवं हाई मास्क लाइट लगाए गए हैं, ताकि हाथियों की गतिविधियों पर नियंत्रण के साथ-साथ ग्रामीणों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। इन प्रयासों से मानव-हाथी संघर्ष को कम करने में सकारात्मक परिणाम प्राप्त हो रहे हैं।

बैठक के दौरान उपायुक्त अजय नाथ झा ने हाथी संघर्ष प्रबंधन विषय पर राष्ट्रीय स्तर का सम्मेलन आयोजित करने का प्रस्ताव दिया। बैठक में उपस्थित अधिकारियों एवं विशेषज्ञों ने इस पहल का स्वागत करते हुए कहा कि सम्मेलन का उद्देश्य केवल संघर्ष को कम करना नहीं, बल्कि स्थानीय समुदायों एवं हाथियों के बीच बेहतर सह-अस्तित्व और तालमेल स्थापित करना होगा। सम्मेलन के माध्यम से हाथी प्रबंधन को संवेदनशील, सहभागी एवं स्वागत योग्य दृष्टिकोण के साथ विकसित करने की रूपरेखा तैयार करने पर बल* दिया गया।

बैठक में कहा गया कि प्रशासन, वन विभाग एवं अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों का संयुक्त प्रयास भविष्य में मानव एवं वन्यजीव दोनों के लिए सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होगा। यह पहल वन्यजीव संरक्षण एवं ग्रामीण विकास के बीच संतुलन स्थापित करने की दिशा में एक मील का पत्थर सिद्ध होगी।

पूर्व विधायक स्व. माधव लाल सिंह को मंत्री उत्पाद एवं उपायुक्त ने दी श्रद्धांजलि

बोकारो (ससे): गोमिया विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक, एकीकृत बिहार सरकार एवं राज्य गठन के बाद झारखंड सरकार में मंत्री रहे स्व० माधव लाल सिंह के पार्थिव शरीर पर मंत्री, उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग योगेन्द्र प्रसाद एवं उपायुक्त अजय नाथ झा ने पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर मंत्री योगेन्द्र प्रसाद ने भी दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि स्व० माधव लाल सिंह ने अपने लंबे सार्वजनिक जीवन में आमजन की समस्याओं को प्राथमिकता देते हुए समाज के हर वर्ग के उत्थान हेतु कार्य किया। उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व को सदैव याद किया जाएगा।

वहीं, उपायुक्त अजय नाथ झा ने कहा कि स्व० माधव लाल सिंह का सार्वजनिक जीवन अत्यंत प्रेरणादायी रहा। उन्होंने जनसेवा, सामाजिक सरोकार एवं क्षेत्र के विकास के लिए सदैव समर्पित भाव से कार्य किया। उनका निधन सार्वजनिक जीवन एवं क्षेत्र के लिए अपूरणीय क्षति है। उनका योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा।

इस दौरान उपस्थित अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य लोगों ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की तथा शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की।

चौक चौराहों एवं रोड किनारे अतिक्रमण हटाने की शुरुआत

डुमरी (ससे): वनांचल चौक,बेरमो मोड़,बस स्टैंड,इसरी बाजार चौक,स्टेशन रोड एवं आसपास में सड़क किनारे किये गए अतिक्रमण पर स्थानीय प्रशासन द्वारा अतिक्रमण हटाओ अभियान शुरु कर दिया है।पहले दिन गुरूवार को वनांचल चौक और बेरमो मोड़ के आसपास तथा पुराना जीटी रोड किनारे किये गए अतिक्रमण को हटाने का निर्देश अतिक्रमणकारियों को दिया गया।

अतिक्रमण हटाओ अभियान का नेतृत्व सीओ डुमरी शशिभूषण वर्मा कर रहे थे जबकि इस दौरान डुमरी थाना प्रभारी श्रीकांत कुमार सदलबल व निमियाघाट थाना के पुलिस बल शामिल थे।अधिकारियों की सख्त हिदायत के बाद लोगों ने स्वयं ही अपने ठेलों,अस्थायी दुकानों,गुमटियों को हटाना शुरू कर दिया।हालांकि कई लोग अभी भी अपने दुकानों को नहीं हटाये हैं।सीओ द्वारा वैसे अतिक्रमणकारियों को शीघ्र ही अतिक्रमण हटाने का निर्देश दिया गया है जो या तो

सिमेंटेड दुकान और रेलिंग लगाकर सरकारी जमीन का अतिक्रमण कर लिया है।सीओ ने बताया कि यह अभियान अभी जारी रहेगा।बताया जाता है कि अभी सभी अतिक्रमणकारियों को अपने अतिक्रमण को स्वयं ही हटा लेने के लिए कहा गया है।अन्यथा पुलिस प्रशासन द्वारा जेसीबी द्वारा अतिक्रमण को हटाया जाएगा। पहले दिन की अतिक्रमण हटाओ अभियान में

सड़क के दोनों ओर लगे ठेले,खोमचे,फास्ट फूड और सब्जी बिक्रेताओं को हटाकर मार्ग को साफ किया गया।गौरतलब हो कि ८ मई को इसरी बाजार में हुए भीषण हादसे में ५ लोगों की मौत होने और कई के घायल होने के बाद पुलिस प्रशासन ने अतिक्रमण पर सख्त रूख अपनाया है और अतिक्रमण करने वालों पर सख्त कार्रवाई करने की बात भी कही जा रही है।बतादें कि वनांचल चौक से रेलवे फाटक इसरी बाजार व आसपास एवं स्टेशन रोड में हुए अतिक्रमण से रोड पनाह मांग रहा है साथ ही आमजनों एवं यात्रियों को अपनी जान जोखिम में डालकर रोड पर ही चलना पड़ता है।जिससे आये दिन दुर्घटनाएं होती रहती है।

इधर झाएकिमयू केन्द्रीय अध्यक्ष गंगाधर महतो एवं युवा कांग्रेस के जिला महासचिव गुड्डु मलिक ने सभी अतिक्रमणकारियों अपील की है कि वे स्वयं ही सड़क के दोनों ओर को अतिक्रमण मुक्त कर दें साथ ही क्षेत्र के पुलिस प्रशासन से भी मांग की है कि अतिक्रमण हटाने का अभियान सिर्फ झुग्गी झोपड़ियों तक ही सीमित नहीं रहे बल्कि सभी अतिक्रमणकारियों पर समान कार्रवाई हो।

अबुआ आवास पहुंच लाभुक के घर उपायुक्त ने पिया पानी

बोकारो (ससे): पेटरवार प्रखंड अंतर्गत उलगढ़ा स्थित आम बागवानी, ओरदाना स्थित अबुआ आवास एवं कोंध पंचायत के बुढ़नगढ़ा में ३५ एकड़ में विकसित आम बागवानी का उपायुक्त अजय नाथ झा ने निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने योजनाओं से जुड़े लाभुकों से संवाद किया तथा योजनाओं के क्रियान्वयन एवं उससे हो रहे लाभ की जानकारी ली।ओरदाना में अबुआ आवास योजना के लाभुक सावीती देवी के घर पहुंचकर उपायुक्त ने परिवार के साथ बैठकर बातचीत की और घर में दिए गए पानी को सहज भाव से ग्रहण किया। इस क्षण ने उपस्थित ग्रामीणों को भावुक कर दिया।

उपायुक्त ने कहा कि राज्य सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं का उद्देश्य अंतिम व्यक्ति तक सम्मानपूर्वक लाभ पहुंचाना है। प्रशासन लगातार यह सुनिश्चित कर रहा है कि जरूरतमंद परिवारों को योजनाओं का लाभ समय पर और पारदर्शी तरीके से मिले।उन्होंने आम बागवानी योजनाओं का निरीक्षण करते हुए लाभुक गोवर्धन मांझी, लाल किशुन मांझी, बाबु राम मांझी आदि से खेती एवं आय संवर्धन को लेकर विस्तार से संवाद किया।

उपभोक्ताओं को मिली राहत, ऑन द स्पॉट हुआ कई समस्याओं का निष्पादन

गिरिडीह (ससे): जिला उपायुक्त, रामनिवास यादव के निर्देशानुसार आज गिरिडीह विद्युत आपूर्ति प्रमंडल के अंतर्गत पीएसएस खरगडीहा परिसर में विद्युत उपभोक्ता शिकायत निवारण एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में उपभोक्ता पहुंचे और अपनी विभिन्न समस्याओं से संबंधित आवेदन अधिकारियों को सौंपे। शिविर के दौरान बिजली बिल में त्रुटि, बकाया राशि, मीटर संबंधी शिकायत, नया विद्युत कनेक्शन, मोबाइल नंबर अपडेट, उपभोक्ता संख्या की जानकारी, स्मार्ट मीटर से जुड़ी समस्याएं एवं नाम सुधार जैसे मामलों पर विशेष रूप से सुनवाई की गई। कई मामलों का मौके पर ही निष्पादन किया गया, जबकि अन्य समस्याओं के त्वरित समाधान का आश्वासन विभागीय अधिकारियों द्वारा दिया गया। शिविर में मौजूद अधिकारियों ने उपभोक्ताओं को ऑनलाइन बिजली बिल भुगतान, ऊर्जा संरक्षण, सुरक्षित विद्युत उपयोग एवं विभागीय योजनाओं की जानकारी भी दी। बताया कि विभाग का उद्देश्य उपभोक्ताओं को पारदर्शी एवं बेहतर सेवा उपलब्ध कराना है, ताकि लोगों को बिजली संबंधी परेशानियों के लिए बार-बार कार्यालय का चक्कर न लगाना पड़े। कार्यक्रम के दौरान लोगों में जागरूकता बढ़ाने के लिए विशेष अपील की गई कि सभी उपभोक्ता अपने बिजली कनेक्शन से संबंधित जानकारी अद्यतन रखें और किसी भी समस्या के समाधान हेतु विभाग द्वारा आयोजित शिविरों का लाभ उठाएं। शिविर में ग्रामीणों ने भी अपनी समस्याओं को खुलकर रखा और विभागीय पहल की सराहना की। विभाग ने आगे भी विभिन्न पंचायत एवं प्रखंड क्षेत्रों में इसी प्रकार के शिकायत निवारण एवं जागरूकता शिविर आयोजित करने की बात कही, ताकि आम जनता को त्वरित एवं सुगम विद्युत सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकें।

पंचतत्व में विलीन हुए पूर्व मंत्री स्व. माधव लाल

बोकारो (ससे): गोमिया विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक, एकीकृत बिहार सरकार एवं राज्य गठन के बाद झारखंड सरकार में मंत्री रहे स्व० माधव लाल सिंह का अंतिम संस्कार गुरुवार को साड़म पश्चिमी स्थित बोकारो नदी तट पर राजकीय सम्मान के साथ संपन्न हुआ। इस दौरान उनका पार्थिव शरीर पंचतत्व में विलीन हो गया।

अंतिम संस्कार में जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों, विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं हजारों की संख्या में उपस्थित समर्थकों ने नम आंखों से उन्हें अंतिम विदाई दी। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने स्व० माधव लाल सिंह के सार्वजनिक जीवन, जनसेवा एवं क्षेत्र के विकास में उनके योगदान को याद करते हुए श्रद्धासुमन अर्पित किए। अंतिम यात्रा के दौरान पूरे वातावरण में शोक की लहर व्याप्त रही। लोगों ने स्व० माधव लाल सिंह अमर रहें के नारों के साथ उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।मौके पर मंत्री उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग योगेन्द्र प्रसाद, उपायुक्त अजय नाथ झा समेत अनुमंडल एवं प्रखंड स्तरीय पदाधिकारीगण, ग्रामीण आदि उपस्थित थे।

डीपीएस बोकारो का रिकॉर्डतोड़ प्रदर्शन, दो-दो स्टेट टॉपर

बोकारो (ससे): झारखंड की शैक्षणिक राजधानी मानी जानेवाली इस्पातनगरी बोकारो की गरिमा में एक बार फिर चार चांद लग गया। और, शहर की शैक्षणिक प्रतिष्ठा को पुनः गौरवान्वित किया है दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) बोकारो ने। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की १२वीं बोर्ड की परीक्षा में इस विद्यालय ने न केवल जिले में, बल्कि राज्य स्तर पर अपने दमदार प्रदर्शन से दबदबा बनाने में कामयाबी पाई। सबसे बड़ी उपलब्धि यह रही कि इसी स्कूल से दो-दो स्टेट टॉपर उभरकर सामने आए। विज्ञान (साइंस) संकाय में जहां आदित्य मिश्रा ९९.२ प्रतिशत अंक के साथ पूरे झारखंड में टॉप आए, वहीं वाणिज्य (कॉमर्स) संकाय में प्रिया पालबाबू ९९.४ फीसदी अंक अर्जित कर स्टेट टॉपर बनीं। विद्यालय के इस रिकॉर्डतोड़ प्रदर्शन की कड़ी में ह्यूमैनिटीज (कला संकाय) के पहले बैच ने भी संतोषप्रद परिणाम दिया। आर्ट्स में रैना रदान्या सर्वाधिक ९६.२ प्रतिशत अंक के साथ स्कूल टॉपर रही तथा जिले के टॉप १० में अपनी जगह पक्की की। इस वर्ष उक्त तीनों संकायों की परीक्षा में डीपीएस बोकारो से कुल ४७९ विद्यार्थी शामिल हुए थे और सभी के सभी प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण रहे। १२१ विद्यार्थियों को ९० प्रतिशत व इससे अधिक अंक मिले, जिनमें ३४ परीक्षार्थियों ने ९५ फीसदी व इससे अधिक अंक अर्जित किए। ३६८ को ८० प्रतिशत व इससे ज्यादा अंक मिले। वहीं, १०४ छात्र-छात्राओं ने विभिन्न विषयों में शत-प्रतिशत अंक प्राप्त किए।

अपने विद्यालय के छात्र-छात्राओं की इस उत्कृष्ट सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए विद्यालय के प्राचार्य डॉ. ए. एस. गंगवार ने विद्यार्थियों को अपने हाथों से मिठाई खिलाकर बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस दौरान विद्यार्थियों के अभिभावक भी बड़ी तादाद में मौजूद थे। डॉ. गंगवार ने विद्यार्थियों की उपलब्धियों का श्रेय विद्यालय परिवार द्वारा टीम वर्क के रूप में की गई मेहनत, विद्यार्थियों की लगन व उनके परिश्रम के साथ-साथ अभिभावकों की जागरुकता एवं सहयोग को दिया है।

घोषित परिणाम के अनुसार, विज्ञान संकाय के टॉप टेन में शामिल विद्यार्थियों में क्रमशः आदित्य मिश्रा (९९.२ प्रतिशत), आयुष सुमन (९९ प्रतिशत), अयेशा फलक सिद्दीकी (९८.४ प्रतिशत), अमन राज अमन (९७.८ प्रतिशत), इशिता दुबे (९७.६ प्रतिशत), काव्या सिंह (९७.२ प्रतिशत), ईधा सिंह (९७ प्रतिशत), आदित्य राज (९६.८ प्रतिशत), ईशान गौरव (९६.६ प्रतिशत) तथा मयंक व सूर्यांश (दोनों को ९६ प्रतिशत) शामिल रहे। इसी प्रकार वाणिज्य संकाय के सर्वश्रेष्ठ पांच विद्यार्थियों में क्रमशः प्रिया पालबाबू (९९.४ प्रतिशत), श्रुति प्रिया (९७ प्रतिशत), आर्यन अग्रवाल (९६.२ प्रतिशत), भूमिका रत्नाकर (९६ प्रतिशत) एवं वर्तिका जैन (९५.२ प्रतिशत) के नाम शामिल हैं। कला संकाय के टॉप फाइव में रैना रदान्या (९६.२ प्रतिशत), फैजा अथर (९६ प्रतिशत), आस्था कुमारी, कुमुद भारती व रिया कुमारी (तीनों को ९५.२ प्रतिशत), अक्षत कुमार (९४.८ प्रतिशत) एवं आदित्य नारायण (९४ प्रतिशत) ने अपनी जगह बनाई।

९९.२ फीसदी अंक लाकर डीपीएस बोकारो के साइंस टॉपर आदित्य मिश्रा की दिली ख्वाहिश आगे चलकर एक सफल चिकित्सक बन मानवता-सेवा करने की है। सेल की रिफैक्ट्री यूनिट (एसआरयू) में मुख्य महाप्रबंधक (वित्त) प्रजेश चन्द्र मिश्रा एवं गृहिणी सस्मिता मिश्रा का होनहार पुत्र आदित्य शुरू से ही मेधावी छात्र रहा है। विषयवार अंग्रेजी में उसे १००, केमिस्ट्री में १००, बायोलॉजी में ९६, फिजिक्स में ९९, फिजिकल एजुकेशन में ९७ और पेंटिंग में १०० अंक मिले हैं। वर्क एक्सपीरियंस, हेल्थ एंड फिजिकल एजुकेशन और जनरल स्टडीज, तीनों में उसने ए१ ग्रेड हासिल किया। कुल मिलाकर ५०० में से उसे ४९६ अंक मिले। एक सवाल के जवाब में आदित्य ने कहा कि बोर्ड परीक्षा की तैयारी के लिए वह रोजाना लगभग छह घंटे पढ़ाई किया करता था। अपनी कामयाबी का श्रेय उसने अपने माता-पिता व परिजनों के साथ-साथ विद्यालय के शिक्षकों के मार्गदर्शन को दिया है। आदित्य को १०वीं में कुल ९६.८ प्रतिशत अंक मिले थे। डीपीएस बोकारो में उसने शुरू से ही पढ़ाई की है और हमेशा ही अपनी मेधाविता का परिचय दिया है। वह एनएसईजेएस- २०२२ में पूरे राज्य से अकेले सफल रहा था। इसके अलावा, विभिन्न ओलंपियाडों में शानदार प्रदर्शन के लिए बेस्ट ओलंपियाड विनर का पुरस्कार, साइंस ओलंपियाड फाउंडेशन द्वारा शैक्षणिक उत्कृष्टता छात्रवृत्ति, साइंस ओलंपियाड में ओलंपियाड रैंक १, एसओएफ नेशनल साइंस ओलंपियाड में जोनल रैंक १, क्रिप्टिक क्रॉसवर्ड में देश में दूसरा स्थान आदि उसकी कामयाबियों की फेहरिस्त में शामिल हैं। हाल ही में उसने आईएपीटी की जीव-विज्ञान परीक्षा एनएसईबी में भी सफलता पाई थी। आदित्य को फुटबॉल और कबड्डी खेलना भी पसंद है। एक प्रश्न के जवाब में आदित्य ने बताया कि कोरोना काल उसके जीवन की पढ़ाई में टर्निंग प्वाइंट रहा, जहां से उसने अपनी पढ़ाई को एक नई दिशा दी। ऑनलाइन क्लास में उसकी पढ़ाई शिथिल हो गई थी, जिससे परिणाम प्रभावित होने लगे, जिससे उसने सीख लेते हुए कठिन परिश्रम शुरू किया और पढ़ाई में निरंतरता लाई। इसी का नतीजा रहा कि उसने आज साइंस टॉपर होने का गौरव पाया।

कॉमर्स संकाय में ९९.४ प्रतिशत अंक के साथ डीपीएस बोकारो में सर्वश्रेष्ठ परिणाम हासिल करने वाली छात्रा प्रिया पालबाबू ने बताया कि उसने एग्जाम के समय पूरी तन्मयता के साथ रोजाना लगभग चार घंटे पढ़ाई की। खास बात यह रही कि उसने परीक्षा में अच्छे रिजल्ट के लिए उस दरम्यान अपने फोन से तमाम सोशल मीडिया एप्स को अनइंस्टॉल कर दिए थे, ताकि पढ़ाई की एकाग्रता बनी रही। विषयवार प्रिया ने अकाउंटेंसी में १००, बिजनेस स्टडीज में १००, इकोनॉमिक्स में ९९, पेंटिंग में १००, इंग्लिश कोर में ९८ और अप्लाइड मैथमेटिक्स में ९७ अंक प्राप्त किए। वर्क एक्सपीरियंस, हेल्थ एंड फिजिकल एजुकेशन और जनरल स्टडीज, तीनों में उसने ए१ ग्रेड हासिल किया। प्रिया ने ५०० में से ४९७ अंक हासिल किए। अपनी इस सफलता का श्रेय उसने विद्यालय के शिक्षकों के कुशल मार्गदर्शन और माता-पिता के सहयोग को दिया है। ओडिशा में व्यवसायी अजीत कुमार पालबाबू और गृहिणी लीला पालबाबू की सुपुत्री प्रिया की दिली ख्वाहिश आगे चलकर एक सफल चार्टर्ड एकाउंटेंट (सीए) बनने की है। उसे फाइनेंस में रुचि रही है। १०वीं में उसे ९६.८ प्रतिशत अंक मिले थे। वह अपने पिता को ही अपना आदर्श मानती है। पढ़ाई के अलावा पेंटिंग का भी उसे काफी शौक है और कराटे में राष्ट्रीय स्तर की वह खिलाड़ी भी रह चुकी है।

सड़क सुरक्षा को लेकर प्रशासन अलर्ट

यातायात नियम तोड़ने वालों पर प्रशासन सख्त

गिरिडीह (ससे): उपायुक्त, रामनिवास यादव के निर्देशानुसार आज जिला परिवहन पदाधिकारी, संतोष कुमार के नेतृत्व में मुफस्सिल थाना क्षेत्र अंतर्गत ओल्ड टोल गेट के समीप सघन वाहन जांच अभियान चलाया गया। जांच अभियान के दौरान बिना वैध दस्तावेज, ड्राइविंग लाइसेंस, फिटनेस, बीमा, हेलमेट एवं अन्य यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध कार्रवाई की गई। इस दौरान कुल ६८ वाहनों की जांच कर नियम उल्लंघन के मामलों में कुल ८२,४०० रुपए का जुर्माना वसूला गया। जिला परिवहन पदाधिकारी, श्री संतोष कुमार ने बताया कि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने एवं लोगों में यातायात नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से यह अभियान लगातार चलाया जा रहा है। उन्होंने वाहन चालकों से अपील की कि वाहन चलाते समय सभी आवश्यक दस्तावेज साथ रखें तथा यातायात नियमों का पालन करें, ताकि दुर्घटनाओं से बचा जा सके। अभियान के दौरान उन्होंने वाहन चालकों को हेलमेट पहनने, सीट बेल्ट लगाने, ओवरलोडिंग नहीं करने तथा निर्धारित गति सीमा का पालन करने के संबंध में जागरूक भी किया। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया कि सड़क सुरक्षा से समझौता करने वालों के विरुद्ध आगे भी नियमित रूप से सख्त कार्रवाई जारी।

समर कैंप का समापन

गिरिडीह (ससे): धारियाडीह स्थित ओपन माइंड वर्ल्ड स्कूल में गुरुवार को पांच दिवसीय समर कैंप का समापन हुआ। समापन सत्र में रेड क्रॉस सोसाइटी, गिरिडीह के चेयरमेन एवं रफ्तार मीडिया के नेशनल कोऑर्डिनेटर अरविंद कुमार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। मौके पर प्राचार्या चंद्रमलिका घोष चौधुरी ने कहा आज का दिन बच्चों की रचनात्मकता, कौशल और सीखी गई नई चीजों का जश्न मनाने का एक यादगार पल होता है।इस अंतिम दिन बच्चों के बीच जुंबा एवं रैन डांस ,क्रिकेट,खो-खो,कला प्रदर्शनी,फन एक्टिविटी का प्रदर्शन किया गया।

डी.बी. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. के लिए जोड़ाफाटक रोड, धनबाद से राजेन्द्र कुमार अग्रवाल द्वारा मुद्रित एवं अंजना अग्रवाल द्वारा प्रकाशित. संपादक - गणेश मिश्रा. फोन - 9431726337
e-mail : biharobserver@gmail.com RNI No- 58991/95. * पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन एवं प्रकाशन के लिए गणेश मिश्रा जिम्मेवार होंगे एवं समस्त विवाद धनबाद न्यायालय के अधीन होंगे

झरिया में ढुल्लू महतो का शक्ति प्रदर्शन

झरिया (ससे) : झरिया चार नंबर टैक्सी स्टैंड में धनबाद सांसद ढुल्लू महतो के सम्मान में भव्य अभिनंदन एवं नागरिक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम से पूर्व कतरास मोड़ से आभार यात्रा निकाली गई, जो विभिन्न क्षेत्रों से गुजरते हुए विशाल जनसभा में तब्दील हो गई। यात्रा के दौरान जगहजगह लोगों ने सांसद का फूलमाला और स्वागत नारों के साथ जोरदार अभिनंदन किया।

सम्मान समारोह के दौरान राज चौहान, हरि साव, अनुज गोराई, बुद्धू धाड़ी और प्रेम राम सहित सैकड़ों युवाओं ने भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। सांसद ढुल्लू महतो ने सभी नए कार्यकर्ताओं को माला पहनाकर पार्टी में स्वागत किया। समारोह स्थल पर भाजपा नेताओं और गणमान्य नागरिकों ने उन्हें अंगवस्त्र, गुलदस्ता और विशाल फूलमालाओं से सम्मानित किया।

सभा को संबोधित करते हुए सांसद ढुल्लू महतो ने कहा कि दो नंबर धंधा से महीना लेकर गरीबों में बांटकर उनके सम्मान को कुचलने का काम किया जा

रहा है। सब कुछ जानते हुए भी यदि लोग ऐसे लोगों का साथ देते हैं, तो हम भी पाप के भागीदार बनते हैं। उन्होंने झरिया की जनता से अपील करते हुए कहा कि कुछ पैसों के लालच में अपने भविष्य से समझौता न करें और क्षेत्र के अस्तित्व को बचाने के लिए एकजुट रहे।

सांसद ने भावुक स्वर में कहा कि दो वर्ष के कार्यकाल के बाद भी जनता से मिल रहा प्रेम और सम्मान उनके लिए प्रेरणा है। उन्होंने कहा कि जनता ने स्पष्ट कर दिया है कि जमीन पर काम करने वालों को ही सम्मान मिलता है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि क्षेत्र के विकास और जनता की उम्मीदों को पूरा करना उनकी पहली प्राथमिकता रहेगी। उन्होंने यह भी कहा कि यदि भविष्य में उनसे कोई गलती होती है तो जनता को पूरा अधिकार है कि रंधीर वर्मा चौक पर उनका पुतला दहन करे।

अपने संबोधन में सांसद ने विकास कार्यों का जिक्र करते हुए बताया कि उनके प्रयासों से गोविंदपुर और निरसा में फ्लाईओवर निर्माण कार्य प्रगति पर है तथा रेलवे अंडरपास निर्माण भी उनके कार्यकाल में सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने धनबाद से देश के विभिन्न शहरों के लिए नई ट्रेनों के संचालन को भी अपनी प्राथमिक योजनाओं में शामिल बताया।

विपक्ष पर निशाना साधते हुए सांसद ने कहा कि विरोधियों की कोशिशों के बावजूद उनका ध्यान विकास कार्यों से नहीं हटेगा। हाल के दिनों में हुई आपराधिक घटनाओं और हत्याओं का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि कानून व्यवस्था के मुद्दे उठाने पर विरोधियों को परेशानी क्यों हो रही है। उन्होंने दोहराया कि जनता के हितों के लिए वे लगातार आवाज उठाते रहेंगे और किसी दबाव में नहीं झुकेंगे।

कार्यक्रम का संचालन नितिन सिंह ने किया। मौके पर सांसद प्रतिनिधि साधन महतो, जिला अध्यक्ष श्रवण राम, राजकुमार अग्रवाल, धर्मेंद्र रवानी, मंटु राम, विनोद पासवान, राजेश शर्मा, संजय वाल्मीकि, गणेश पासवान, प्रमोद तिवारी, बिट्टू मनोहर पासवान, करण चौहान, विनोद चौहान अनूज गोराई संजय वर्मा सुनिल साह अरविंद साह दिलीप अडवाणी राज कुमार अग्रवाल योगेन्द्र यादव सरवन राम राज माली कपूरी चौहान हरी साहू मनोज साहू आदि बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता एवं स्थानीय लोग उपस्थित रहे। धन्यवाद ज्ञापन अरुण साहू ने किया।

शिवमंदिर में चड़क पूजा मनाया गया

बलियापुर (ससे) : पहाड़पुर शिव मंदिर प्रांगण में चड़क पूजा धूम धाम से मनाया गया। १०० भक्तियों ने उपवास कर अपने शरीर के विभिन्न अंगों में लोहे की कील चुभो कर २५ फीट की ऊंचाई पर घुम कर भगवान शिव पर आस्था जताया है। बीती रात को शिव मंदिर परिसर में छऊ नृत्य का आयोजन किया गया। लोगों ने छऊ नृत्य का रात भर आनंद लिया।

कार्यक्रम को सफल बनाने में भाजपा नेत्री तारा देवी, उप प्रमुख आशा देवी, मुखिया दिलीप कुमार महतो, पंसस दिवाकर महतो, हीरू चरण महतो, अर्जुन महतो, महावीर महतो, मुक्तेश्वर महतो, सूजन महतो, संजय महतो, त्रिलोचन महतो, दुर्गा चरण महतो, राजेंद्र महतो, सीताराम महतो, राखोहरी महतो, योगेश्वर महतो, दुखन महतो, अभिमन्यु महतो, रामेश्वर महतो, फुलचंद महतो आदि मौजूद थे।

कोयला मंत्री ने बीसीसीएल में उत्पादन बढ़ाने पर की चर्चा

धनबाद (कासं) : भारतीय कोकिंग कोल लिमिटेड के दौरे पर पहुंचे केंद्रीय कोयला राज्य मंत्री सतीश चन्द्र दुबे बीसीसीएल इकाई के महामंत्री कुश कुमार सिंह ने अपने प्रतिनिधिमंडल के साथ गर्मजोशी से स्वागत किया। इस अवसर पर मंत्री को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका अभिनंदन किया गया।

इसके उपरांत आयोजित बैठक में बीसीसीएल के समग्र विकास, कोयला उत्पादन में वृद्धि, खदानों में सुरक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने तथा माइनिंग सुपरवाइजरी कर्मचारियों के कैडर स्कीम एवं करियर ग्रोथ जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। प्रतिनिधिमंडल ने श्री मंत्री के समक्ष यह मांग भी रखी कि माइनिंग सुपरवाइजरी स्टाफ को उनकी योग्यता एवं अनुभव के अनुरूप बेहतर पदोन्नति अवसर एवं स्पष्ट कैरियर प्रगति नीति प्रदान की जाए, जिससे कर्मचारियों का मनोबल बढ़े और उत्पादन क्षमता में भी सकारात्मक वृद्धि हो।

बैठक के दौरान खदानों में आधुनिक तकनीक के उपयोग, सुरक्षा मानकों के कड़ाई से पालन तथा श्रमिकों एवं अधिकारियों के हितों की रक्षा को लेकर भी गंभीर विचारविमर्श किया गया। मंत्री महोदय ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि कोयला उद्योग के विकास एवं कर्मचारियों के हितों से जुड़े सभी मुद्दों पर केंद्र सरकार संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रही है।

इस प्रतिनिधिमंडल में प्रमुख रूप से वाई.के. सिंह, विजय यादव, शिव शंकर महतो, अरुण दुबे सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। सभी सदस्यों ने एक स्वर में बीसीसीएल के विकास, सुरक्षित खनन कार्य एवं कर्मचारियों के हितों की रक्षा के लिए निरंतर प्रयासरत रहने की बात कही।

बसंत जोशी के प्रथम कविता संग्रह मिस्टर चापाकल का लोकार्पण

धनबाद (कासं) : अखिल भारतीय गुजराती समाज के तत्वावधान में हास्यब्यंग्य के चर्चित कवि बसंत जोशी के प्रथम हास्यब्यंग्य कविता संग्रह मिस्टर चापाकल का लोकार्पण जलाराम मंदिर धोबाटांड़ शास्त्रीनगर में समारोहपूर्वक हुआ। अध्यक्षता झारखंड इकाई के अध्यक्ष परेश ठक्कर, स्वागत भाषण एवं संचालन किरिट चौहान तथा धन्यवाद ज्ञापन दीपेश याग्निक ने किया। कविता संग्रह में कुल ६६ कविताएं हैं। मिस्टर चापाकल इनकी शीर्षक कविता है। गोपाल ठक्कर ने कहा कि बसंत जोशी गुजराती समाज का गौरव और कोयलांचल की शान हैं।

भूतपूर्व अध्यक्ष परेश भाई चौहान ने कहा कि गुजराती समाज गौरवान्वित है। कमल त्रिवेदी ने कहा कि इनकी कविता में हास्य भी है और चुभन भी। आशा है शीघ्र ही इनकी दूसरी पुस्तक भी सामने आएगी। पुस्तक की भूमिका लिखने वाले पत्रकार जय प्रकाश मिश्र ने कहा कि अब तक लोग जोशी जी को मंच से सुनते थे, अब पाठक पुस्तक का आनंद उठाएंगे। उन्होंने कहा कि इनकी कविता में हल्काफुल्का हास्य भी है, गुदगुदी भी है तथा तीखी चुभन भी है। इन्होंने अपनी कविता के माध्यम से समाज, व्यवस्था, नेता, विसंगतियां, पाखंड आदि की जिस तरह बखिया उधेड़ी है, वह काबिले-तारीफ है। अपने प्रथम कविता संग्रह के प्रकाशन से उत्साहित कवि बसंत जोशी ने कहा कि प्रत्येक लेखककवि के लिए उनकी पहली पुस्तक पहली संतान जैसी होती है। उन्होंने कहा कि वह साढ़े तीन दशक से भी अधिक समय से मंच पर कविता पाठ करते आ रहे हैं, परंतु आज जैसी खुशी महसूस कर रहा हूं, वैसी खुशी पहले कभी महसूस नहीं हुई थी। मौके पर कोलफील्ड गुजराती समाज की अध्यक्ष रीता बेन चावड़ा, पीयूष वेगर, दिनेश कुमार राय, संजीत साव, रविंद्र नय्यर आदि ढेर सारे साहित्य प्रेमी मौजूद थे।

सड़क दुघर्टना में घायल युवक की मौत

बलियापुर (ससे) : खरिकाबाद ढ़ीबूढीह के पास विगत ९ मई को दो बाइक के बीच हुई टक्कर में बुरी तरह घायल बलियापुर के बाघमारा निवासी ३० वर्षीय सद्दाम अंसारी का रांची रिम्स में इलाज के दौरान निधन हो गया। परिजन मृतक के शव के साथ बलियापुर थाना पहुंचे। सूचना पाकर सिंदरी विधायक चंद्रदेव महतो भी थाना पहुंचे और घटना के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई की मांग पुलिस प्रशासन से किया।

मालूम हो की घटना के दूसरे दिन पीड़ित परिवारों ने मृतक के बाइक को धक्का मारने वाला खरिकाबाद निवासी बाइक सवार रंजीत मरांडी को पकड़कर बलियापुर पुलिस के हवाले कर दिया था। जिसे पुलिस ने जेल भेज दिया है। मृतक के परिवार में उनकी पत्नी गुलशन बीबी तथा दो छोटीछोटी पुत्री एवं एक पुत्र है। जिनका रोसे कर बुरा हाल है। मृतक का शव शाम गांव पहुंचने पर गांव का माहौल गमगीन हो गया। परिजन दहाड़ मार मार कर रो रहे थे। मौके पर पहुंचे लोग उन्हें ढांढस बंधा रहे थे।

बलियापुर में बाईक को सिर्फ 100 का मिल रहा पेट्रोल

बलियापुर (ससे) : पेट्रोल पंपों में पेट्रोल नहीं मिलने की अफवाहों के बाद बलियापुर क्षेत्र के सभी पेट्रोल पंपों में पेट्रोल खरीदने के लिए वाहनों की होड़ लग गई है। इधर पेट्रोल पंप संचालकों द्वारा खरीददारों की भीड़ को देखते हुए दो पहिए वाहन वालों को सिर्फ एक लीटर यानि १०० का ही तेल दे रहे हैं। बलियापुर क्षेत्र के कई पेट्रोल पंपों में पेट्रोल लेने के लिए बाइक वालों की काफी भीड़ जुट गई। इस संबंध में क्षेत्र के झरिया रोड पर परघा स्थित एसडी पेट्रोल पंप संचालक कमलाकर मंडल ने बताया कि खरीदारों की भीड़ अधिक हो जाने से पेट्रोल वितरण में दिक्कतें हो रही है। एक बाइक वाले को सिर्फ १०० रुपए के पेट्रोल ही दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि स्टॉक में जो तेल है वह दो दिन में खत्म हो जाएगा। वहीं बलियापुर के सिंदरी रोड स्थित नारायणी पेट्रोल पंप के संचालक ने बताया कि प्रत्येक बाईक को १ लीटर पेट्रोल दिया जा रहा है। जिससे खरीदारों के लिए दो दिन पेट्रोल का वितरण संभव हो पाएगा।

नोएडा इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी का एजुकेटर्स मीट

बोकारो (ससे) : नोएडा इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी द्वारा होटल हंस रेजीडेंसी, बोकारो में एजुकेटर्स मीट २०२६ का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शिक्षा जगत से जुड़े कई प्रतिष्ठित शिक्षाविदों, स्कूल प्रतिनिधियों और अकादमिक विशेषज्ञों ने भाग लिया। इस आयोजन का उद्देश्य उच्च शिक्षा में बदलते परिदृश्य, छात्रों के भविष्य और शिक्षा में नई संभावनाओं पर चर्चा करना था।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्री आकाश शर्मा उपस्थित रहे। वहीं, विशिष्ट अतिथियों में पी.एन. सिंह, अध्यक्ष बीडीसीए; हेमंत कुमार झा, डायरेक्टर एसबीआईएपी; मुरारी जी, डायरेक्टर टीपीएस; तथा प्रवीण कुमार, सचिव एसपी पब्लिक स्कूल शामिल रहे।

इस अवसर पर शिक्षकों और शिक्षा विशेषज्ञों ने अकादमिक उत्कृष्टता, स्किल आधारित शिक्षा, इंडस्ट्री ओरिएंटेड लर्निंग और छात्रों के सर्वांगीण विकास जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर अपने

विचार साझा किए। नोएडा इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी के प्रतिनिधियों ने विश्वविद्यालय द्वारा छात्रों को वैश्विक स्तर की शिक्षा, आधुनिक सुविधाएं और करियर उन्मुख पाठ्यक्रम उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता को भी प्रस्तुत किया।

मुख्य अतिथि आकाश शर्मा ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा, एजुकेटर्स मीट २०२६ स्कूलों और विश्वविद्यालयों के बीच मजबूत समन्वय स्थापित करने की एक सराहनीय पहल है। ऐसे कार्यक्रम छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, नवाचार और बेहतर करियर दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

कार्यक्रम का सफल संचालन अंकुर शर्मा, तरुण प्रताप सिंह और आदित्योम कुमार द्वारा किया गया। आयोजन के अंत में सभी अतिथियों और शिक्षाविदों के बीच नेटवर्किंग सत्र आयोजित हुआ, जिसमें शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने और छात्रों को भविष्य के लिए तैयार करने पर चर्चा की गई।

गैस प्रभावित रैयतों ने विधायक राज की छवि धूमिल की

केन्दुआ (ससे) : केंदुआडीह राजपूत बस्ती के प्रभावित रैयतों ने राजपूत बस्ती में एक प्रेस वार्ता कर आयोजन कर अपनी समस्या एवं धनबाद विधायक राज सिन्हा के वायरल वीडियो को गल्त ढंग से पेश किया गया है और विधायक का छवि को धूमिल करने का प्रयास किया गया है। उसकी निंदा करते हुए अपने बातों को रखा। रैयत रंजीत कुमार सिंह ने प्रेस वार्ता के जरिए कहा कि राजपूत बस्ती में करीब ४० से ५० रैयत हैं। मगर अब तक प्रबंधन की ओर से पुनर्वास मुआवजा एवं रोजगार के संबंध में अधिकारियों ने अब तक कोई ठोस निर्णय नहीं निकाला है। हम लोग चाहते हैं कि हम लोग की समस्याओं का जल्द समाधान किया जाए। वही धनबाद विधायक राज सिन्हा के वायरल वीडियो पर रैयत रंजीत सिंह ने कहा कि बस्ती वाले राजपूत बस्ती की समस्याओं को लेकर विधायक के पास गए थे।

विधायक ने हमारी समस्या को सुनते हुए बीसीसीएल सीएमडी से दूरभाष पर बात कर आश्वासन दिया कि जल्द ही केंदुआ की समस्या का समाधान किया जाएगा। जिसका मैंने वीडियो बना अपने रैयत ग्रुप में डाला। ताकि सभी रैयतो के पास बात पहुंच सके। विधायक राज सिन्हा ने वायरल वीडियो में केंदुआडीह के समस्याओं एवं हित में बात कही थी कही कुछ ग़लत नहीं कहा था। मगर कुछ लोग वायरल वीडियो को गलत ढंग से पेश कर धनबाद विधायक राज सिन्हा की छवि को धूमिल करने का कोशिश किया है। जिसका हम रैयत घोर निंदा करते हैं। मौके पर सदानंद बोस, दिनेश सिंह, रंजीत सिंह, रामविलास सिंह, सागर पंडित, राजेश गुप्ता, मंजित सिंह आदि उपस्थित थे।

मदर आयशा का सालाना जलसा सम्पन्न

धनबाद (कासं) : मदर आयशा पब्लिक स्कूल का दूसरा सालाना जलसा बड़े ही शानोशौकत और पुरजोश माहौल में आयोजित किया गया। इस शानदार प्रोग्राम में बतौर मुख्य अतिथि सीनियर साइंटिस्ट डॉ. इश्तियाक अहमद ने शिरकत की। वहीं विशिष्ट अतिथियों के रूप में मुफ़्ती शाहिद क़ासमी, मौलाना नौशाद नदवी, वार्ड पार्षद निसार आलम तथा सिविल कोर्ट धनबाद के मोहम्मद नेहालुद्दीन मौजूद रहे। सालाना जलसे के दौरान उन तमाम तलबा (बच्चों) को अवार्ड, मेडल और सर्टिफिकेट देकर नवाज़ा गया जिन्होंने सालाना इम्तेहान में बेहतरीन प्रदर्शन किया। साथ ही वैसे स्टूडेंट्स को भी खास तौर पर सम्मानित किया गया जिन्होंने श्र।ब के दसवीं बोर्ड इम्तेहान में ९० प्रतिशत से अधिक अंक हासिल कर स्कूल और अपने वालिदैन का नाम रोशन किया।

तमाम मेहमानों ने अपने मुबारक हाथों से बच्चों को अवार्ड प्रदान किया और उनके रौशन मुस्तकबिल के लिए ढेर सारी दुआओं और शुभकामनाओं से नवाज़ा। इस मौके पर स्कूल के तमाम टीचर्स ने कड़ी मेहनत और बेहतर इंतजामात के जरिए प्रोग्राम को कामयाब बनाया। स्कूल के डायरेक्टर मोहम्मद एजाज़ साहब ने कार्यक्रम की कामयाबी पर सभी शिक्षकों, विद्यार्थियों और अभिभावकों का दिली शुक्रिया अदा किया तथा बच्चों को तालीम के साथ बेहतर अखलाक अपनाने की नसीहत दी।

गरीबों की आवाज थे शहीद शक्तिनाथ महतो : गीता देवी

कतरास (ससे) : बाघमारा प्रखंड सभागार में आयोजित मासिक बैठक प्रमुख गीता देवी की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में बगदाहा पंचायत के पंचायत समिति सदस्य धनंजय महतो ने झारखंड आंदोलन के महान क्रांतिकारी नेता एवं शहीद शक्तिनाथ महतो की तस्वीर प्रखंड सभागार, कार्यालय तथा सभी पंचायत सचिवालयों में लगाने का प्रस्ताव रखा, जिसे सर्वसम्मति से पारित कर दिया गया।

इसके बाद शहीद शक्तिनाथ महतो के छायाचित्र का लोकार्पण किया गया। कार्यक्रम में प्रमुख गीता देवी, प्रखंड विकास पदाधिकारी लक्ष्मण यादव, अंचल अधिकारी गिरजानंद किस्कू, उप प्रमुख रंजीत सिंह, सांसद प्रतिनिधि, विधायक प्रतिनिधि एवं पंचायत समिति सदस्यों ने पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

इस अवसर पर प्रमुख गीता देवी ने कहा कि शहीद शक्तिनाथ महतो ने झारखंड अलग राज्य आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उनके त्याग, समर्पण और बलिदान को कभी भुलाया

नहीं जा सकता। उन्होंने कहा कि शक्तिनाथ महतो गरीबों, किसानों, मजदूरों, शोषितों, पीड़ितों तथा युवाओं की आवाज थे और हमेशा उनके हक-अधिकार के लिए संघर्षरत रहे। उन्होंने झारखंड सरकार से मांग की कि स्कूलों की पाठ्य पुस्तकों में उनकी जीवनी शामिल की जाए, ताकि नई पीढ़ी उनके संघर्ष से प्रेरणा ले सके।

प्रखंड विकास पदाधिकारी लक्ष्मण यादव ने कहा कि ऐसे महान आंदोलनकारी की तस्वीर प्रखंड सभागार में लगना पूरे सदन के लिए गर्व की बात है। वहीं अंचल अधिकारी गिरजानंद किस्कू ने कहा कि शक्तिनाथ महतो जैसे व्यक्तित्व की तस्वीर कार्यालयों में लगाना सम्मान और प्रेरणा का विषय है।

उप प्रमुख रंजीत सिंह ने बैठक को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि आज का दिन पूरे क्षेत्र के लिए गर्व का क्षण है। कार्यक्रम में उपस्थित सभी पंचायत समिति सदस्यों ने बारी-बारी से श्रद्धांजलि अर्पित की।

कार्यक्रम में शहीद शक्तिनाथ महतो की पुत्री अंजना देवी, पुत्रवधु सुमन महतो एवं गोरी देवी को प्रमुख, उप प्रमुख, बीडीओ और अंचल अधिकारी द्वारा बुके एवं अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया।

वहीं शहीद शक्तिनाथ महतो स्मारक समिति की ओर से प्रमुख, उप प्रमुख, बीडीओ, अंचल अधिकारी, सांसद प्रतिनिधि, विधायक प्रतिनिधि एवं पंचायत समिति सदस्यों को भी बुके, फूलमाला और अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से बैजनाथ जी, शिव प्रसाद महतो, गौतम कुमार महतो, दिनेश महतो, सतीश महतो, देवेंद्र राणा, नरेश महतो उर्फ बड़ा बाबू, सुरेंद्र महतो, शिवानंद पांडेय, बिमल कुमार महतो, राजेश चौधरी, प्रेमचंद महतो, मंटू कुम्हार, बबलू रवानी सहित स्मारक समिति के कई सदस्य उपस्थित थे।

स्मारक समिति के सचिव शिव प्रसाद महतो ने इस ऐतिहासिक पहल के लिए प्रमुख, उप प्रमुख, प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचल अधिकारी एवं सभी पंचायत समिति सदस्यों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

टैंकरबाइक की टक्कर में युवक घायल

बलियापुर (ससे) : हीरक रोड पर करमाटांड़ ओवर ब्रिज के पास एक टैंकर द्वारा बाइक सवार को धक्का मार देने से बाइक सवार राजेश मांझी गंभीर रूप से घायल हो गया। लोगों ने घायल युवक को इलाज के लिए निर्मल महतो मेमोरियल हॉस्पिटल में भर्ती करवाया गया है। जहां उनकी स्थिति गंभीर बताई जाती है। घायल युवक बलियापुर स्थित खरीकाबाद का राजेश मांझी दिन करीब साढ़े बारह बजे बाइक से धनबाद जा रहा था। करमाटांड़ ओवर ब्रिज के पास विपरीत दिशा से आ रहा एक टैंकर वाहन ने उनकी बाइक को जोरदार धक्का मार दिया। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। दुर्घटना के बाद टैंकर चालक भागने में सफल रहा। बलियापुर पुलिस ने टैंकर एवं दुर्घटनाग्रस्त बाइक को जब्त कर थाना ले आई है।

मायुम ने आयोजित किया अमृत धारा जल सेवा शिविर

केन्दुआ (ससे) : केंदुआ में मारवाड़ी युवा मंच केंदुआ शाखा द्वारा अमृत धारा जल सेवा शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप केन्दुआडीह थाना प्रभारी प्रमोद पांडे उपस्थित थे। उन्होंने कहा कि गर्मी के समय राहगीरों एवं आम लोगों के बीच पेयजल की व्यवस्था करना अत्यंत पुण्य का कार्य है। उन्होंने कहा कि मारवाड़ी युवा मंच हमेशा इस तरह के सामाजिक कार्यों में बढ़चढ़कर हिस्सा लेता रहा है और समाज सेवा के क्षेत्र में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता आ रहा है। थाना प्रभारी प्रमोद पांडे ने बताया कि आज से लगातार दस से बारह स्थानों पर इस प्रकार के जल सेवा शिविर लगाए जाएंगे, जिससे आम लोगों को भीषण गर्मी में राहत मिल सके।

आयुष मंत्रालय ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

नई दिल्ली (ईएमएस)। आयुष मंत्रालय और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अंतर्गत डिजिटल इंडिया भाषिणी डिवीजन (डीआईबीडी) के बीच आज एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इसका उद्देश्य उन्नत एआई-संचालित भाषा प्रौद्योगिकी के माध्यम से आयुष ज्ञान प्रणालियों का कई भारतीय भाषाओं में तेजी से प्रतिलेखन और अनुवाद सक्षम बनाना है।

भाषिणी राजयम - एक भाषिणी सहयोगी कार्यक्रम नामक पहल के तहत, इस साझेदारी का उद्देश्य आयुष मंत्रालय के विभिन्न डिजिटल प्लेटफार्मों और सेवाओं में भारत के राष्ट्रीय भाषा डिजिटल सार्वजनिक इंफ्रास्ट्रक्चर, भाषिणी प्लेटफार्म को एकीकृत करना है।

आयुष मंत्रालय, आयुष ग्रिड पहल के माध्यम से स्वास्थ्य सेवा, क्षमता निर्माण, अनुसंधान, औषधि प्रशासन और संबंधित क्षेत्रों में काम कर रहा है। आयुष ग्रिड के तहत विकसित कई पोर्टल, एप्लिकेशन और एआई-आधारित समाधानों को भारत के संविधान की आठवीं अनुसूची में मान्यताप्राप्त सभी २२ अनुसूचित भाषाओं में उपलब्ध कराने का प्रस्ताव है, ताकि व्यापक पहुंच और उपयोग सुनिश्चित किया जा सके।

इस सहयोग के तहत डिजिटल इंडिया भाषिणी की तकनीकों को आयुष ग्रिड पोर्टल, एप्लिकेशन और एआई टूल सहित आयुष डिजिटल समाधानों में एकीकृत किया जाएगा, ताकि बहुभाषी पहुंच को मजबूत किया जा सके और देश भर में डिजिटल पहुंच का विस्तार किया जा सके।

इसके अलावा, आयुर्वेद, यूनानी, सिद्ध, योग और प्राकृतिक चिकित्सा, सोवा-रिग्पा और होम्योपैथी से संबंधित स्वास्थ्य और कल्याण संवाद के लिए डोमेन-विशिष्ट बहुभाषी शब्दावली प्रणालियों को विकसित करने, आयुष भाषा डेटासेट को मजबूत करने और प्रासंगिक एआई मॉडल बनाने के लिए भी विशेष प्रयास किए जाएंगे।

आयुष मंत्रालय के निदेशक डॉ. सुबोध कुमार और डिजिटल इंडिया भाषिणी डिवीजन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) अमिताभ नाग ने आधिकारिक तौर पर समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। यह हस्ताक्षर समारोह आयुष मंत्रालय के सचिव वैद्य राजेश कोटेचा और संयुक्त सचिव डॉ. कविता जैन की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ।

आयुष ज्ञान को हर भारतीय भाषा में सुलभ बनाने के महत्व पर जोर देते हुए, आयुष मंत्रालय के सचिव वैद्य राजेश कोटेचा ने कहा, आयुष चिकित्सा प्रणालियों में अपार सभ्यतागत ज्ञान और सांस्कृतिक गहराई समाहित है। यह सुनिश्चित करना कि यह ज्ञान हर भारतीय भाषा में सुलभ हो, समावेशी स्वास्थ्य सेवा वितरण और जन जागरूकता के लिए आवश्यक है। भाषिणी के साथ इस सहयोग के माध्यम से, हमारा उद्देश्य आयुष प्रणाली में बहुभाषी क्षमताओं को मजबूत करना, विशिष्ट क्षेत्र से संबंधित ठोस शब्दावलियां विकसित करना और भविष्य के लिए तैयार एआई प्रणालियां बनाना है जो भाषायी सीमाओं के पार नागरिकों को निर्बाध रूप से सहायता प्रदान कर सकें।

जल्द महिलाओं के खाते में आएगी 1 हजार की किस्त : विजय

चेन्नई (ईएमएस): तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसफ विजय ने कहा कि महिलाओं को कलैग्नार मगलीर उरिमाई थोगई योजना की मई माह की किस्त जल्द मिलेगी। इस योजना के तहत महिलाओं को १,००० रुपये दिए जाते है। इसकी शुरुआत पूर्ववर्ती द्रविड मुनेत्र कषगम सरकार ने की थी और इसका नाम पार्टी के दिग्गज नेता एम. करुणानिधि के नाम पर रखा गया। विजय के हवाले से कहा गया कि राशि लाभार्थियों के बैंक खातों में जमा की जाएगी।

आदेश में कहा गया हैं कि विजय सरकार को कलैग्नार मगलीर उरिमाई थोगई योजना के पुनर्गठन के लिए समय चाहिए, जिसके तहत महिलाओं को १,००० रुपये दिए जाते हैं। मुख्यमंत्री जोसफ विजय ने निर्देश दिया है कि इस योजना के तहत मई महीने की १००० रुपये की किस्त जल्द ही लाभार्थियों के बैंक खातों में सीधे जमा कर दी जाएगी।" राज्य विधानसभा चुनाव से पहले विजय की पार्टी तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) ने ६० वर्ष से कम उम्र की महिलाओं को २,५०० रुपये प्रति माह की सहायता देने का वादा किया था।

1000 आदिवासी परिवार रसोई गैस के मामले में आत्मनिर्भर बनने की राह पर

गांधीनगर (ईएमएस): दुनिया की सबसे ऊंची प्रतिमा स्टैच्यू ऑफ यूनिटी (एसओयू) के आसपास रहने वाले लगभग १००० आदिवासी परिवार रसोई गैस के मामले में आत्मनिर्भर बनने की राह पर अग्रसर है। राज्य सरकार द्वारा १००० आदिवासी परिवारों को बायोगैस प्लांट प्रदान करने के लिए की गई मेहनत अब रंग ला रही है।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष २०२५ में एकता नगर में आयोजित राष्ट्रीय एकता दिवस परेड के दौरान स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के आसपास रहने वाले १००० आदिवासी घरों में बायोगैस प्लांट स्थापित करने की घोषणा की थी।

यह योजना नर्मदा जिले की गरुडेश्वर तहसील की ३८ ग्राम पंचायतों के ८९ गांवों में लागू की जा रही है। गरुडेश्वर तहसील पंचायत द्वारा क्रियान्वित इस योजना की निगरानी जिला ग्राम विकास एजेंसी (डीआरडीए) द्वारा की जा रही है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत के विजन से प्रेरित इस पहल का उद्देश्य एलपीजी और परंपरागत लकड़ी के ईंधन पर निर्भरता को कम करना है। स्टैच्यू ऑफ यूनिटी से लगभग ७ किमी दूर स्थित वाघपुरा गांव निवासी रवि तड़वी ने कहा कि सरकार द्वारा स्थापित किए गए बायोगैस प्लांट के कारण उनके दैनिक जीवन में बड़ा बदलाव आया है। स्थानीय निवासी रवि तड़वी ने आगे कहा, अब हमें एलपीजी सिलेंडर की चिंता नहीं रहती। बायोगैस प्लांट के जरिए रोजाना स्वच्छ ईंधन मिलता है और बायोगैस प्लांट से निकलने वाली स्लरी खेती में रासायनिक खाद का उत्तम विकल्प बन गई है।

जैविक खाद के उपयोग के कारण फसल का उत्पादन भी अधिक होता है। इसी तरह के विचार व्यक्त करते हुए स्थानीय निवासी चंदू तड़वी ने योजना से महिलाओं के जीवन पर पड़े सकारात्मक प्रभाव के बारे में बताया, बायोगैस प्लांट के कारण महिलाओं को सबसे अधिक लाभ हुआ है। पहले वे खेत में काम करने के बाद लकड़ी इकट्ठा करने के लिए दूरदराज के स्थानों तक जाती थीं। चूल्हे पर रसोई पकाने के कारण धुआं निकलता था और आंखों को नुकसान होता था। लेकिन, अब बायोगैस के उपयोग के कारण उन्हें धुएं से मुक्ति मिल गई है और वे रसोई गैस के मामले में आत्मनिर्भर बन गई हैं।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के मार्गदर्शन में राज्य के ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता प्राप्त करने के लिए योजनाओं को तेजी से लागू किया जा रहा है। गुजरात में वैकल्पिक ऊर्जा के लिए काफी प्रयास किए गए हैं।

अब तक ६६५ से अधिक बायोगैस प्लांट स्थापित किए जा चुके हैं और बाकी प्लांट लगाने का काम प्रगति पर है। प्लांट को स्थापित करने का पूरा खर्च सरकार द्वारा दिया जाता है। लाभार्थी को प्लांट स्थापित करने के लिए जरूरी गड्ढा खोदने के लिए श्रमदान करना होता है।

बायोगैस प्लांट से महिलाओं को स्वच्छ रसोई गैस मिलती है, साथ ही प्लांट से निकलने वाली स्लरी का उपयोग खेती में खाद के रूप में होने से विदेश से आयात होने वाले रासायनिक खाद पर निर्भरता भी कम होती है।

पुलिस ने टेक्सटाइल यूनिटों से 86 बच्चे मुक्त कराए

सूरत (ईएमएस): शहर के पुना क्षेत्र में चल रहे टेक्सटाइल यूनिटों पर पुलिस और बाल सुरक्षा एजेंसियों ने संयुक्त रूप से बड़ी कार्रवाई करते हुए बाल मजदूरी के संगठित नेटवर्क का पर्दाफाश किया है। सीताराम और मुक्तिधाम सोसायटी में चलाए गए मेगा सर्च ऑपरेशन के दौरान ८६ बच्चों को मजदूरी के चंगुल से मुक्त कराया गया। इनमें सबसे कम उम्र का बच्चा मात्र ७ वर्ष का पाया गया, जिससे खतरनाक परिस्थितियों में काम कराया जा रहा था।

प्राप्त जानकारी के अनुसार नेशनल कमिशन फोर प्रोटेक्शन ओफ चाइल्ड राइट्स राजस्थान पुलिस के २२ अधिकारियों, एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट, पुना पुलिस और गायत्री सेवा संस्था की संयुक्त टीम ने यह कार्रवाई की। आज तडके सीताराम सोसायटी के करीब १०० मकानों में अचानक जांच अभियान चलाया गया। इनमें से २७ मकानों में अवैध रूप से टेक्सटाइल यूनिट संचालित होते मिले, जहां बच्चों से मजदूरी कराई जा रही थी।

प्राथमिक जांच में सामने आया कि बच्चों को राजस्थान, उत्तर प्रदेश, बिहार और झारखंड से लाया गया था। कई बच्चे पिछले तीन-चार वर्षों से यहां काम कर रहे थे, जबकि कुछ को हाल ही में गांवों से बहला-फुसलाकर लाया गया था। एजेंट गरीब परिवारों को आर्थिक मदद, बच्चों की पढ़ाई या सूरत घुमाने का लालच देकर उन्हें यहां ले आते थे। राहत दल द्वारा छुड़ाए गए बच्चों में अधिकांश राजस्थान के उदयपुर क्षेत्र के आदिवासी समुदाय से हैं। इनमें ८ और १० वर्ष के दो सगे भाई भी शामिल हैं। इसके अलावा उत्तर प्रदेश, बिहार और झारखंड के बच्चे भी बरामद किए गए।

पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि बच्चों को संकरे कमरों में धुएं और मशीनों के शोर के बीच रखा जाता था। कुछ बच्चे साड़ियों के धागे काटने का काम कर रहे थे, जबकि कई बच्चों से खतरनाक मशीनें चलवाई जा रही थीं। छापेमारी के दौरान बेहद मार्मिक दृश्य सामने आए। एक ७ वर्षीय बच्चा बिना शर्ट के कांपता हुआ मिला, जो पुलिस को देखकर अन्य बच्चों के पीछे छिप गया। इन बच्चों से रोजाना १२-१२ घंटे तक काम कराया जाता था।

पूछताछ में फैक्टरी संचालकों ने दावा किया कि बच्चों को उनके माता-पिता की अनुमति से लाया गया था। हालांकि पुलिस ने स्पष्ट किया कि जुवेनाइल जस्टिस एक्ट के तहत १४ वर्ष से कम उम्र के बच्चों से इस प्रकार का खतरनाक कार्य कराना गंभीर अपराध है। सभी संचालकों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

पुलिस जांच में यह भी पता चला कि बच्चों को मजदूरी के नाम पर प्रतिमाह केवल ५ से ८ हजार रुपये दिए जाते थे। अधिकांश बच्चे आर्थिक तंगी के कारण स्कूल छोड़ चुके थे और एजेंट ऐसे ही 'स्कूल ड्रॉपआउट' बच्चों को निशाना बनाकर उन्हें सूरत के श्रम बाजार में धकेल रहे थे। उदयपुर एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट के पुलिस इंस्पेक्टर और उनकी टीम ने पुना पुलिस को दो लापता बच्चों के बारे में सूचना दी थी, जिसके बाद यह बड़ा ऑपरेशन चलाया गया। पुना पुलिस निरीक्षक वी.एम.देसाई के नेतृत्व में पुलिस ने करीब १०० मकानों की जांच की और २७ स्थानों पर बाल मजदूरी का खुलासा हुआ।

पुलिस के अनुसार, बच्चों को पिछले दो महीनों के दौरान राजस्थान से सूरत लाकर काम पर लगाया गया था।

फिलहाल सभी बच्चों को सुरक्षित स्थानों पर भेजकर उनके पुनर्वास की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। राजस्थान पुलिस बच्चों के परिजनों से संपर्क कर रही है और सभी बच्चों को बस के माध्यम से राजस्थान रवाना किया गया है।

निकोल में अतिक्रमण हटाने गई मनपा की एस्टेट टीम पर पथराव

अहमदाबाद (ईएमएस)। अहमदाबाद म्युनिसिपल कोर्पोरेशन के एस्टेट विभाग की टीम पर निकोल क्षेत्र में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के दौरान हमला कर दिया गया। स्थानीय लारी-गल्ला संचालकों द्वारा कथित रूप से पथराव किए जाने से निगम की एक गाड़ी के शीशे टूट गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, शहर में बढ़ती ट्रैफिक समस्या को देखते हुए नगर निगम द्वारा मुख्य सड़कों से अवैध लारी-गल्ले और फुटपाथ अतिक्रमण हटाने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत बुधवार शाम करीब ६:३० बजे पूर्व जोन की एस्टेट विभाग की टीम निकोल वार्ड में मनमोहन चार रास्ता से खोडियार मंदिर, निकोल गांव, गंगोत्री सर्कल होते हुए अटल आवास योजना क्षेत्र तक कार्रवाई कर रही थी।

इस दौरान सड़क किनारे बड़ी संख्या में सब्जी की लारियां और पथरावाले मौजूद थे। टीम ने जब अवैध रूप से खड़ी लारियों और सामान को जब्त करने की कार्रवाई शुरू की, तब कुछ महिलाओं और स्थानीय लोगों ने विरोध शुरू कर दिया। आरोप है कि कुछ लोगों ने डंडे लेकर कर्मचारियों को धमकाया और देखते ही देखते पथराव शुरू कर दिया। पथराव में एन्फोर्समेंट टीम की एक गाड़ी क्षतिग्रस्त हो गई और उसके शीशे टूट गए। कुछ लोगों ने कर्मचारियों की गाड़ी के सामने खड़े होकर कार्रवाई रोकने का भी प्रयास किया। स्थिति बिगड़ने पर तुरंत पुलिस को सूचना दी गई, जिसके बाद पुलिस बल मौके पर पहुंचा और सुरक्षा के बीच कार्रवाई पूरी कराई गई। पुलिस की मौजूदगी में निगम टीम ने अतिक्रमण करने वालों की लारियां और सामान जब्त कर लिया।

महेश योगी के ट्रस्ट की जमीनों पर महाघोटाला

नई दिल्ली (ईएमएस): देशभर में फैली बेशकीमती जमीनों और संपत्तियों वाले एक पुराने धार्मिक ट्रस्ट से जुड़े कथित महाघोटाले ने सनसनी फैला दी है। प्रवर्तन निदेशालय ने करोड़ों रुपये की जमीनों की कथित अवैध बिक्री, फर्जी दस्तावेजों और धन शोधन के आरोपों में बड़ी कार्रवाई करते हुए कई ठिकानों पर छापेमारी की है। जांच एजेंसी के मुताबिक मामला आध्यात्मिक पुनर्जागरण आंदोलन फाउंडेशन ऑफ इंडिया ट्रस्ट की संपत्तियों से जुड़ा है, जिसकी स्थापना १९६३ में हुई थी और जिसे महर्षि महेश योगी की शिक्षाओं से जुड़ा बताया जाता है।

जांच में सामने आया है कि ट्रस्ट की जमीनों को फर्जी पदाधिकारी बनाकर, नकली अधिकार पत्र, जाली मुहर और फर्जी प्रस्तावों के जरिए बेचा गया। एजेंसी ने ७ मई २०२६ को मामला दर्ज करने के बाद जांच तेज की। इस पूरे नेटवर्क का मुख्य सूत्रधार जी राम चंद्र मोहन और आकाश मालवीय को माना जा रहा है।

पुराना सोना बदलकर नया खरीदने का चलन बढ़ेगा

नई दिल्ली (ईएमएस): भारत में सोना केवल एक आभूषण नहीं, बल्कि सुरक्षा, निवेश और सामाजिक प्रतिष्ठा का प्रतीक माना जाता रहा है। लेकिन मोदी सरकार द्वारा सोने पर बढ़ाई गई इंपोर्ट ड्यूटी ने अब इस कीमती धातु के पूरे गणित को बदल दिया है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस फैसले से न केवल सोने की मांग में १० से १५ प्रतिशत तक की गिरावट आएगी, बल्कि बाजार में एक बड़ा बदलाव दिखाई देगा। अनुमान के मुताबिक, भारतीय घरों और धार्मिक संस्थानों में करीब २५,००० टन सोना पड़ा हुआ है। इंपोर्ट ड्यूटी बढ़ने के कारण जब सोने की कीमतें रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचेंगी, तब पुराने सोने को बेचने या बदलने की होड़ मच सकती है। लोग नए गहने खरीदने के बजाय पुराने गहनों को बदलकर नए डिज़ाइन बनवाना पसंद कर सकते हैं, या बढ़ी हुई कीमत पर सोना बेचकर नकदी जुटाएंगे।

ज्वेलर्स के चेयरमैन के अनुसार, ऊंची कीमतों का फायदा उठाने के लिए लोग पुराने गहने बाजार में लाएंगे, जिससे रीसाइक्लिंग बढ़ेगी। एक रिपोर्ट के अनुसार, एक बड़े के चेयरमैन का कहना है कि आने वाले समय में पुराना सोना बदलकर नया खरीदना (गोल्ड एक्सचेंज) संगठित ज्वेलरी बाजार में खरीदारी का सबसे प्रमुख तरीका बन जाएगा, जिसका चलन बड़े रिटेलर्स के लिए वर्तमान में ही लगभग ५० प्रतिशत बिक्री का स्रोत है। इस बीच, इंडस्ट्री के दिग्गज तस्करी बढ़ने की चेतावनी दे रहे है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के चेयरमैन सुरेंद्र मेहता ने चिंता जाहिर की है कि ड्यूटी बढ़ने से गैरकानूनी रास्तों से सोना देश में आने की संभावना बढ़ जाती है।

Office Of Executive Engineer
Drinking Water & Sanitation Division,Jamtara

Very Short Tender Notice

Tender Notice No. :- DWSD/EE/JAMTARA – 02/ DWSD/JMT/2026-27 (2nd Call)

Date :- 12.05.2026

Name of Work				Changing of Rotton Riser Pipe & Connecting Rod of 927 drilled tube well India Mark- II with 32 mm dia medium class riser pipe and 1/3 Cylinder including supplying of materials & labours "On Turn- Key " basis under D.W.& S Division Jamtara year 2026-27.			
Sr. No	Name of Block	Group Nos.	Nos. of DT (Major)	Total Estimated Cost (in Rs)	Earnest Money (in Rs)	Cost of BOQ (in Rs)	Time of Completion
1.	Karmatanr	RRP-06	69	1007115.00	20500.00	2500.00	60 Days
वेबसाइट पर निविदा प्रकाशन की तिथि					15.05.2026 समय 04.00 बजे अपराह्न तक		
निविदा प्राप्ति (ऑन लाईन बिडींग) की अन्तिम तिथि एवं समय					20-05-2026 समय 04:00 बजे अपराह्न तक		
सरकार के सचिव, सूचना प्रौद्योगिकी एवं ई– गवर्नेंस,झारखण्ड मंत्रालय, के ज्ञापांक 120 दिनांक 03.10.2023 के आलोक में विपत्र का मूल्य एवं अग्रधन की राशि Online जमा करने की अन्तिम तिथि एवं समय					20.05.2026 समय 04:00 बजे अपराह्न तक		
तकनीकी बिड खोलने की तिथि एवं समय					21-05-2026 समय 04:00 बजे अपराह्न		
तकनीकी बिड खोलने का स्थान					कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वचछता प्रमंडल जामताड़ा।		
निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम/पदनाम					ई0 अनुप कुमार महतो, कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वचछता प्रमंडल जामताड़ा।		
निविदा आमंत्रित करने वाले कार्यालय का टेलिफोन नं0					0651- 2480345		
ई– प्रोक्यूरमेन्ट सेल का हेल्प लाईन सं0					(Santosh Kumar Mahto) 9955525176		

नोट – केवल ई निविदा ही स्वीकार किये जायेंगे।
अधिक जानकारी के लिए वेवसाईट http://jharkhandtenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

Executive Engineer
D.W.&S. Division,Jamtara.

PR 379770 Drinking Water and Sanitation(26-27).D

कार्यालय, जिला परिषद् धनबाद।
जिला परिषद द्वारा निर्मित दुकान का बन्दोबस्ती हेतु सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि जिला परिशद्, धनबाद के विभिन्न स्थलों में निर्मित दुकान का खुले डाक के माध्यम से 11 माह के एकरारनामा के आधार पर उच्चतम् डाकवक्ता को अस्थायी रूप से आवंटन हेतु आवेदन पत्रों की बिक्री एवं डाक में भाग लेने हेतु इस कार्यालय में आवेदन पत्र आमंत्रित किया जाता है।

भाड़े पर आधारित निर्मित दुकान के आवंटन हेतु इच्छुक व्यक्ति इस सूचना मे दिये गये नियम एवं शर्तों पर निर्धारित नीलामी की तिथि को डाक में भाग ले सकते हैं।

क्र.	दुकान का नाम	क्षेत्रफल SQFT	अनुमंडल पदाधिकारी के द्वारा निर्धारित दर	दुकानों की संख्या	मासिक किराया (प्रतिमाह)	नीलामी की सुरक्षित जमा राशि	नीलामी की न्यूनतम सुरक्षित जमा राशि 05%	नीलामी की तिथि
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	गोल्फ ग्राउण्ड फायर ब्रिगेड के समीप 06 अदद दुकान निर्माण (दुकान संख्या 1 से 6 तक)	12'x11'	16/sqft	06	Rs. 2112/- (Per month)	1,50,000/- (एक लाख पचास हजार)	7,500/-	26.5.2026
2	गोल्फ ग्राउण्ड पानी टंकी के समीप 04 अदद दुकान निर्माण (दुकान संख्या 1 से 4 तक)	11'x10'	16/sqft	04	Rs. 1760/- (Per Month)	1,50,000/- (एक लाख पचास हजार)	7,500/-	26.5.2026

1. डाक के लिए आवेदन पत्र जिला परिशद कार्यालय से 1000 (एक हजार) रूपये नकद/ड्राफ्ट जमा कर दिनांक **15-05-2026** से **22-05-2026** तक (कार्यालय दिवस में) कार्यालय अवधि तक प्राप्त किया जा सकता है।
2. आवेदन पत्र दिनांक **16-05-2026** से **23-05-2026** तक (कार्यालय दिवस में) कार्यालय अवधि तक जिला परिषद कार्यालय, धनबाद में पूर्ण ब्यौरा के साथ जमा किया जा सकता है, जिसमें नीलामी की न्यूनतम सुरक्षित जमा राशि का बैंक ड्राफ्ट, PAN Card, वोटर आई0डी0, चरित्र प्रमाण पत्र एवं आधार कार्ड की स्वअभिप्रमाणित छाया प्रति संलग्न करना अनिवार्य है।
3. पंचायती राज विभाग, झारखण्ड राँची के पत्रांक 2713, दिनांक 30.12.2022 के कंडिका–3 में निहित प्रावधान "निर्धारित किराया को न्यूनतम मूल्य रखते हुए स्थावर सम्पत्ति के किराये पर आवंटन हेतु नीलामी के माध्यम से अधिकतम बोली लगाने वाले का चयन किया जाएगा"।

डाक की विस्तृत नियम एवं शर्तें जिला परिषद के सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

ह0/–
कार्यपालक पदाधिकारी,
जिला परिषद, धनबाद।

ह0/–
उप विकास आयुक्त–सह–
मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी,
जिला परिषद, धनबाद।

PR 379831 Panchayati Raj(26-27)D

झारखंड सरकार
मोटरयान निरीक्षक का कार्यालय, धनबाद
Email :mvi-dhanbad@jharkhandmail.gov.in

सूचना

एतत् द्वारा सूचित किया जाता है कि वैसे वाहन स्वामी जो पुर्ननिबंधन (Re-Registration) के लिए मोटरयान निरीक्षक कार्यालय में शुल्क राशि जमा करने के 90 दिनों के बाद भी न तो कार्यालय में कोई कागजात जमा किये हैं और न ही निरीक्षण हेतु वाहन प्रस्तुत किये हैं, उनसे अनुरोध है कि इस सुचना के प्रकाशन की तिथि से 10 दिनों के अंदर आवश्यक कागजात जमा करना सुनिश्चित करेंगे तथा वाहन को निरीक्षण हेतु मोटरयान निरीक्षक कार्यालय में प्रस्तुत करना सुनिश्चित करें अन्यथा जमा की गई राशि नियमानुसार डिसपोज कर दी जायेगी। वाहनों की सूची निम्न प्रकार है:–

Vehicle No.	Owner Name	Vehicle No.	Owner Name
JH10J1743	SATYENDRA SHARMA	JH10R1731	BISWANATH PATRA
JH10V3101	AMIT KUMAR GUPTA	JH10R8553	VIJAY NAVAL PATEL
JH10Y3275	MAHESH PRASAD MAHATO	JH10Q9650	RAJ KUMAR SOREN
JH10J1565	GANESH BISHWAKARMA	JH10S0557	JITUN DHIBAR
JH10X4736	SYED RASHID ARAFAT	JH10S3568	RAJESH TURI
JH10X6810	NIRAJ KUMAR TIWARI	JH10T8816	ASHOK RAJ
JH10Y7237	MANOJ CHOUDHARY	JH10T0438	VIVEK KUMAR MONDAL
JH10Y0012	GM ADMINISTRATION	JH10V4267	SOMANATH MANJHI
JH10X5971	MD ARSAD ANSARI	JH10W1279	DEBDAS BANERJEE
JH10Y3220	KAILASH RAM	JH10G8500	MANOJ KUMAR BISHWAKARMA
JH10X4375	BABU CHAND	JH10C7500	BHABTOSH PRASAD
JH10X5136	RAVI KANT GUPTA	JH10V7659	SHAMBHU SHANKAR SAHU
JH10Y7897	MANIK PANDIT	JH10U3455	ANURAG SINHA
JH10Y6612	RAJA HARI	JH10W6123	ARITRO BHATTACHARJI
JH10H6754	KHIRU YADAV	JH10X3549	NIRANJAN MEHRA
JH10Y5996	KAMAL KISHORE SHARMA	JH10V4310	RAKESH KUMAR SINGH
JH10Y0465	BIRENDRA PRASAD YADAV	JH10W5893	MD. ZAKIR HUSSAIN
JH10Z2961	POONAM MISHRA	JH10X6189	DHIRANI MAHATAIN
JH10Y4457	SANTOSH KUMAR SAW	JH10X4578	SANJAY KUMAR MANDAL
JH10Z7154	JAY HORO	JH10W3118	SMT. BASANTI CHOUDHURY
JH10BG5076	SOUGATA BISWAS	JH10X8251	SANJEEV KUMAR SINGH
BR178549	AWADHESH KUMAR	JH10V2565	DURGADAS GHOSH
JH10X9872	AIJAZ AHMAD KHAN	BR17A2232	BALIRAM GIRI
JH10Y1408	BHAGWAN MURMU	BRR9235	SHIV SHANKAR SINGH
JH10Y9846	JAYABRATA DAS	JH10W2953	HARADHAN GORAI
JH10V4468	JHANTU MANDAL	JH10Z3038	PAPPU KUMAR VISHWAKARMA
JH10Z2473	SHIV SHANKAR RAJAK	JH10Z4897	DEWANAND PRASAD
JH10G3839	SOUMEN BANERJEE	JH10Z5970	HIMANSHU KUMAR
JH10Y5285	SMT. ARCHANA SINHA	JH10Z3522	DEEPAK KHOYA
JH10Y8375	GOURI SHANKAR RAWANI	JH10Z1354	RAVI RANJAN NIRALA
JH10Z2400	MD ALAM	JH10Z5955	MD SABBIR AHMAD
JH10W3218	KALI DAS KORA	JH10J9468	AFROJ KHAN
JH10Y4035	NIRDESHWAR BANERJEE	JH10Z3201	GOUTAM RAWANI
JH10V9371	HABIB MIYAN	JH10Y8427	RAGHVENDRA KUMAR CHOUDHARY
JH10J6754	VIJAY KR. KARMAKAR	JH10Z1002	RAJESH KUMAR SINGH
JH10Z3566	BHOLA LAL	JH10Z8563	BINOD DAS
JH10Z2243	DEBASISH DAS	JH10T3092	ROHIT KUMAR
JH10Z0544	AJAY KUMAR	JH10J9293	MUKESH KUMAR SINGH
JH10Y6188	NIRMALENDU SARKAR	JH10H4251	RAJENDRA PD. CHOUHAN
JH10J3001	SURESH PRASAD	JH10X4439	UMESH KUMAR MAHATO
JH10Y3228	PANKAJ KUMAR PANDIT	JH10V3246	SANATAN DAS
JH10G7654	JANAK DULARI DEVI	JH10Y3034	MD WAZID ANSARI
JH10J1988	OMKAR PRASAD (READER)	JH10J7133	NEERAJ KUMAR SINGH
JH10J7292	UTTAM KUMAR DUTTA	JH10Z8272	ANITA GOSWAMI
BR17F7231	KAMLA DEVI	JH10Z0767	BHANU PRATAP SINGH RANA
		JH10X7917	SUNIL YADAV

PR 379832 (Transport)26-27*D

मोटरयान निरीक्षक,धनबाद

पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, गिरिडीह

(आवश्यक सुचना)

धनवार थाना (घोडथम्बा ओ0पी0) कांड सं0 156/2024 दिनांक 10.07.2024 धारा 137(2) बी0एन0एस0, की लापता का हुलिया विवरणी:–

धनवार थाना (घोडथम्बा ओ0पी0) कांड सं0 156/2024 में लापता/अपहृत बालक प्रेम कुमार यादव, उम्र– करीब 13 वर्ष, पे0– रंजीत यादव, सा0– दासेडीह, थाना– घोडथम्बा ओ0पी, धनवार, जिला– गिरिडीह दिनांक:– 09.07.2024 से लापता है, जिसका हुलिया विवरणी निम्न है:–

1. नाम– प्रेम कुमार यादव
1. पिता– रंजीत यादव
2. माता– संगीता देवी
3. पता– दासेडीह, थाना– घोडथम्बा ओ0पी, धनवार, जिला– गिरिडीह ।
4. रंग– गोरा
5. चेहरा – छरहरा
6. उँचाई– 05फीट 03 इंच
7. भाषा– हिन्दी/खोरठा
8. लपता की तिथी– 09.07.2024
9. लापता की तिथी के समय उम्र करीब 13 वर्ष
10. पहनावा– लाल रंग का शर्ट एवं काला रंग का जिंस पहने हुये।
11. पहचान:– दायां हाथ के कलाई एवं मुंह में तिल का निशान

नोट:– काई भी व्यक्ति जो सुचना देगें उनका नाम/पता गुप्त रखा जायेगा तथा बरामदगी पश्चात उचित पुरूस्कार प्रदान किया जाएगा। सुचित किया जाने वाले का दुरभाष नम्बर निम्न है:–

1.पुलिस अधीक्षक, गिरिडीह:– 9431706326
1.थाना प्रभारी महिला,गिरिडीह का मोबाइल न0– 7004600072
2.पुलिस निरीक्षक अंचल नगर का मोबाइल नं0– 9431161237

पुलिस अधीक्षक,
गिरिडीह

PR 379836 Police(26-27).D

यूपी में आंधी-तूफान से 90 से ज्यादा मौतें

लखनऊ (ईएमएस) : उत्तर प्रदेश में आंधी-तूफान ने भारी तबाही मचाई है। तूफान में सैकड़ों पेड़ उखड़ गए। बिजली के पोल गिरे। फसलें बर्बाद हो गईं। आंधी-तूफान की चपेट में आकर ९० से ज्यादा लोगों की मौत हो गई। सीएम योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर शासन-प्रशासन की टीमें नुकसान के आकलन और प्रभावितों को फौरी मदद पहुंचाने की कोशिशों में जुटी हैं।

गौरतलब है कि बुधवार को यूपी के कई हिस्सों में तेज आंधी, बारिश कहर मचाया। पेड़ और पोल गिरने से बिजली व्यवस्था चरमरा गई। इस बीच राज्य के अलग-अलग क्षेत्रों में हादसों की चपेट में आकर कई लोगों की मौत हो गई। सबसे ज्यादा जनहानि बनारस, प्रयागराज और कानपुर मंडल में देखी गई है। भदौही में १८ लोगों की मौत की सूचना है। प्रयागराज में १७ और मिर्जापुर में १५ लोगों की मौत हो गई। इसी तरह उन्नाव में १० बरेली-प्रतागढ़ में ४-४ और सीतापुर, कानपुर, संभल, हरदोई और चंदौली में दो-दो लोगों की मौत हो गई है। शाजहांपुर, लखीमपुर में भी एक-एक व्यक्ति की मौत की रिपोर्ट है।

आंधी की शक्ल में आए तूफान ने कच्चे और फूस के मकान उजाड़ दिए। टेन शेड हवा में उड़ गए। रास्तों पर पेड़ गिरने से यातायात भी बाधित रहा और बिजली आपूर्ति ठप हो गई। स्थानीय प्रशासनिक टीमें राहत-बचाव अभियान में जुटी रहीं। रास्तों से पेड़ हटाने और पोल को किनारे करके यातायात व्यवस्था सुचारू करने की मुहिम चली। इसी बीच बिजली व्यवस्था भी दुरुस्त करने के प्रयास जारी रहे। इसके अलावा जिन जगहों पर जानमाल का भारी नुकसान हुआ है। शासन-प्रशासन उसकी रिपोर्ट तैयार करके, पीड़ित परिवारों की मदद में लगा है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने निर्देश दिए हैं कि सभी प्रभावितों की हरसंभव मदद की जाए। सीएम ने कहा कि २४ घंटे के पीड़ितों को मुआवजा दिया जाए। इसमें किसी भी तरह की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। ऐसा तो उसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जनहानि का संज्ञान लेते हुए २४ घंटे के अंदर पीड़ितों को मुआवजा देने का आदेश दिया है। उन्होंने संबंधित जिलाधिकारियों समेत विभिन्न विभागों के अधिकारियों को मौके पर पहुंचकर पीड़ितों को हर संभव सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। आदित्यनाथ ने अधिकारियों को सतर्क रहने का निर्देश देते हुए राजस्व, कृषि विभाग और बीमा कंपनी से नुकसान का सर्वेक्षण कराकर शासन को भी अवगत कराने का आदेश दिया है।

परीक्षा रद्द होने से दुखी नीट अभ्यर्थी ने दी जान

लखीमपुर खीरी (ईएमएस): यूपी के लखीमपुर खीरी के नौरंगाबाद स्थित गंगोत्री नगर में नीट अभ्यर्थी रितिक मिश्रा का शव बृहस्पतिवार को कमरे में फंदे से लटका मिला। मूल रूप से धौरहरा क्षेत्र के कटौली गांव निवासी रितिक हाल ही में कानपुर में राष्ट्रीय पात्रता व प्रवेश परीक्षा (नीट) देकर लौटा था। परिजनों के अनुसार नीट पेपर लीक और परीक्षा रद्द होने के बाद से रितिक मानसिक तनाव में था।

मृतक के पिता अनूप मिश्रा ने बताया कि रितिक ने तीसरी बार परीक्षा दी थी। इससे पहले उसके कम नंबर आए थे। इस बार उसे उम्मीद थी कि वह नीट क्लीयर कर लेगा, लेकिन पेपर लीक और परीक्षा रद्द होने से वह दुखी हो गया। परिजन उसे लगातार समझ रहे थे, लेकिन उसने किसी वक्त आत्मघाती कदम उठा लिया। छात्र की मौत से माता-पिता रो-रोकर बेहाल हैं। पड़ोसी भी घटना से स्तब्ध हैं। उन्होंने बताया कि रितिक पढ़ने में बहुत होशियार था।

प्रतीक यादव पंचतत्व में विलीन

लखनऊ,(ईएमएस) : समाजवादी पार्टी के संस्थापक मुलायम सिंह यादव के छोटे बेटे प्रतीक यादव का गुरुवार, को लखनऊ में बैकुंठधाम पर अंतिम संस्कार किया, जहां उन्हें पंचतत्व में विलीन किया गया। बुधवार सुबह अचानक तबीयत बिगड़ने के बाद उनका निधन हो गया था। इस दुखद घड़ी में परिवार के सभी सदस्य बेहद गमगीन दिखे। पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव और उनके परिवार के साथ, प्रतीक की पत्नी अपर्णा यादव और उनकी बेटी को भी देखा गया। इस दौरान अपर्णा की बेटी अखिलेश यादव के बगल में बैठी हुई दिखाई दी, जो परिवार के लिए एक भावनात्मक और मार्मिक पल था।

प्रतीक के लखनऊ स्थित आवास से श्मशान घाट तक ले जाए जाने से पहले, उनके अंतिम दर्शन के लिए नेताओं और समर्थकों का भारी जमावड़ा उमड़ पड़ा था। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक सहित समाजवादी पार्टी और भारतीय जनता पार्टी के कई कद्दावर नेताओं ने उनके निधन पर शोक व्यक्त किया था। कन्नौज, इटावा सहित विभिन्न जिलों से आए सपा समर्थक और मुलायम सिंह यादव के शुभचिंतक इस दौरान भावुक नजर आए। विशेष रूप से, कन्नौज से आए दिव्यांग देवेंद्र सिंह, जिन्हें खबर मिलते ही लखनऊ के लिए रवाना होना पड़ा, ने अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं।

प्रतीक यादव, मुलायम की दूसरी पत्नी साधना गुप्ता के बेटे थे और सपा प्रमुख अखिलेश के सौतेले भाई थे। उनकी शादी वरिष्ठ पत्रकार अरविंद कुमार बिष्ट की बेटी अपर्णा यादव से हुई थी, जो वर्तमान में भाजपा में हैं और उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष के रूप में कार्यरत हैं। परिवार के इस निजी नुकसान ने राजनीतिक गलियारों में भी शोक की लहर फैला दी है।

कौशल विकास योजनाओं में तेजी लाने का निर्देश

गिरिडीह (ससे): उपायुक्त, रामनिवास यादव की अध्यक्षता में आज समाहरणालय सभागार में कौशल विकास एवं श्रम विभाग से संबंधित योजनाओं एवं कार्यक्रमों की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान जिले में संचालित विभिन्न कौशल विकास योजनाओं, रोजगार सृजन कार्यक्रमों, श्रमिक कल्याण योजनाओं एवं प्रशिक्षण गतिविधियों की विस्तृत समीक्षा की गई।उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक युवाओं एवं श्रमिकों तक समयबद्ध तरीके से पहुंचाना सुनिश्चित करें। उन्होंने कौशल प्रशिक्षण प्राप्त युवाओं को रोजगार एवं स्वरोजगार से जोड़ने हेतु प्रभावी पहल करने पर जोर दिया। साथ ही प्रशिक्षण केंद्रों की गुणवत्ता, प्रशिक्षण उपरांत प्लेसमेंट तथा योजनाओं की वास्तविक प्रगति की नियमित मॉनिटरिंग करने का निर्देश दिया।

राहुल गांधी पर आय से अधिक संपत्ति मामले में हाईकोर्ट में अगली सुनवाई 20 जुलाई को होगी

लखनऊ (ईएमएस) : लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर आय से अधिक संपत्ति मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सीबीआई, ईडी और एसएफआईओ सहित अन्य केंद्रीय एजेंसियों से जवाब तलब किया है। बीजेपी नेता एस विग्नेश शिशिर ने याचिका दाखिल कर निष्पक्ष जांच की मांग की है। अब इस मामले में अगली सुनवाई २० जुलाई को होगी।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मामले की सुनवाई के दौरान सभी पक्षकारों को जवाब दाखिल करने के लिए आठ सप्ताह का समय दिया है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अगली सुनवाई २० जुलाई को तय की है। याचिकाकर्ता एस. विग्नेश शिशिर ने आरोप लगाया है कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अपनी ज्ञात आय के स्रोतों से अधिक संपत्ति जमा की है। उन्होंने कोर्ट से इन आरोपों की निष्पक्ष जांच करने की मांग की है। इसके बाद हाईकोर्ट ने याचिका पर सुनवाई कर सीबीआई, ईडी और एसएफआईओ को नोटिस जारी कर मामले में अपनी स्थिति स्पष्ट करने को कह दिया है। इस मामले में केंद्र सरकार की भूमिका को भी इलाहाबाद हाईकोर्ट ने महत्वपूर्ण माना है। अधिकारियों के मुताबिक, कोर्ट अब एजेंसियों के जवाब के बाद आगे की कार्यवाही तय करेगा। इस मामले पर राजनीतिक गलियारों में भी काफी चर्चा हो रही है। उधर, दिल्ली में बीजेपी प्रवक्ता संबित पात्रा ने प्रेसवार्ता कर राहुल गांधी की विदेश यात्रा और उसकी फंडिंग को लेकर सवाल उठाया है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी की बीते ११ वर्षों की कमाई ११ करोड़ है, जबकि उन्होंने विदेश यात्रा पर ६४ करोड़ रुपए खर्च किए।

विक्रमशीला पुल में घटिया सरिया का इस्तेमाल हो रहा है : पप्पू यादव

भागलपुर (एजेंसी): सांसद पप्पू यादव निर्माणाधीन विक्रमशीला पुल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सांसद ने निर्माण कंपनी एसपी सिंगला पर जमकर हमला बोला। उन्होंने ये दावा किया कि समानांतर पुल के निर्माण में खराब सरिया का इस्तेमाल किया गया है, जिससे यह पुल ज्यादा दिनों तक टिक नहीं पाएगा।सांसद ने आरोप लगाते हुए कहा कि यह कंपनी कई पुल हादसों की दोषी है। पुल हादसों में कई लोगों की जान तक चली गई है।

ऐसे मामलों में जिम्मेदार लोगों को फांसी की सजा मिलनी चाहिए। इस दौरान सांसद ने नाव संचालन व्यवस्था पर भी सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि नाविकों से ३०० रुपये कमीशन लिया जा रहा है, जबकि बच्चों से भी १०० रुपये तक वसूले जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि शाम के बाद छात्रों के आने-जाने की कोई व्यवस्था नहीं है और हालात इतने खराब हैं कि दही और दूध तक फट जा रहा है।

पप्पू यादव ने सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि उद्योगपतियों को लाखों करोड़ रुपये देने के लिए सरकार के पास पैसा है, लेकिन आम जनता की सुविधा के लिए नहीं। उन्होंने कहा कि जो सरकार जनता की सुरक्षा नहीं कर सकती, उसे सत्ता में रहने का कोई हक नहीं है। उन्होंने ऐलान किया कि जनता की सुविधा के लिए वे खुद एक स्टीमर और पांच नाव मुफ्त में चलाएंगे। साथ ही सरकार से कम से कम १० स्टीमर चलाने की मांग की। चीन का उदाहरण देते हुए पप्पू यादव ने कहा कि वहां एक दिन में पुल बन जाता है, लेकिन बिहार में १० दिन में भी पुल को ठीक से चालू नहीं किया जा सका। फिलहाल विक्रमशिला पुल की स्थिति और वैकल्पिक व्यवस्था को लेकर लोगों की परेशानी लगातार बढ़ती जा रही है, जबकि विपक्ष सरकार पर लगातार हमलावर है।

विधायक ओसामा शहाब की गिरफ्तारी पर रोक

पटना (एजेंसी): दिवंगत पूर्व सांसद मोहम्मद शहाबुद्दीन के बेटे और आरजेडी विधायक ओसामा शहाब को पटना हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। कोर्ट ने फिलहाल उनकी गिरफ्तारी पर रोक लगा दी है, जिससे अब उन्हें पुलिस से छुपकर रहने की जरूरत नहीं पड़ेगी। दरअसल, सीवान के महादेवा इलाके में एक डॉक्टर की जमीन पर जबरन कब्जा करवाने के मामले में ओसामा सहाब पर आरोप लगा है। इसी मामले को लेकर पुलिस लगातार उनकी तलाश में जुटी हुई थी। पिछले दिनों डीआईजी के नेतृत्व में भारी पुलिस बल के साथ उनके सीवान स्थित आवास पर छापेमारी की गई, लेकिन वे वहां नहीं मिले। इसके बाद पुलिस टीम पटना स्थित उनके सरकारी आवास पर भी पहुंची, हालांकि वहां भी पुलिस को सफलता नहीं मिली और ओसामा सहाब का कोई सुराग हाथ नहीं लगा।

गिरफ्तारी की आशंका के बीच ओसामा सहाब ने हाईकोर्ट का रुख किया। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने पुलिस से मामले की केस डायरी पेश करने को कहा, लेकिन पुलिस तत्काल केस डायरी उपलब्ध नहीं करा सकी। इसके बाद कोर्ट ने उनकी गिरफ्तारी पर फिलहाल रोक लगा दी। अब इस मामले की अगली सुनवाई १७ जून को होगी। तब तक के लिए ओसामा सहाब को पुलिसिया कार्रवाई से राहत मिल गई है।

मुजफ्फरपुर में 2 नाबालिग बहनों की निर्मम हत्या

मुजफ्फरपुर (एजेंसी): मुजफ्फरपुर में २ नाबालिग बहनों की निर्मम हत्या कर दी गई। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से हुई खुलासा। नाबालिग की उंगलिया काटी, हड्डी तोड़ी फिर मार कर शव को फेंक दिया। घटना जिले के मीनापुर थाना क्षेत्र अंतर्गत मकसूदपुर का है। मामले की गुत्थी सुलझाने में लगी पुलिस।

जानकारी के मुताबिक, दोनों चचेरी बहन थी। बीते दिन उनको अगवा किया गया था। परिजनों द्वारा काफी खोजबीन करने के बाद भी जब दोनों नहीं मिली तो परिजनों ने इसकी जानकारी थाना में दी। आज सुबह दोनों का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से खुलासा हुआ कि दोनों बच्चियों की प्राइवेट पार्ट में गंभीर चोटें हैं। इसके अलावा बाएं हाथ की तीन उंगलियां कटी हुई थी, जबड़ा निकला हुआ था साथ ही फेफड़े की चार हड्डियां भी टूटी हुई पायी गई। इस घटना ने इलाके को पूरी तरह से झकझोर कर दिया है।

वहीं पुलिस की अब तक की जांच में यह मामला एक जटिल पहेली बना हुआ है। एनएच-२२ और स्थानीय चिमनी पर लगे सीसीटीवी कैमरों से फिलहाल कोई सुराग हाथ नहीं लगा है। ग्रामीणों और परिजनों का दावा है कि जिस स्थान से शव बरामद हुए, वहां घटना से एक दिन पहले शाम तक कुछ नहीं था। अगले दिन सुबह शवों से तेज दुर्गंध आ रही थी। इससे यह प्रबल आशंका जताई जा रही है कि बच्चियों की हत्या किसी अन्य स्थान पर की गई और साक्ष्य मिटाने के उद्देश्य से शवों को बाद में यहां लाकर फेंक दिया गया। शव गांव पहुंचते ही परिजनों में चीख-पुकार मच गई और पूरे इलाके में तनावपूर्ण सन्नाटा पसरा है। फिलहाल मुजफ्फरपुर पुलिस फिलहाल एफएसएल टीम की जांच और विस्तृत पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई कर रही है।

उपायुक्त की अध्यक्षता में आपूर्ति विभाग की समीक्षात्मक बैठक संपन्न

गिरिडीह (ससे): समाहरणालय स्थित सभाकक्ष में उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी, रामनिवास यादव की अध्यक्षता में आपूर्ति विभाग अंतर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं से सम्बन्धित समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। इस दौरान उपायुक्त ने पूर्व की बैठक में दिए गए निर्देश के आलोक में किए गए कार्यों की जानकारी लेते हुए लक्ष्य के अनुरूप ससमय कार्यों को पूर्ण करने का निर्देश दिया। बैठक में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए) के अन्तर्गत अप्रैल, मई माह २०२६ के खाद्यान्न वितरण की अद्यतन स्थिति की समीक्षा कर समयबद्ध तरीके से शत-प्रतिशत खाद्यान्न वितरण सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया। इसके अलावा समीक्षा क्रम में उपायुक्त ने योजना के तहत खाद्यान्न का वितरण, चना दाल वितरण, मुख्यमंत्री दाल भात योजना, चीनी और नमक का वितरण, पीवीटीजी, जन वितरण प्रणाली, ग्रीन राशन कार्ड समेत विभिन्न योजनाओं के अद्यतन स्थिति का क्रमवार समीक्षा कर सम्बंधित पदाधिकारी को सरकार के कल्याणकारी योजनाओं से योग्य लाभुकों को स-समय लाभान्वित करने के निर्देश दिए।

बैठक में उपायुक्त ने एनएफएसए के तहत खाद्य वितरण की जानकारी लेते हुए लक्ष्य के अनुरूप प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही गङ्गव्ह्ड के तहत किए अनाज वितरण की जानकारी प्राप्त की तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। इस दौरान उपायुक्त ने जिला आपूर्ति पदाधिकारी को स्पष्ट निर्देश दिया कि खाद्यान्न का उठाव एवं वितरण ससमय करना सुनिश्चित करें। उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि खाद्यान्न के उठाव एवं वितरण में लापरवाही बर्दाशत नहीं की जायेगी। बैठक में जिले में पीवीटीजी परिवारों को डाकिया योजना से दी जाने वाली राशन संबंधित समीक्षा क्रम में उपायुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिया कि पीवीटीजी परिवारों को ससमय शतप्रतिशत डाकिया योजना का लाभ मिले इसे सुनिश्चित करें। साथ ही सोना-सोबरन धोती साड़ी योजनान्तर्गत सभी लाभुकों को शत-प्रतिशत लाभान्वित करने का निदेश दिया गया। साथ ही पीजीएमएस पोर्टल में लंबित मामलों को जल्द से जल्द निष्पादित करने का निर्देश दिया गया। बैठक में उपायुक्त द्वारा आधार सिर्डिंग, सुसुप्त राशन कार्ड, ग्रीन टू एनएफएसए परिवर्तन राशन कार्ड, ई-पॉश मशीन, मुख्यमंत्री दाल भात योजना, चना दाल वितरण व अन्य संचालित योजनाओं की समीक्षा कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। इसके अलावा उपायुक्त ने कहा कि गोदाम में पुराना किसी भी प्रकार का खाद्यान्न सामग्री, जो खाने योग्य नहीं है, उसका खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी से जांच कराकर सर्टिफिकेट प्राप्त कर विभागीय प्रक्रिया के अनुसार उसका विनिष्टीकरण सुनिश्चित किया जाय।

नीट पेपर लीक पर जोरदार प्रदर्शन शिक्षा मंत्री का पुतला दहन

पीलीभीत (ईएमएस): नीट (नीट) परीक्षा में कथित पेपर लीक और बड़े पैमाने पर धांधली के विरोध में छात्र कांग्रेस (एनएसयूआई) ने पीलीभीत में जोरदार प्रदर्शन किया। एनएसयूआई कार्यकर्ताओं और युवाओं ने केंद्र व परीक्षा एजेंसियों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का पुतला दहन कर अपना आक्रोश जाहिर किया। एनएसयूआई के जिलाध्यक्ष राजेश वर्मा और संदीप गंगवार ने प्रदर्शनकारियों को संबोधित कर कहा कि देश में लगातार सामने आ रहे पेपर लीक के मामले हमारी शिक्षा व्यवस्था को दुनिया के सामने शर्मसार कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि लाखों छात्र अपनी परीक्षाओं के लिए दिन-रात कड़ी मेहनत करते हैं, लेकिन भ्रष्ट तंत्र और शिक्षा माफिया उनकी मेहनत को बाजार में बेचकर उनके भविष्य से खिलवाड़ कर रहे हैं। उन्होंने देश की सबसे महत्वपूर्ण परीक्षाओं की सुरक्षा सुनिश्चित न कर पाने को सरकार और परीक्षा एजेंसियों की गंभीर विफलता करार दिया।

एनएसयूआई नेताओं ने मांग की कि इस पूरे प्रकरण में दोषियों को मिल रहा राजनीतिक संरक्षण तत्काल बंद होना चाहिए और उनके खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। युवा नेता हेमंत कुमार गैरोला ने कहा कि केवल एक घोटाला नहीं, बल्कि देश के युवाओं के भविष्य पर सीधा हमला बताया। उन्होंने नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) में बैठे उन सभी संदिग्ध अधिकारियों की तत्काल जांच करने और उन्हें उनके पदों से बर्खास्त करने की मांग की, जिनकी संलिप्तता की आशंका है।

एनएसयूआई नेता गैरोला ने चेतावनी दी कि यदि केंद्र सरकार ने इस गंभीर मुद्दे पर जल्द ही कोई ठोस और पारदर्शी कदम नहीं उठाया, तब देश का युवा वर्ग चुप नहीं बैठेगा और वह सड़कों से लेकर संसद तक एक बड़ा और निर्णायक आंदोलन करने पर मजबूर होगा। प्रदर्शन के दौरान युवाओं ने दोषियों को अविलंब कठोर सजा देने की अपनी मांग बुलंद की।

पूर्व मध्य रेल

ई-निविदा सूचना

ई. निविदा सूचना सं.: एस. जी.–664–04–संकेत–2026–27

भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्न कार्य हेतु ई. निविदा आमंत्रित की जाती है। **क्र. सं. : 1. कार्य का नाम:** धनबाद मंडल के अंतर्गत एएसटीई बरकाकाना खंड में दोषपूर्ण सिग्नल एवं/ दूरसंचार केबलों, जर्जरक्षतिग्रस्त लोकेशन बॉक्स/ अधिक आयु वाले ट्रैक रिले तथा अन्य उपकरणों का प्रतिस्थापन हेतु। **क्र. सं. : 2. कार्य का आकलित मूल्य:** ₹ 6,89,79,671.45 (लगभग) **क्र. सं. : 3. कार्य का अग्रधन राशि:** ₹ 13,79,600.00 **क्र. सं. : 4. निविदा बंद होने की तिथि एवं समय:** 02.06.2026 (12:30 बजे)। क्र. सं. : 5. ऐसी ई. निविदाओं के तहत डाक/ कुरियर /फैक्स या व्यक्तिगत रुप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही यह फर्म के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव को अवैध माना जायेगा तथा उसके बारे में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा। उपरोक्त ई. निविदा के ई. निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट : http://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे। **द्रष्टव्य :–** प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई. निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन/ शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने की अंतिम तिथि से कम से कम दस दिन पहले वेबसाइट: http:// www.ireps.gov.in का अवलोकन करें।

वरीय मण्डल संकेत एवं दूर संचार अभियन्ता
पूर्व मध्य रेल, धनबाद

पीआर/0221/डीएचएन/एसएण्डटी/टी/26–27/40

प्रधानमंत्री पेपर लीक पर चुप क्यों : रोहिणी आचार्या

पटना (एजेंसी): राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव की बेटी रोहिणी आचार्य ने पेपर लीक मामले पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर कड़ा प्रहार किया है। रोहिणी ने सोशल मीडिया (द) पोस्ट के जरिए तंज कसा और कहा कि प्रधानमंत्री चर्चा के मुद्दे ढूंढने के लिए जाने जाते हैं, लेकिन लाखों युवाओं के भविष्य से जुड़े 'पेपर लीक' जैसे गंभीर विषय पर वे पूरी तरह मौन हैं।

उन्होंने सवाल उठाया कि जो प्रधानमंत्री हर साल छात्रों के साथ 'परीक्षा पर चर्चा' करते हैं, वे आखिर पेपर लीक की विभीषिका पर बात करने से क्यों बच रहे हैं? क्या देश के युवाओं का भविष्य उनकी प्राथमिकताओं में शामिल नहीं है? अपने ट्वीट में रोहिणी ने पिछले १२ वर्षों के शासनकाल का हवाला देते हुए एक चौंकाने वाला आंकड़ा पेश किया। उन्होंने दावा किया कि इस दौरान ९० से अधिक बड़ी प्रतियोगी परीक्षाओं के पेपर लीक हुए हैं, लेकिन प्रधानमंत्री ने एक बार भी इस पर अपनी प्रतिक्रिया नहीं दी। रोहिणी ने सवाल किया कि क्या दुनिया की सबसे बड़ी युवा आबादी वाले देश में युवाओं के सपनों के साथ हो रहा यह निरंतर खिलवाड़ सरकार के लिए कोई अहमियत नहीं रखता? यह चुप्पी उन लाखों अभ्यर्थियों के घावों पर नमक छिड़कने जैसी है जो दिन-रात मेहनत कर परीक्षाओं की तैयारी करते हैं।

रोहिणी आचार्य ने सीधे तौर पर प्रधानमंत्री और उनकी सरकार की संलिप्तता पर भी गंभीर सवाल खड़े किए।

उन्होंने तीखे लहजे में पूछा कि कहीं पेपर लीक का यह 'गोरखधंधा' सरकार की जानकारी और सरपरस्ती में तो नहीं फल-फूल रहा है? उन्होंने आशंका जताई कि सरकार की मौन सहमति ही इस भ्रष्टाचार को बढ़ावा दे रही है। रोहिणी का यह बयान ऐसे समय में आया है जब देश के अलग-अलग हिस्सों में हाल की प्रतियोगी परीक्षाओं में हुई धांधली को लेकर छात्रों में भारी असंतोष और आक्रोश व्याप्त है।

जी+2 और 300 वर्गफीट से कम में बने मकानों का होगा नियमितीकरण, मंत्री सुदिव्य ने लॉन्च किया ऑनलाइन पोर्टल

रांची (एजेंसी): राज्यभर में जी+२ और ३०० वर्गफीट से कम में बने मकानों के नियमितीकरण को आसान करते हुए नगर विकास मंत्री सुदिव्य कुमार ने गुरुवार को झारखंड अनाधिकृत निर्मित भवन नियमितीकरण नियमावली, २०२६ के ऑनलाइन पोर्टल का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि यह एक ऐतिहासिक क्षण है, जहां राज्य की जनता को एक मौका प्रदान किया जा रहा है कि वे अनाधिकृत तरीके से बने अपने मकानों का नियमितीकरण करा सकेंगे। जो लोग चिंतित थे कि उनके अनियमित मकानों का क्या होगा, सरकार इस दिशा में राहत देते हुए भवन नियमितीकरण योजना लेकर आई है। अब लोग पोर्टल के माध्यम से आवेदन कर अपना मकान नियमित करा सकेंगे।

सफलता के लिए लोगों का सहयोग एवं समर्थन जरूरी

सुदिव्य कुमार ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की प्रबल इच्छाशक्ति थी कि राज्य के लोगों को राहत देते हुए अनियमित मकानों को नियमित करने का एक मौका जरूर दिया जाना चाहिए। इसी के मद्देनजर नगर विकास विभाग ने बड़े कठिन और अथक प्रयासों के बाद यह योजना तैयार की है और अब ऑनलाइन पोर्टल का शुभारंभ हो गया है। लोग अब पोर्टल के माध्यम से अपने मकानों के नियमितीकरण के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे और अपने मकानों को नियमित करा सकेंगे। उन्होंने कहा कि राज्य की जनता का समर्थन और सहयोग जरूरी है, ताकि इस योजना को सफल बनाया जा सके।

उद्देश्य को पूरा करना हम सबकी जवाबदेही

मंत्री सुदिव्य कुमार ने कहा कि सरकार की नीतियों के अनुपालन में जनता की भागीदारी महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि भवन नियमितीकरण का उद्देश्य अनियमितीकरण को बढ़ावा देना नहीं है, बल्कि जो लोग बिना नक्शा और मास्टर प्लान के अपना मकान बना लिए हैं, यह उन लोगों के लिए एक मौका है। सरकार ने नियमितीकरण नियमावली को बहुत ही सरल और लिबरल बनाया है और नियमित करने में लगने वाली राशि के तीन किस्तों में भुगतान का प्रावधान कर लोगों को राहत देने का काम किया है। इसके उद्देश्य को पूरा करना हम सबकी जवाबदेही है।

शहरीकरण व्यवस्थित ढंग से हो, इसके प्रति सरकार गंभीर

प्रधान सचिव सुनील कुमार ने कहा कि सरकार नगरीय क्षेत्रों के विकास को गंभीरता से ले रही है। शहर की सूरत बदल रही है। इंफ्रास्ट्रक्चर पर जोर दिया जा रहा है। रांची में ३ फ्लाइओवर बनकर तैयार हैं, सिरमटोली कनेक्टिंग फ्लाइओवर भी ऑनगोइंग है। अरगोड़ा, करमटोली और हरमू में ३ नए फ्लाइओवर की स्वीकृति मिल चुकी है। जमशेदपुर और धनबाद में भी फ्लाईओवर बन रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का निर्देश है कि शहरीकरण अव्यवस्थित ढंग से न हो। रोड, फुटपाथ, टाउनहॉल, नाली - सभी व्यवस्थित हों। शहरों में उन्नत बस स्टैंड हों। इस दिशा में काम जारी है। म्युनिसिपल के रेवन्यू बढ़ाने पर भी फोकस है। मानव संसाधन पर भी जोर दिया जा रहा है। टाउन प्लानर, इंजीनियर आदि की नियुक्ति सरकार ने की है। उन्होंने कहा कि भवन नियमितीकरण नियमावली २०२६ को हम योजना कह सकते हैं। इससे लोगों को एक बार मौका दिया जा रहा है कि वे अपने मकानों को नियमित करा सकेंगे। उन्होंने इसकी प्रक्रिया की जानकारी दी। कहा कि इसके शुभारंभ से लेकर २ माह के अंदर ऑनलाइन आवेदन करना है और ६ माह के अंदर नियमितीकरण का निर्णय लिया जा सकेगा। साथ ही ऋ+२ और ३०० वर्गफीट से कम में बने मकानों का ही नियमितीकरण होगा।

भवन नियमितीकरण योजना लोगों के लिए राहत

इस मौके पर सूरज कुमार, डायरेक्टर सूडा ने कहा कि किसी कारण से लोगों ने अपने मकान को बिना नक्शा पास कराए बना लिया है, ऐसे अनाधिकृत रूप से बने भवनों के नियमितीकरण का निर्णय सरकार ने लिया है, ताकि झारखंड के नागरिकों को राहत पहुंचाई जा सके। इसका लाभ लेने के लिए पोर्टल का शुभारंभ हो गया है। इस पोर्टल में जाकर ऑनलाइन आवेदन करें। आवेदन के लिए २ माह का समय है। राशि का भुगतान भी किस्तों में कर सकेंगे। सरकार ने लोगों को राहत देने के उद्देश्य से ऐसा प्रावधान किया है। इस अवसर पर पोर्टल पर किस प्रकार आवेदन करना है, इसका लाइव डेमोंस्ट्रेशन निदेशक सूडा सूरज कुमार ने मंत्री जी के समक्ष दिया।

एमडी पद से हटाए गए शशि प्रकाश झा

रांची (एजेंसी): स्वास्थ्य चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग ने शशि प्रकाश झा को झारखंड मेडिकल एंड हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट एंड प्रोक्योरमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड के एमडी पद से हटा दिया है। अब उन्हें अपने कार्यों के अलावा निदेशक आयुष का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। जेएमएचआईडीपीसीएल के एमडी का अतिरिक्त प्रभार विभाग में पदस्थापित अपर सचिव विद्यानंद शर्मा पंकज को दिया गया है। वर्तमान में सीमा कुमारी उदयपुरी निदेशक आयुष के अतिरिक्त प्रभार में थीं। विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह के आदेश पर संयुक्त सचिव ललित मोहन शुक्ला ने इस संबंध में १४ मई को आदेश जारी कर दिया है। जानकारी के अनुसार जेएमएचआईडीपीसीएल में कतिपय अनियमितताओं और टेंडर ठेकों को लेकर शिकायतें मिल रही थी। एजी ने भी अपने ऑडिट में कई बिंदुओं पर आपत्ति की है। हालांकि विभाग के जानकार इसे एकतरफा कार्रवाई बता रहे हैं।

चीन में इतिहास रचकर लौटीं आदिवासी बेटी दिव्यानी लिंडा, एयरपोर्ट पर हुआ भव्य स्वागत

रांची (एजेंसी): झारखंड की राजधानी रांची की प्रतिभाशाली फुटबॉल खिलाड़ी दिव्यानी लिंडा एशिया कप में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व कर चीन से लौटने के बाद आज रांची पहुंचीं। रांची एयरपोर्ट पर उनका भव्य एवं ऐतिहासिक स्वागत किया गया। स्टार वॉरियर्स फुटबॉल क्लब के दर्जनों बच्चे हाथों में तिरंगा लेकर एयरपोर्ट पहुंचे थे। पूरे एयरपोर्ट परिसर में दिव्यानी लिंडा जिंदाबाद और भारत माता की जय के नारों से माहौल गूंज उठा। बच्चों, खेल प्रेमियों और ग्रामीणों ने फूल-माला पहनाकर तथा तालियों की गड़गड़ाहट के साथ उनका स्वागत किया। दिव्यानी लिंडा रांची की इकलौती महिला खिलाड़ी हैं जिन्होंने एशिया कप में खेलकर पूरे झारखंड और देश का नाम रोशन किया है।

पृष्ठ एक का शेषांश

झारखंड में 20 जून से----

देशभर में ३६ करोड़ से अधिक मतदाता होंगे शामिल

एसआईआर फेज-।।। के तहत देशभर में लगभग ३६.७३ करोड़ मतदाताओं का सत्यापन किया जाएगा। इसके लिए ३.९४ लाख से अधिक बीएलओ और ३.४२ लाख बीएलए की तैनाती की जाएगी। निर्वाचन आयोग ने राजनीतिक दलों से प्रत्येक मतदान केंद्र पर बीएलए नियुक्त करने की अपील की है, ताकि प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और निष्पक्ष बनाया जा सके। निर्वाचन आयोग ने बताया कि हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में अभी एसआईआर कार्यक्रम लागू नहीं किया गया है। इन क्षेत्रों में मौसम और जनगणना के दूसरे चरण को ध्यान में रखते हुए बाद में कार्यक्रम घोषित किया जाएगा। आयोग का कहना है कि पहले दो चरणों में १३ राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में करीब ५९ करोड़ मतदाताओं का पुनरीक्षण सफलतापूर्वक पूरा किया जा चुका है।

बंगाल में पशु वध---

बंगाल पशु वध नियंत्रण अधिनियम, १९५० का उल्लंघन गंभीर अपराध माना जाएगा, जिस पर छह महीने तक की जेल, १,००० रुपये तक का जुर्माना या दोनों हो सकते हैं। यदि किसी व्यक्ति को फिटनेस सर्टिफिकेट देने से मना किया जाता है, तब वह इस निर्णय के विरुद्ध १५ दिनों के भीतर राज्य सरकार के पास अपील कर सकता है। बात दें कि ममता बनर्जी के १५ साल के शासन को समाप्त करने के बाद सत्ता में आई शुभेंदु अधिकारी सरकार ने प्रशासनिक स्तर पर निर्णयों की झड़ी लगा दी है। हालिया विधानसभा चुनावों में भाजपा ने २९४ सदस्यीय विधानसभा में २०६ सीटें जीतकर निर्णायक जनादेश पाया है, जो पिछले चुनाव की ७७ सीटों के मुकाबले एक बड़ी छलांग है। तृणमूल कांग्रेस ८० सीटों पर सिमटकर दूसरे स्थान पर रही है। ये कड़े नियम नई सरकार की नीतिगत प्राथमिकताओं का संकेत देते हैं।

नीट पेपर लीक---

गिरफ्तार किए गए आरोपियों में नासिक से शुभम खैरनार, जयपुर से मांगीलाल बिवाल, विकास बिवाल और दिनेश बिवाल तथा गुरुग्राम से यश यादव शामिल हैं। एजेंसी का दावा है कि यह पूरा नेटवर्क संगठित तरीके से काम कर रहा था और परीक्षा से पहले प्रश्नपत्र लीक कराने के लिए कई राज्यों में संपर्क बनाए गए थे। सीबीआई ने इस मामले में १२ मई को केस दर्ज किया था। यह मामला शिक्षा मंत्रालय के उच्च शिक्षा विभाग से मिली शिकायत के आधार पर दर्ज किया गया। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि छएएढ-णत्र् परीक्षा शुरू होने से पहले ही प्रश्नपत्र कुछ लोगों तक पहुंच चुका था, जिसके बाद परीक्षा की निष्पक्षता पर सवाल उठने लगे। गुरुवार को दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में पहले गिरफ्तार किए गए पांच आरोपियों को पेश किया गया। अदालत ने सभी आरोपियों को सात दिन की सीबीआई हिरासत में भेज दिया। जांच एजेंसी ने कोर्ट में कहा कि मामले की तह तक पहुंचने और पूरे नेटवर्क का खुलासा करने के लिए आरोपियों से विस्तृत पूछताछ जरूरी है। गौरतलब है कि ३ मई को आयोजित छएएढ-णत्र् २०२६ परीक्षा में देशभर से २३ लाख से अधिक छात्रों ने हिस्सा लिया था। परीक्षा के बाद पेपर लीक की खबर सामने आने पर १२ मई को परीक्षा आयोजित करने वाली नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने परीक्षा रद्द करने का फैसला लिया। इस फैसले के बाद छात्रों और अभिभावकों में भारी नाराजगी देखने को मिली और देश के कई शहरों में विरोध प्रदर्शन हुए।

भारत ने चीनी के---

प्रतिबंधित से निषिद्ध कर दिया है। हालांकि, यह आदेश क्रमशः सीएक्सएल और शुल्क दर कोटा (टीआरक्यू) व्यवस्था के तहत यूरोपीय संघ और अमेरिका को निर्यात की जाने वाली चीनी पर लागू नहीं होगा। इन व्यवस्थाओं के तहत निर्यातकों को निर्धारित मात्रा में चीनी को इन गंतव्यों पर काफी कम या शून्य सीमा शुल्क पर भेजने की अनुमति मिलती है। विदेश व्यापार महानिदेशालय का यह आदेश अग्रिम प्राधिकरण योजना, सरकार-से-सरकार निर्यात और उन खेपों पर लागू नहीं होगा जो पहले से भौतिक निर्यात प्रक्रिया में हैं। चीनी विपणन वर्ष २०२५-२६ (अक्टूबर से सितंबर) के लिए खाद्य मंत्रालय ने शुरुआत में १५ लाख टन निर्यात की अनुमति दी थी। फिर ५,००,००० टन का अतिरिक्त कोटा खोला गया जिसमें से केवल ८७,५८७ टन को मंजूरी दी है। इस प्रकार कुल मिलाकर लगभग १६ लाख टन चीनी निर्यात की अनुमति दी गई। खाद्य मंत्रालय और चीनी मिलों को उम्मीद थी कि समूचे २०२५-२६ विपणन वर्ष में ७.५-८ लाख टन का निर्यात होगा।

चार दिन काम---

जा रहा है कि ये बदलाव देश की रोजगार व्यवस्था की तस्वीर बदल सकते हैं।

अब आसमान में---

२०२८ में पहली परीक्षण उड़ान हो सके। विशेषज्ञों का मानना है कि इस परियोजना के सफल होने पर भारत उन चुनिंदा देशों की श्रेणी में मजबूती से खड़ा होगा, जिनके पास अपनी स्वदेशी पांचवीं पीढ़ी की स्टील्थ युद्धक विमान तकनीक है। इस परियोजना से क्षेत्र में ७५०० से अधिक रोजगार के अवसर पैदा होंगे और रायलसीमा क्षेत्र देश के सबसे बड़े रक्षा निर्माण केंद्र के रूप में उभर सकता है।

अदालत पहुंची ममता---

धमकियां दी गई हैं। उन्होंने कलकत्ता हाईकोर्ट से तत्काल बंगाल के लोगों को सुरक्षा प्रदान करने की गुहार लगाई, क्योंकि अपराधी कानून को अपने हाथ में ले रहे हैं। अपनी दलीलों के दौरान, ममता ने राज्य प्रशासन और पुलिस की निष्क्रियता पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि पुलिस के सामने दुकानें और घर तोड़े जा रहे हैं, और मछली बाजारों को भी निशाना बनाया गया था। उन्होंने विनम्र निवेदन किया कि बंगाल के लोगों की रक्षा की जाए। फरार पार्टी कार्यकर्ताओं का विवरण देकर उन्होंने कहा कि बंगाल कोई ऐसा राज्य नहीं है, जहां बुलडोजर चलाया जा सके। हम लोगों ने प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र में तोड़फोड़ की गई दुकानों और घरों का विवरण दिया है। पूर्व सीएम ममता ने कहा कि अनाधिकृत संरचना को ध्वस्त करते वक्त भी व्यक्तियों को अपनी बात रखने का अधिकार है। उन्होंने सवाल उठाया कि अपराधी कानून को अपने हाथ में ले रहे हैं, तब पुलिस को अपराध रोकना चाहिए, न कि घटना घटने के बाद जांच करनी चाहिए? उन्होंने कहा कि पुलिस का कोई अस्तित्व ही नहीं है। दरअसल, हाल ही में संपन्न हुए विधानसभा चुनाव के बाद पूरे राज्य में हिंसा की खबरें सामने आई थीं, जिसके बाद टीएमसी नेता कल्याण बनर्जी के बेटे शीर्षान्य बंदोपाध्याय ने कलकत्ता हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर की थी। इस याचिका में पार्टी कार्यालयों, कार्यकर्ताओं पर हमलों और उनके विस्थापन का आरोप लगाया गया है। ममता ने मुख्य न्यायाधीश एचसी सुजॉय पॉल की अध्यक्षता वाली डिवीजन बेंच के समक्ष अपनी दलीलें पेश कीं। वहीं, जैसे ही ममता अपनी दलीलें पूरी कर कोर्ट रूम से बाहर निकलीं, वहां मौजूद लोगों ने उनके खिलाफ चोर-चोर के नारे लगाने शुरू कर दिए, जिससे माहौल तनावपूर्ण हो गया।

ओलावृष्टि और बेमौसम बारिश से फसलों को नुकसान, मंत्री ने 3 दिन में मांगी रिपोर्ट

रांची (एजेंसी): झारखंड में बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि से किसानों को भारी नुकसान झेलना पड़ा है। राज्य के कई जिलों में आम, लीची, तरबूज, खरबूज, मक्का, दलहन और सब्जियों की फसलें प्रभावित हुई हैं। खेतों में तैयार खड़ी फसलें और फलदार पेड़ों को भी क्षति पहुंची है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए राज्य के आपदा प्रबंधन एवं स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने सभी उपायुक्तों को सख्त निर्देश जारी किए हैं। वहीं तीन दिनों में रिपोर्ट मांगी गई है।

मंत्री ने विभाग की सचिव विप्रा भाल के साथ उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक कर राज्य में संभावित प्राकृतिक आपदाओं को लेकर तैयारियों की जानकारी ली। उन्होंने सभी जिलों के उपायुक्तों को निर्देश दिया कि प्रभावित क्षेत्रों का स्थल निरीक्षण कर तीन दिनों के भीतर विस्तृत क्षति रिपोर्ट सरकार को सौंपे ताकि प्रभावित किसानों को जल्द राहत राशि उपलब्ध कराई जा सके।

डॉ. इरफान अंसारी ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में राज्य सरकार किसानों और आपदा प्रभावित परिवारों के साथ मजबूती से खड़ी है। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रभावित किसान या पीड़ित परिवार को अकेला नहीं छोड़ा जाएगा और जरूरत पड़ने पर अतिरिक्त सहायता भी उपलब्ध कराई जाएगी। राज्य सरकार ने आपदा राहत एवं प्रबंधन कार्यों को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए १०० करोड़ रुपये आपदा कोष में आवंटित करने की घोषणा की है। यह राशि वित्तीय वर्ष २०२६-२७ में अतिवृष्टि, सर्पदंश, सड़क दुर्घटना, गैस रिसाव, डूबने, आंधी-तूफान और ग्रीष्म लहर जैसी आपदाओं से प्रभावित परिवारों को राहत पहुंचाने में उपयोग की जाएगी।

इसके अलावा प्राकृतिक आपदा प्रबंधन और आकस्मिक योजनाओं के संचालन के लिए १५० करोड़ रुपये की अतिरिक्त राशि भी निर्धारित की गई है। मंत्री ने सभी उपायुक्तों को निर्देश दिया कि संवेदनशील क्षेत्रों की लगातार निगरानी की जाए और किसी भी आपात स्थिति में प्रशासनिक टीम तत्काल सक्रिय हो। उन्होंने चेतावनी दी कि राहत और बचाव कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

'क्लैप' को लेकर मेयर ने स्टेक होल्डर्स के साथ की बैठक

रांची (एजेंसी): रांची नगर निगम द्वारा शहर में आजीविका संवर्धन और आधारभूत सुविधाओं को मजबूत करने की दिशा में गुरुवार को महत्वपूर्ण पहल की गई। नगर निगम स्थित मेयर आफिस में रोशनी खलखो की अध्यक्षता में सिटी लाइवलीहुड एक्शन प्लान (क्लैप) के तहत फोकस ग्रुप डिस्कशन के लिए स्टेकहोल्डर्स की बैठक हुई। जिसमें डिप्टी मेयर, पार्षद, निगम के अधिकारी, एनआईटी कालीकट के प्रतिनिधि, महिला स्वयं सहायता समूह, सामुदायिक संसाधन सेविका तथा असंगठित क्षेत्र के श्रमिक शामिल हुए।

बैठक में मेयर ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि शहर के स्लम एरिया और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों की पहचान कर उनके जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए योजनाएं तैयार की जाएं। उन्होंने कहा कि वार्ड पार्षदों के सहयोग से ऐसे लोगों का डाटा तैयार किया जाए, ताकि उन्हें सरकारी कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ा जा सके। साथ ही भविष्य की योजनाओं में उनके समेकित विकास के लिए आवश्यक सुझावों पर भी रिपोर्ट तैयार करने को कहा गया।

मेयर ने शहर की विकास योजनाओं के तहत कई परियोजनाओं का शिलान्यास भी किया। कांके विधायक सुरेश कुमार बैठा की उपस्थिति में वार्ड संख्या ७ के गाड़ीगांव में पीसी-सी पथ निर्माण तथा वार्ड संख्या ८ के महावीर नगर में आरसीसी एवं पुलिया निर्माण कार्य की आधारशिला रखी। मौके पर स्थानीय जनप्रतिनिधियों और नागरिकों की भी उपस्थिति रही।

उत्पाद सिपाही पेपर लीक मामले का आरोपी उत्तम कुमार पहुंचा कोर्ट, किया सरेंडर

रांची (एजेंसी): इसके बाद कोर्ट ने उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। मिली खबरों में बताया गया है कि उत्तम कुमार ने रांची सिविल कोर्ट के अपर न्याययुक्त योगेश कुमार के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया है। गौरतलब है कि उत्तम कुमार को हाल ही में बीएड परीक्षा में शामिल होने के लिए कोर्ट से प्रोविजनल बेल मिली थी। इसी के तहत वह नालंदा स्थित पाटलीपुत्र यूनिवर्सिटी में परीक्षा देने गया था। परीक्षा के बाद उसने कोर्ट में पहुंचकर आत्मसमर्पण कर दिया।

बता दें कि पेपर लीक मामले में इसी साल ११ अप्रैल को तमाड़ पुलिस ने बड़ा एक्शन लेते हुए १६६ आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया था। यह एक्शन तमाड़ के रड़गांव इलाके में लिया गया था, जहां से अंतरराज्यीय पेपर लीक और सॉल्वर गिरोह से जुड़े पांच एजेंटों को भी पुलिस ने अरेस्ट किया था। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, अरेस्ट किए गए अधिकांश लोग परीक्षा अभ्यर्थी थे, जबकि कुछ आरोपी संगठित गिरोह से संबंध रखने वाले थे।

झारखंड ट्रेजरी फर्जी निकासी मामले में ईडी की एंट्री रांची-हजारीबाग-बोकारो केस में ईसीआईआर दर्ज

रांची (एजेंसी): झारखंड में वेतन मद में ट्रेजरी से हुई फर्जी निकासी के मामले में अब ईडी की भी एंट्री हो गई है। एजेंसी ने मामले में ईसीआईआर दर्ज कर ली है। इस जांच में रांची, हजारीबाग और बोकारो ट्रेजरी से कथित फर्जी निकासी से जुड़ी प्राथमिकी को शामिल किया गया है। माना जा रहा है कि इससे उन अधिकारियों की मुश्किलें बढ़ सकती हैं, जिन पर नियमों के विपरीत भुगतान लेने या राशि लौटाने के आरोप हैं। मामले का खुलासा तब हुआ जब प्रधान महालेखाकार चंद्र मौली सिंह ने ट्रेजरी जांच के दौरान पुलिस विभाग में वेतन मद में संदिग्ध निकासी की जानकारी वित्त विभाग को भेजी। शुरुआती रिपोर्ट में बोकारो और हजारीबाग ट्रेजरी से फर्जी भुगतान की बात सामने आई थी। इसके बाद राज्य सरकार ने जिला स्तर पर जांच कराने का निर्देश दिया। राज्य के पांच जिलों बोकारो, हजारीबाग, रामगढ़, रांची, देवघर और चाईबासा में हुए ट्रेजरी घोटाले में अब तक लगभग ४० करोड़ रुपए के फर्जी निकासी की बात सामने आयी है।

उच्चस्तरीय समिति कर रही जांच

मामले की गंभीरता को देखते हुए सरकार ने उत्पाद विभाग के प्रधान सचिव अमिताभ कौशल की अध्यक्षता में एक उच्चस्तरीय समिति का गठन किया। समिति फिलहाल बोकारो ट्रेजरी से जुड़े दस्तावेजों की जांच कर रही है। हालांकि, सरकार ने शुरुआती स्तर पर केवल दो जिलों में हुई निकासी की जांच का दायरा तय किया था।

१२ ट्रेजरी तक पहुंची जांच, अन्य विभाग भी रडार पर

इस बीच प्रधान महालेखाकार ने सरकार को दूसरी रिपोर्ट भेजकर राज्य की कुल १२ ट्रेजरी में वेतन मद से संदिग्ध निकासी की जानकारी दी है। साथ ही स्वास्थ्य और शिक्षा विभाग में भी फर्जी भुगतान की आशंका जताई गई है। इसके आधार पर वित्त विभाग ने संबंधित जिलों को जांच के आदेश जारी किए हैं।राज्य सरकार ने दर्ज प्राथमिकी की जांच के लिए विशेष जांच दल का गठन किया है। अब तक इस मामले में १२ लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है। रांची में दर्ज केस के तहत पशुपालन विभाग के लेखपाल मुनिंद्र कुमार और उसके करीबी संजीव कुमार को जेल भेजा गया है। जांच में सामने आया है कि मुनिंद्र कुमार ने कथित रूप से २०-२० लाख रुपये मूल वेतन दिखाकर फर्जी निकासी की।

हजारीबाग, बोकारो और देवघर में भी गिरफ्तारी

हजारीबाग में वेतन मद से फर्जी निकासी मामले में सौरभ सिंह, रजनीश कुमार सिंह, शंभु कुमार, काजल कुमारी, खुशबू सिंह और धीरेंद्र सिंह को गिरफ्तार किया गया है। वहीं बोकारो ट्रेजरी मामले में कौशल पांडेय, सतीश कुमार सिंह और काजल मंडल को जेल भेजा गया। देवघर ट्रेजरी से स्वास्थ्य कर्मियों के नाम पर कथित फर्जी निकासी के आरोप में सबिता कुमारी की गिरफ्तारी भी हो चुकी है।

गर्मियों में शिशुओं की सेहत का रखें ख्याल, खिलाएं ये खाना

गर्मियों का मौसम में बच्चों की सेहत का ध्यान रखना बेहद जरूरी होता है, खास कर छोटे बच्चों का। ऐसे में पेरेंट्स अक्सर सोचते है कि बच्चों का ध्यान कैसे रखा जाए, उन्हें गर्मियों में खाने के लिए क्या दिया जाएं। जिससे बच्चों का शरीर स्वस्थ और हाइड्रेटिड रहे। गर्मियों में शिशुओं (0-1 साल) का आहार हल्का, पौष्टिक और शरीर को ठंडक देने वाला होना चाहिए। लेकिन क्या खिलाना है, यह बच्चे की उम्र (6 महीने से कम या ज्यादा) पर निर्भर करता है। वलिए एक्सपर्ट से जानते हैं कि बच्चों को गर्मी में क्या खिलाना चाहिए?

छोटे बच्चों को गर्मियों में कैसा खाना खिलाए?

गर्मियों में शिशुओं को हल्का, पौष्टिक और शरीर को ठंडक देने वाला आहार खिलाना चाहिए। एक्सपर्ट के अनुसार, गर्मी के मौसम में बच्चों को ठंडा और हाइड्रेटेड रखने के लिए हल्के, आसानी से पचने वाले और पानी से भरपूर खाने की जरूरत होती है। बच्चों को भारी खाना नहीं खिलाना चाहिए, उन्हें हल्का और जल्दी पचने वाला खाना खिलाना चाहिए।

6 महीने से कम उम्र के बच्चों को क्या दें?

एक्सपर्ट के मुताबिक, 6 महीने से कम उम्र के बच्चों के लिए तो मां का दूध ही काफी होता है। क्योंकि इसमें पहले से ही सही मात्रा में पानी और पोषक तत्व होते हैं। जब तक डॉक्टर शिशु को पानी पिलाने की सलाह न दे, उन्हें पीने के लिए पानी भी नहीं देना चाहिए।

6 महीने से ज्यादा के बच्चों को क्या खिलाना चाहिए?

जब बच्चा 6 महीने से ज्यादा का हो जाए तो आप धीरे-धीरे ठोस आहार शुरू कर सकते हैं। एक्सपर्ट के मुताबिक, चावल का पानी, मूंग दाल की पतली खिचड़ी, दलिया (हल्का और पतला), फल (अच्छी तरह मैश करके), केला, सेब (उबालकर या स्टीम करके), पपीता, तरबूज (बीज निकालकर, कम मात्रा में) आप बच्चों को ये आहार दे सकते है।

बच्चों को सब्जियां खिलाएं

बच्चों को उबली और मैश की हुई सब्जियां खिलानी चाहिए। जैसे, गाजर, लौकी, कद्दू, आलू।

बच्चों को गर्मी से बचाने के लिए ये भी दें

बच्चों को गर्मी में उबला और ठंडा किया हुआ पानी (6 महीने बाद), घर का बना छाछ (बहुत पतला, थोड़ा सा), नारियल पानी (कम मात्रा में, डॉक्टर की सलाह से) दें।

बिना छिलके महीनों ताजी रहेगी अदरक, बस इस तरह से करें स्टोर

अदरक का इस्तेमाल खाने का स्वाद बढ़ाने के लिए किया जाता है। सर्दियों में तो कड़क सी अदरक की चाय के बिना नींद ही नहीं खुलती है। ये ही वजह है कि लोगों के घर में अदरक भारी मात्रा में मिलेगी। लेकिन कभी- कभार ज्यादा मात्रा में पड़ी अदरक फ्रिज में भी सूखने लगती है। अगर आप चाहते हैं कि ऐसा ना हो और अदरक लंबे समय तक फ्रेश रहे तो आप उन्हें इन ट्रिक्स का इस्तेमाल कर सकते हैं...

मार्केट से न खरीदें गीला अदरक

अगर आप एक साथ ज्यादा अदरक को घर में स्टोर करने की सोच रहे हैं तो अदरक खरीदते समय इस बात का खास ध्यान रखें कि वो गीली न हो। अदरक एकदम सूखा और साफ सुथरा वाला ही ज्यादा समय तक सुरक्षित रह पाता है। गीला अदरक जल्दी खराब हो जाएगा और सड़ने लगेगा।

एयर टाइट बैग का करें इस्तेमाल

इसके अलावा एयर टाइट बैग में बिना छिले हुए अदरक रखें और उसे फ्रिज में रख दें। एयरटाइट बैग के चलते अदरक पर ऑक्सीजन नहीं पहुंचता है और ये लंबे समय तक फ्रेश रहेंगे।

दूसरी सब्जियों के साथ मिक्स न करें

इसके अलावा अदरक को कभी भी दूसरी सब्जियों के साथ मिक्स न करें। ऐसे कई लोग होते हैं जो आलू- प्याज आदि सब्जियों के साथ अदरक को मिक्स करके रख देते हैं, जिसकी वजह से अदरक खराब हो जाता है। अन्य सब्जियों के साथ रखने पर अदरक की महक भी बदल जाती है।

दूध नहीं पीते तो भी नहीं होगी कैल्शियम की कमी

शरीर को स्वस्थ और मजबूत बनाए रखने के लिए कैल्शियम बेहद जरूरी पोषक तत्व माना जाता है। खासकर हड्डियों और दांतों की मजबूती के लिए इसकी अहम भूमिका होती है। इसके अलावा कैल्शियम मांसपेशियों, नसों और दिल की कार्यप्रणाली को सही बनाए रखने में भी मदद करता है। अक्सर लोगों को लगता है कि कैल्शियम का सबसे बड़ा स्रोत सिर्फ दूध है, लेकिन ऐसा बिल्कुल नहीं है। कई ऐसे खाद्य पदार्थ भी हैं जिनमें दूध से भी ज्यादा कैल्शियम पाया जाता है। अगर आप दूध पीना पसंद नहीं करते या किसी कारण से दूध नहीं पी पाते तो इन चीजों को अपनी डाइट में शामिल करके शरीर की कैल्शियम जरूरत को पूरा कर सकते हैं।

मोजरेला चीज स्वाद के साथ भरपूर कैल्शियम

सॉफ्ट इटालियन मोजरेला चीज कैल्शियम का अच्छा स्रोत माना जाता है। एक कप मोजरेला चीज से शरीर को लगभग 1.7 ग्राम तक कैल्शियम मिल सकता है। यह न सिर्फ हड्डियों को मजबूत बनाने में मदद करता है, बल्कि शरीर को प्रोटीन भी देता है। हालांकि इसे सीमित मात्रा में खाना बेहतर माना जाता है क्योंकि इसमें फैट की मात्रा भी अधिक हो सकती है।

टोफू दूध से भी ज्यादा कैल्शियम

सोया से तैयार होने वाला टोफू सेहत के लिए बेहद फायदेमंद माना जाता है। खासतौर पर शाकाहारी लोगों के लिए यह प्रोटीन और कैल्शियम का बेहतरीन विकल्प है। विशेषज्ञों के अनुसार, एक कप टोफू में एक गिलास दूध से ज्यादा कैल्शियम पाया जाता है। इसे सलाद, सब्जी या स्नैक्स के रूप में आसानी से खाया जा सकता है।

चिया सीड्स छोटे बीज, बड़े फायदे

चिया सीड्स पिछले कुछ समय में सुपरफूड के रूप में काफी लोकप्रिय हुए हैं। इनमें कैल्शियम के साथ-साथ फाइबर, ओमेगा-3 फैटी एसिड और एंटीऑक्सीडेंट्स भी भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। एक कप चिया सीड्स में लगभग 1.5 ग्राम तक कैल्शियम हो सकता है। अगर रोजाना सिर्फ एक चम्मच चिया सीड्स भी खाए जाएं, तो शरीर को अच्छी मात्रा में कैल्शियम मिल सकता है।

हरी पत्तेदार सब्जियां सेहत का खजाना

हरी पत्तेदार सब्जियां शरीर को कई जरूरी पोषक तत्व देती हैं और इनमें कैल्शियम भी अच्छी मात्रा में पाया जाता है। केल जैसी सब्जियों में कैल्शियम भरपूर होता है। एक कप केल में करीब 622 मिलीग्राम तक कैल्शियम पाया जाता है। वहीं, दो कप टर्निप ग्रीस से लगभग 394 मिलीग्राम कैल्शियम मिल सकता है। इन सब्जियों को नियमित डाइट में शामिल करने से हड्डियों को मजबूती मिलती है और शरीर को जरूरी विटामिन्स भी प्राप्त होते हैं।

सूखा अंजीर स्वाद और पोषण दोनों

सूखा अंजीर कैल्शियम का अच्छा स्रोत माना जाता है। इससे शरीर को लगभग 397 मिलीग्राम तक कैल्शियम मिल सकता है। इसके अलावा इसमें फाइबर, पोटैशियम और एंटीऑक्सीडेंट्स भी मौजूद होते हैं, जो पाचन और दिल की सेहत के लिए फायदेमंद माने जाते हैं। सुबह या शाम के समय सूखे अंजीर को स्नैक के तौर पर खाया जा सकता है।

दही स्वादिष्ट और हेल्दी स्रोत

दही को भी कैल्शियम का बेहतरीन स्रोत माना जाता है। एक कप दही से लगभग 311 मिलीग्राम तक कैल्शियम मिल सकता है, जो कई बार एक गिलास दूध से भी ज्यादा होता है। दही पाचन तंत्र के लिए भी फायदेमंद होता है क्योंकि इसमें अच्छे बैक्टीरिया पाए जाते हैं। गर्मियों में इसे डाइट में शामिल करना शरीर को ठंडक देने के साथ-साथ हड्डियों को मजबूत बनाने में भी मदद करता है।

कैल्शियम की कमी को नजरअंदाज न करें

शरीर में कैल्शियम की कमी होने पर हड्डियां कमजोर होने लगती हैं। इसके अलावा मांसपेशियों में दर्द, थकान और दांतों से जुड़ी समस्याएं भी हो सकती है। ऐसे में जरूरी है कि रोजाना की डाइट में कैल्शियम से भरपूर चीजों को शामिल किया जाए। अगर आप दूध नहीं पीते, तब भी सही खानपान अपनाकर शरीर की कैल्शियम जरूरत आसानी से पूरी की जा सकती है।

घंटों बैठकर काम करना बढ़ा सकता है शुगर का खतरा!

आज के समय में ज्यादातर लोग ऑफिस में लगातार 8 से 10 घंटे तक कुर्सी पर बैठकर काम करते हैं। कंप्यूटर और लैपटॉप के सामने लंबे समय तक बैठे रहना अब आम दिनचर्या बन चुकी है। लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि यही आदत धीरे-धीरे कई गंभीर बीमारियों को जन्म दे सकती है, जिनमें टाइप-2 डायबिटीज भी शामिल है। हाल ही में किए गए शोध में यह सामने आया है कि काम के दौरान बीच-बीच में खड़े होकर काम करना ब्लड शुगर को नियंत्रित रखने में मददगार साबित हो सकता है। यही वजह है कि अब 'स्टैंडिंग डेस्क' का इस्तेमाल तेजी से बढ़ रहा है।

लंबे समय तक बैठना क्यों है खतरनाक?

स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, लगातार बैठे रहने से शरीर की गतिविधियां कम हो जाती हैं। इसका सीधा असर मेटाबॉलिज्म और ब्लड शुगर पर पड़ता है। खासतौर पर उन लोगों के लिए यह ज्यादा जोखिम भरा माना जाता है, जो पहले से प्री-डायबिटिक हैं या डायबिटीज से जूझ रहे हैं। चेस्टर विश्वविद्यालय के शोध में बताया गया कि भोजन के बाद ब्लड शुगर तेजी से बढ़ना मधुमेह मरीजों के लिए बड़ी समस्या बनता है। ऐसे में अगर व्यक्ति खाने के बाद लगातार बैठा रहे तो स्थिति और खराब हो सकती है।

क्या होती है स्टैंडिंग डेस्क?

स्टैंडिंग डेस्क एक विशेष प्रकार की टेबल होती है, जिसे इस तरह डिजाइन किया जाता है कि व्यक्ति उस पर खड़े होकर आराम से काम कर सके। यह सामान्य डेस्क से थोड़ी ऊंची होती है। आजकल बाजार में एडजस्टेबल स्टैंडिंग डेस्क भी उपलब्ध हैं, जिन्हें जरूरत के अनुसार ऊपर-नीचे किया जा सकता है। यानी व्यक्ति चाहें तो बैठकर और चाहें तो खड़े होकर काम कर सकता है।

खड़े होकर काम करने से ब्लड शुगर में सुधार

विशेषज्ञों ने कई लोगों के स्वास्थ्य आंकड़ों का विश्लेषण किया। अध्ययन में पाया गया कि जिन लोगों ने दोपहर का भोजन करने के बाद करीब तीन घंटे तक खड़े होकर काम किया, उनके ब्लड शुगर लेवल में लगभग 43 प्रतिशत तक कमी दर्ज की गई। इसके मुकाबले जो लोग लंच के बाद लगातार कुर्सी पर बैठे रहे, उनमें ब्लड शुगर का स्तर अधिक पाया गया। इतना ही नहीं, जिन लोगों का शुगर लंबे समय से अनियंत्रित था, उन्होंने जब काम के दौरान बीच-बीच में खड़े रहना शुरू किया तो उनके स्वास्थ्य में भी सकारात्मक बदलाव देखने को मिले।

मूड और मानसिक स्वास्थ्य पर भी पड़ता है असर

विशेषज्ञों का कहना है कि दोपहर के समय महसूस होने वाली सुस्ती, थकान और चिड़चिड़ापन भी ब्लड शुगर से जुड़ा हो सकता है। जब शरीर लंबे समय तक निष्क्रिय रहता है तो ऊर्जा का स्तर प्रभावित होने लगता है। खड़े होकर काम करने से शरीर इंसुलिन का बेहतर तरीके से इस्तेमाल कर पाता है, जिससे ब्लड शुगर स्थिर रहती है। इसके अलावा, कम बैठने वाले लोगों में तनाव और घबराहट की समस्या भी कम देखी गई। उनका मूड बेहतर रहता है और काम में फोकस भी बढ़ता है।

गर्दन और पीठ दर्द में भी मिल सकती है राहत

अध्ययन में यह भी सामने आया कि लंबे समय तक बैठने के बजाय खड़े होकर काम करने वाले लोगों में गर्दन और पीठ के ऊपरी हिस्से के दर्द में करीब 54 प्रतिशत तक कमी देखी गई। लगातार एक ही मुद्रा में बैठकर काम करने से रीढ़ और मांसपेशियों पर दबाव बढ़ता है, जबकि खड़े रहने से शरीर की हलचल बनी रहती है और मांसपेशियों पर कम असर पड़ता है।

अपनाएं 50/50 नियम

विशेषज्ञों का सुझाव है कि पूरे दिन लगातार खड़े रहना भी सही नहीं है। इसके लिए 50/50 नियम अपनाना बेहतर माना जाता है। यानि हर 30 से 40 मिनट तक बैठकर काम करने के बाद 10 से 20 मिनट तक खड़े होकर काम करने की आदत डालनी चाहिए। इससे शरीर एक्टिव बना रहता है और लंबे समय तक बैठने के नुकसान कम हो सकते हैं।

सही पोश्चर रखना भी है जरूरी

अगर आप स्टैंडिंग डेस्क का इस्तेमाल कर रहे हैं तो शरीर की सही स्थिति का ध्यान रखना बेहद जरूरी है। कंप्यूटर स्क्रीन आंखों के बराबर ऊंचाई पर होनी चाहिए। कोहनियां लगभग 90 डिग्री के कोण पर रहें। पैरों पर ज्यादा दबाव न पड़े, इसके लिए आरामदायक जूते पहनना बेहतर होता है। विशेषज्ञ यह भी सलाह देते हैं कि एंटी-फटीग मैट यानी कुशन वाली चटाई का इस्तेमाल करने से पैरों और जोड़ों पर दबाव कम पड़ता है।

छोटी आदतें बचा सकती हैं बड़ी बीमारियों से

स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि रोजमर्रा की छोटी-छोटी आदतों में बदलाव करके डायबिटीज, मोटापा और शरीर दर्द जैसी समस्याओं से काफी हद तक बचाव किया जा सकता है।

ज्यादा देर सोने से घेर सकती हैं मोटापे से लेकर शुगर जैसी बड़ी परेशानियां

छुट्टी के दिन देर तक सोने का मन ज्यादातर हर व्यक्ति का करता है। लेकिन समस्या तब हो जाती है जब ऐसा करना आपकी आदत में शामिल हो जाए और धीरे-धीरे आपको स्वास्थ्य समस्याएं परेशान करने लगें। जी हां ज्यादा देर सोने से आपको मोटापे से लेकर शुगर जैसी बड़ी परेशानियां घेर सकती हैं। आइए जानते हैं ज्यादा देर सोने से होते हैं कौन से बड़े नुकसान।

डायबिटीज

ज्यादा देर सोने से व्यक्ति की फिजिकल एक्टिविटी ना के बराबर हो जाती है और उसका शुगर लेवल बढ़ने का खतरा बढ़ जाता है। जर्नल पीएलओएस में छपी एक रटडी के मुताबिक 9 घंटे से ज्यादा नींद लेने से व्यक्ति के शरीर में शुगर का खतरा बढ़ जाता है।

दिल के रोग

अमेरिकन एकेडमी ऑफ स्लीप मेडिसिन में छपी रटडी की माने तो अधिक नींद लेने से दिल की बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। इस रटडी के मुताबिक जो महिलाएं 9 से 11 घंटे की नींद लेती हैं उनमें दिल के रोग होने की संभावना 38 प्रतिशत तक बढ़ जाती है।

डिप्रेशन की संभावना

आपको जानकर हैरानी होगी कि जरूरत से ज्यादा सोना भी डिप्रेशन का कारण बन सकता है। हाल ही में पीएलओएस में छपी एक रटडी के मुताबिक ज्यादा सोना डिप्रेशन का कारण बन सकता है। इतना ही नहीं अधिक देर सोने से व्यक्ति के भीतर सुस्ती बनी रहती है और उसका मन रोजाना के काम में भी नहीं लगता है।

मोटापा

ज्यादा देर सोने की वजह से फिजिकल एक्टिविटी न के बराबर हो जाती है। व्यक्ति अधिकतर समय अपना खाकर, बैठकर या फिर सोकर गुजार देता है। जो आगे चलकर वजन और मोटापा बढ़ने का कारण बनता है। इतना ही नहीं इसकी वजह से पाचन क्रिया धीमी होने लगती है और व्यक्ति को कब्ज की समस्या भी परेशान करने लगती है।

सिर दर्द की समस्या से छुटकारा पाने के लिए शरीर को डिहाइड्रेट होने से बचाएं

अक्सर सिरदर्द की समस्या से कई लोग झूझते रहते है। ज्यादातर काम-काज का प्रेशर रहने से सिरदर्द जैसी परेशानी होती है तनाव, पर्याप्त नींद नहीं लेना, ज्यादा शोर, फोन पर ज्यादा देर बात करना, ज्यादा सोचना, थकावट, सिर में रक्तप्रवाह कम होना जैसे कई कारणों से अक्सर हम सिरदर्द जैसी परेशानी से झूझते है।

नियमित दो बार 10-20 मिनट ध्यान करने से शरीर व मन दोनों को आराम मिलता है। सिर में रक्तप्रवाह बढ़ता है। जिसके कारण आप सिरदर्द की परेशानी में राहत मिलती है। सिर दर्द की समस्या से छुटकारा पाने के लिए बेहतर होगा की आप शरीर को डिहाइड्रेट होने से बचाए जिससे बचने के लिए अच्छा होगा की आप पर्याप्त मात्रा में पानी पिए जिससे आप खुद को सिरदर्द की परेशानी से बचा सकते है। मसल्स और शरीर में खिंचाव रहने से भी सिर दर्द होता है ऐसे में बेहतर होगा की आप थोड़े-थोड़े अंतराल पर स्ट्रेचिंग करें ऐसा करना बेहतर होगा। इन उपायों को करके आप सिरदर्द की परेशानी में राहत पा सकते है। सिरदर्द की परेशानी से तुरत राहत पाने के लिए योग कारागार उपाय है। शरीर में ऑक्सीजन की कमी से भी आप सिरदर्द जैसी समस्या में आराम पा सकते है।

आपको बीमारियों का शिकार बना सकते हैं घर के बर्तन

भारत में हमेशा से ही जितना भोजन पर ध्यान दिया जाता है, उससे कहीं ज्यादा आप किस बर्तन में भोजन कर रहे हैं, इस पर ध्यान दिया जाता है। आज के समय में लोग ज्यादातर प्लास्टिक की डिजाइनर प्लेटों में ही भोजन करना पसंद करते हैं। यही नहीं, रेस्टोरेंट में भी देखा गया है कि स्टील की थाली और कटोरी कम ही उपयोग में लाई जाती हो। लेकिन यह सेहत के लिए कतई अच्छी नहीं है। बहुत कम लोग इस बात की जानकारी रखते हैं कि हर तरह के बर्तन के अपने ही गुण और अवगुण होते हैं। शायद आपने सुना भी होगा कि ताबे के गिलास में पानी पीना बहुत ज्यादा फायदेमंद होता है। लेकिन इनमें अगर प्लास्टिक के बर्तनों की बात करें, तो इनमें कोई गुण नहीं होता। बल्कि यह आपको हृदय रोग, डायबिटीज और कैंसर जैसी बीमारियों से संक्रमित कर सकती हैं। ऐसे में आपके लिए यह जानना बेहद जरूर है कि सेहतमंद रहने के लिए आपको किस चीज के बने हुए बर्तन में भोजन करना चाहिए। भारत के गरीब और मध्यवर्गीय घरों में सबसे ज्यादा स्टील के बर्तनों का ही उपयोग किया जाता है। ऐसा इसलिए क्योंकि यह बर्तन लंबे समय तक चलते हैं। जबकि बहुत कम लोग जानते हैं कि स्टील तेल और एसिड और ग्रीस पर रिएक्ट नहीं करता। यही नहीं स्टील के बर्तनों में आयरन मौजूद होता है जो आपके शरीर में रेड ब्लड सेल्स का निर्माण करने के लिए जाना जाता है। ऐसे में अगर किसी को एनीमिया की शिकायत है तो उसे स्टील की प्लेट में भोजन करने से लाभ हो सकता है। इसके अलावा स्टील के बर्तनों को रिसाइकिल करना भी बेहद आसान होता है। कुल मिलाकर स्टील एक टिकाऊ और स्वास्थ्य के लिए बेहद फायदेमंद बर्तन है जिसका उपयोग भोजन करने के लिए किया जा सकता है।

सिरेमिक के बर्तन होते हैं केमिकल फ्री

आज के समय में सिरेमिक के बर्तन सबसे ज्यादा चलन में हैं। यह बर्तन चीनी मिट्टी के नाम से भी जाने जाते हैं। चीनी मिट्टी के बर्तनों को तैयार करने के लिए, मिट्टी को अधिक तापमान पर गर्म किया जाता है। बहुत से लोगों ने सिरेमिक के बर्तनों के अंदर भोजन पकाना भी शुरू कर दिया है। आप भी इन बर्तनों का उपयोग कर सकते हैं। यह आपके भोजन को लंबे समय तक स्वस्थ रखते हैं क्योंकि इनमें किसी तरह का कोई भी रसायन मौजूद नहीं होता।

आयुर्वेद देता है चांदी में भोजन करने की सलाह

चांदी का उपयोग यूं तो लोग आमतौर पर गहनों के तौर पर करते हैं। लेकिन आयुर्वेद लंबे समय से चांदी के बर्तनों में भोजन करने की पैरवी करता आ रहा है। आयुर्वेद के मुताबिक चांदी के बर्तनों में ऐसे गुण होते हैं, जो आपको बदलते मौसम के साथ होने वाली बीमारियों से बचाता है। कुल मिलाकर अगर आप चांदी के बर्तन में भोजन करते हैं या पानी पीते हैं, तो यह आपको पूरी तरह स्वस्थ रखता है।

क्या आप अपने घर में प्लास्टिक के प्लेट या बर्तनों में भोजन करते हैं, अगर हां तो जल्दी ही आप डायबिटीज और हृदय रोगों का शिकार हो जाएंगे। यकीन नहीं आता है तो यहां पढ़ें कैसे घर के बर्तन आपको इन बीमारियों का शिकार बना सकते हैं।

चांदी के बर्तन में खाना खाने के फायदे

- चांदी के बर्तनों में अर्क होता है जो आपके मस्तिष्क की शक्ति में बढ़ोतरी करता है।
- अगर नन्हे शिशुओं को चांदी के बर्तन में दूध पिलाया जाए तो अधिक स्वस्थ रहते हैं।
- चांदी के गिलास में पानी पीना भी बहुत फायदेमंद माना जाता है। दरअसल चांदी के अंदर ऐसे तत्व पाए जाते हैं जो पानी के अंदर मौजूद किसी भी तरह की अशुद्धियों से लड़ने का कार्य करते हैं।

मेटाबॉलिज्म तेज करता है तांबे का बर्तन

तांबे के बर्तनों का उपयोग पहले के समय में बहुत अधिक किया जाता था। बताया जाता है कि तांबे का संबंध सूर्य और आग से होता है। तांबे की थाली में भोजन करने से अग्नि में वृद्धि होती है। जिसके कारण आपका मेटाबॉलिज्म तेज होता है इसके अलावा भी तांबे की थाली या बर्तन में भोजन करने के कई फायदे हैं जो कुछ इस प्रकार हैं।

तांबे के बर्तन में खाने के फायदे

- वजन घटाने में
- बॉडी को डिटॉक्सिफाई करने में
- हीमोग्लोबिन बढ़ाने में
- पाचन शक्ति बढ़ाने में
- हृदय रोग से बचाने में
- ब्लड प्रेशर को संतुलित करें
- स्किन को बेहतर करें और बढ़ती उम्र के असर को कम करें
- जोड़ों के दर्द और मस्कुलर दर्द से राहत

याददाश्त तेज करता है सोने का बर्तन

सोने का उपयोग आज भारतीय महिलाएं गहनों के तौर पर ही करती हैं। लेकिन एक समय ऐसा भी था जब लोग सोने के बर्तनों में ही खाना खाया करते थे। वहीं कुछ लोग ऐसे भी हैं जो आज भी सोने के बर्तनों में ही भोजन करना पसंद करते हैं। आपको बता दें कि सोने के बर्तन में भोजन करने से आपकी याददाश्त तेज होती है। ऐसे में सोने के बर्तन का उपयोग अल्जाइमर की बीमारी में भी फायदेमंद होता है। यही नहीं आयुर्वेद के अनुसार सोने के बर्तनों में भोजन करने से वात पित्त और कफ दोषों को भी संतुलित किया जा सकता है।

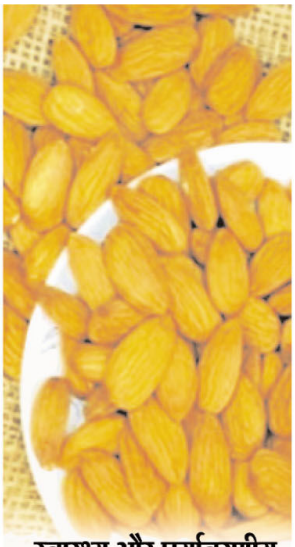

स्वास्थ्य और पर्यावरणीय कारणों से अधिक लोकप्रिय हो रहे हैं पौधों पर आधारित आहार

पौधों पर आधारित आहार स्वास्थ्य और पर्यावरणीय कारणों से अधिक लोकप्रिय हो रहे हैं, क्योंकि इनमें पशु कल्याण शामिल है। जो लोग इस आहार का पालन करते हैं, वे अक्सर पर्याप्त प्रोटीन प्राप्त करने की चिंता करते हैं, खासकर क्योंकि कई प्रकार के मांस और डेयरी उत्पाद हैं जो प्रोटीन में उच्च होते हैं। दाल, बादाम, और बाजरा सभी पौधों के प्रोटीन में उच्च होते हैं और स्वस्थ, संतुलित आहार के हिस्से के रूप में नियमित रूप से खाए जा सकते हैं। उदाहरण के लिए, बादाम न केवल पोषण में उच्च होते हैं, बल्कि विभिन्न प्रकार के व्यंजनों में एक अनूठी बनावट भी जोड़ते हैं, चाहे वह मीठा हो या नमकीन। ये पौधे आधारित प्रोटीन का एक बड़ा स्रोत हैं और बादाम दूध, बादाम का आटा, कच्चा, भुना हुआ, हल्का नमकीन, आदि सहित विभिन्न तरीकों से खाया जा सकता है।

यह एक मिथक है कि पौधे आधारित आहार में पर्याप्त प्रोटीन नहीं होता है। दिलचस्प बात यह है कि मैंने सुना है कि 100 ग्राम बादाम में लगभग 21 ग्राम प्रोटीन होता है। और विटामिन ई, मैग्नीशियम, प्रोटीन, राइबोफ्लेविन और जिंक जैसे 15 से अधिक पोषक तत्वों से भी भरपूर हैं। मैं लंबे समय में विश्वास करता हूं, संतुलित आहार खाना अच्छे स्वास्थ्य की कुंजी है और मैं हमेशा स्वस्थ पौधे-आधारित प्रोटीन शामिल करता हूं जैसे कि बादाम, छोले और टोफू को अपने भोजन में अधिक पौष्टिक और स्वस्थ बनाने के लिए।

न्यूट्रिशन एंड वेलनेस कंसल्टेंट शीला कृष्णा ने कहा, प्रोटीन ऊतकों, मांसपेशियों, हार्मोन और एंजाइम के निर्माण के लिए और शरीर में कोशिकाओं और ऊतकों की मरम्मत के लिए भी आवश्यक है। एक बार पौधे आधारित आहार का पालन करने का निर्णय लेने के बाद अपने आहार की सावधानीपूर्वक योजना बनाना महत्वपूर्ण है। फिटनेस एक्सपर्ट और सेलिब्रिटी मास्टर इंस्ट्रक्टर, यास्मीन ने खाने के पैटर्न और पौधों पर आधारित जीवन शैली में बदलाव पर जोर देते हुए कहा, एक फिटनेस प्रशिक्षक के रूप में, मेरे पास लोग लगातार मुझसे एक आहार या किसी अन्य पर पूछताछ कर रहे हैं। रुझान आते हैं और जाते हैं, कुंजी संतुलित भोजन खाने और नियमित कसरत दिनचर्या का पालन करने के लिए है।

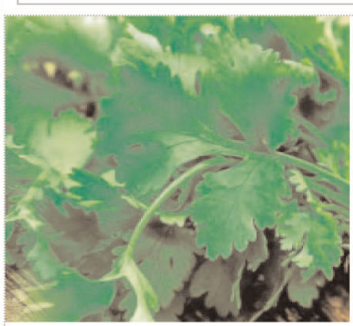

कोलेस्ट्रॉल में हरा धनिया है फायदेमंद

हाई कोलेस्ट्रॉल की शिकायत अनुवांशिक कारकों के वजह से भी हो सकती है। लेकिन यह अक्सर अस्वास्थ्यकर जीवनशैली का परिणाम होता है। कोलेस्ट्रॉल का उच्च स्तर आपके हृदय रोग के जोखिम को बढ़ा सकता है। दवाईयों बजाय आप इसे कुछ प्राकृतिक चीजों की मदद से भी ठीक कर सकते हैं।

क्या होता है कोलेस्ट्रॉल

कोलेस्ट्रॉल आपके रक्त में पाया जाने वाला एक मोम जैसा पदार्थ है। स्वस्थ कोशिकाओं के निर्माण के लिए आपके शरीर को कोलेस्ट्रॉल की आवश्यकता होती है, लेकिन कोलेस्ट्रॉल का उच्च स्तर आपके हृदय रोग के जोखिम को बढ़ा सकता है।

कैसे पता करें बढ़ रहा है कोलेस्ट्रॉल

रक्त में कोलेस्ट्रॉल के उच्च स्तर के कोई स्पष्ट लक्षण नहीं होते हैं। लेकिन यह उन स्थितियों के लिए आपके जोखिम को बढ़ा सकता है जिनमें लक्षण होते है, जैसे- एनजाइना (हृदय रोग के कारण सीने में दर्द), उच्च रक्तचाप, स्ट्रोक आदि।

कोलेस्ट्रॉल में हरा धनिया है फायदेमंद

एक रटडी के अनुसार, कुछ जानवरों और टेस्ट-ट्यूब अध्ययनों से पता चलता है कि धनिया हृदय रोग के जोखिम वाले कारकों को कम कर सकता है, जैसे उच्च रक्तचाप और एलडीएल (खराब) कोलेस्ट्रॉल का स्तर। एक्सपर्ट बताते हैं कि अन्य मसालों के साथ बड़ी मात्रा में धनिया का सेवन करने वाली आबादी में हृदय रोग की दर कम होती है।

हरे धनिया के औषधीय गुण

इसमें एंटी-माइक्रोबियल व एंटीऑक्सीडेंट समेत एंटी इंफ्लेमेटरी (सूजन कम करने वाला), एंटी-डिस्लिपिडेमिक (रक्त में लिपिड्स कम करने वाला), एंटी-हाइपरटेंसिव (रक्तचाप कम करने वाला), न्यूरोप्रोटेक्टिव (तंत्रिका को सुरक्षा देने वाला) और मूत्रवर्धक जैसे गुण होते हैं। साथ ही, यह मधुमेह, मिर्गी, चिंता और अवसाद दूर करने और शरीर से टॉक्सिक पदार्थों की सफाई करने का काम भी करते हैं।

कैसे करें धनिया का सेवन

एक अध्ययन के दौरान चूहों को धनिये के बीज दिए गए जिसे खाने के बाद। खून में जमा एलडीएल (खराब) कोलेस्ट्रॉल में कमी और एचडीएल (अच्छे) कोलेस्ट्रॉल में वृद्धि हुई को देखा गया। ऐसे में कहा जा सकता है कि धनिया को अपने खाने में शामिल करने से आप कोलेस्ट्रॉल की समस्या का समाधान कर सकते हैं। लोग अक्सर धनिया के पत्तों का सेवन शरबत, चटनी, सलाद के रूप में करते हैं। वहीं, इसके बीजों को भी आप पानी में फूलाकर और छानकर पी सकते हैं।

धनिया का सेवन करते समय रखें इस बात का ध्यान

धनिया को नियमित पर थोड़े मात्रा में खाएं। एक रटडी के अनुसार ज्यादा धनिया खाने से स्वास्थ पर बुरा प्रभाव पड़ता है। यह लीवर, एलर्जी, दाने, खुजली से लेकर त्वचा कैंसर तक का खतरा बढ़ा सकती है। इसेक अलावा धनिया ब्लड प्रेशर को कम करने का काम करती है जिससे निम्न ब्लड प्रेशर को लोगों को परेशानी हो सकती है।

व्हाइट हाउस बोला- सिर्फ औपचारिकता निभाने नहीं गए हैं ट्रंप; ताइवान मुद्दा सबसे अहम

वॉशिंगटन /बीजिंग, एजेंसी। ताइवान का मुद्दा भी इस बैठक में अहम रहने वाला है। चीन ताइवान को अपना हिस्सा मानता है, जबकि अमेरिका ताइवान को हथियार देने की तैयारी कर रहा है। ट्रंप प्रशासन ने ताइवान के लिए 11 अरब डॉलर के हथियार पैकेज को मंजूरी दी है, हालांकि उसकी डिलीवरी अभी शुरू नहीं हुई है। ताइवान दुनिया में चिप निर्माण का बड़ा केंद्र है और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस उद्योग के लिए बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। ट्रंप अमेरिका में चिप उत्पादन बढ़ाने के लिए ताइवान के साथ व्यापारिक सहयोग मजबूत करना चाहते हैं। इसी सिलसिले में एनवीडिया के सीईओ जेन्सेन हुआंग भी अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा बने हैं। ट्रंप के साथ विदेश मंत्री मार्को रुबियो, ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट और रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ भी चीन पहुंचे हैं। इसके अलावा टेक, रक्षा, कृषि और वित्त क्षेत्र के कई बड़े कारोबारी भी प्रतिनिधिमंडल में शामिल हैं। व्हाइट हाउस का कहना है कि ट्रंप इस दौरे पर

सिर्फ औपचारिकता निभाने नहीं गए हैं, बल्कि कुछ ठोस परिणाम चाहते हैं। अमेरिकी प्रशासन को उम्मीद है कि चीन अमेरिकी सोयाबीन, बीफ और विमानों की खरीद बढ़ाने का एलान कर सकता है। साथ ही दोनों देशों के व्यापारिक विवाद सुलझाने के लिए 'बोर्ड ऑफ ट्रेड' जैसी व्यवस्था पर भी चर्चा हो सकती है। हालांकि अभी तक किसी भी संभावित समझौते की स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आई है। इस दौरे के दौरान सबसे बड़ा मुद्दा ईरान बना हुआ है। अमेरिका और इस्राइल के साथ ईरान के युद्ध ने वैश्विक ऊर्जा बाजार को झटका दिया है। होर्मुज जलडमरूमध्य के प्रभावित होने से तेल और गैस आपूर्ति बाधित हुई है और ऊर्जा कीमतों में उछाल आया है। ऐसे में ट्रंप चीन से ईरान पर दबाव डालने की कोशिश कर सकते हैं, क्योंकि चीन ईरानी तेल का सबसे बड़ा खरीदार है।

रिपोर्ट के अनुसार, जिनपिंग ने कहा कि ताइवान के मुद्दे को अमेरिका गलत तरीके से न संभाले, इसे लेकर चीन-अमेरिका में संघर्ष हो सकता है। बता दें कि, ट्रंप के चीन पहुंचने से पहले अमेरिका में स्थित चीन के दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक बयान जारी कर अमेरिका को चेतावनी दी थी। चीन ने कहा कि अमेरिका-चीन संबंधों में 'चार लाल रेखाएं' हैं, जिन्हें चुनौती नहीं दी जानी चाहिए। चीन ने जिन चार मुद्दों को सबसे संवेदनशील बताया, उनमें ताइवान का सवाल, लोकतंत्र और मानवाधिकार, दोनों देशों की राजनीतिक व्यवस्था और चीन के विकास का अधिकार शामिल हैं।

मैक्रों थप्पड़ विवादः पत्रकार का दावा- ईरानी अभिनेत्री से चैट देख भड़कीं थीं फ्रांस के राष्ट्रपति की पत्नी

पेरिस, एजेंसी। 2025 में वियतनाम में विमान से उतरते समय ब्रिगिट मैक्रों ने अपने पति इमैनुएल मैक्रों को धक्का दिया था। एक नई किताब के अनुसार, यह घटना इमैनुएल द्वारा एक ईरानी अभिनेत्री को भेजे गए संदेशों के कारण हुई थी। इस घटना ने 2025 में काफी सुर्खियां बटोरी थीं। दंपती ने इसे मजाक बताकर खारिज कर दिया था।

फ्लोरियन टार्डिफ की नई किताब 'अन कपल (प्रेस्क) पारफे' में यह दावा किया गया है। टार्डिफ ने बताया कि ब्रिगिट, इमैनुएल के निर्वासित ईरानी-फ्रांसीसी अभिनेत्री गोल्शिफतेह फराहानी को भेजे गए संदेशों से नाराज थीं। पेरिस मैच पत्रिका के राजनीतिक संवाददाता टार्डिफ का आरोप है कि 73 वर्षीय ब्रिगिट को डर था कि उनके 48 वर्षीय पति अभिनेत्री के लिए उन्हें छोड़ सकते हैं। फराहानी ने पत्रकारों के सवालों पर अफेयर की अफवाहों से इन्कार किया है। उन्होंने कहा कि उनका संबंध केवल भावनात्मक था। टार्डिफ ने आरटीएल रेडियो को बताया कि संदेशों की सामग्री 'काफी आगे' बढ़ गई थी। इसमें 'आप बहुत सुंदर लगती हैं' जैसी टिप्पणियां शामिल थीं। दंपती के एक करीबी व्यक्ति ने टार्डिफ को यह जानकारी दी। ब्रिगिट ने एक ऐसा संदेश पढ़ा था जो उन्हें कभी नहीं पढ़ना चाहिए था। इसके बाद उनके बीच 'सामान्य से अधिक लंबा और कठोर विवाद' हुआ। पेरिस मैच में प्रकाशित एक अंश के अनुसार, ब्रिगिट को संदेश की सामग्री से उतना दुख नहीं हुआ।

संक्षिप्त समाचार

बांग्लादेश की पद्मा नदी पर मेगा बैराज परियोजना को मंजूरी

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश ने बुधवार को पद्मा नदी पर एक बड़ी बैराज परियोजना को मंजूरी दी। इसका उद्देश्य भारत के फरक्का बैराज के नकारात्मक प्रभाव को कम करना है। यह मंजूरी भारत-बांग्लादेश गंगा जल साझाकरण संधि की समाप्ति से पहले आई है। प्रधानमंत्री तारिक रहमान की अध्यक्षता में ईसीएनईसी ने पहले चरण को मंजूरी दी। इसकी अनुमानित लागत 34,497.25 करोड़ टका (लगभग 28 करोड़ अमेरिकी डॉलर) है। जल संसाधन मंत्री शाहिद उद्दीन चौधरी अनी ने इसे राष्ट्रीय हित का मामला बताया। उन्होंने कहा कि इस पर भारत से किसी चर्चा की आवश्यकता नहीं है। परियोजना का लक्ष्य प्रमुख नदी प्रणालियों को बहाल करना और खारे पानी को रोकना है। हालांकि, स्वतंत्र विशेषज्ञों ने पर्यावरणीय परिणामों पर चिंता व्यक्त की है। इस फैसले के बीच भू-विज्ञानी अहाद चौधरी ने तलछट की कमी और डेल्टा पारिस्थितिकी तंत्र से जुड़े खतरों को लेकर आगाह किया है।

न्यूयॉर्क गवर्नर ने शेफ विकास खन्ना को किया सम्मानित

अल्बानी, एजेंसी। मशहूर शेफ विकास खन्ना न्यूयॉर्क राज्य में एशियाई अमेरिकी और प्रशांत द्वीप वासी (एएपीआई) विरासत माह के दौरान सम्मानित होने वाले पहले भारतीय बन गए हैं। न्यूयॉर्क की गवर्नर कैथी होचुल ने अल्बानी में आयोजित समारोह में खन्ना को उनके उत्कृष्ट कलात्मक और पाक कला में योगदान के लिए विशेष प्रशस्ति पत्र प्रदान किया। अमृतसर में जन्मे खन्ना को हाल ही में टाइम पत्रिका ने 2026 के दुनिया के 100 सबसे प्रभावशाली लोगों की सूची में भी शामिल किया था।

लेबनान में इस्राइली हवाई हमले में 12 लोगों की मौत, संघर्ष जारी

बेरूत, एजेंसी। लेबनान में बुधवार को इस्राइली हवाई हमलों में 12 लोग मारे गए, जिनमें एक महिला और उसके दो बच्चे शामिल थे। लेबनानी स्वास्थ्य मंत्रालय ने इसकी पुष्टि की। इस्राइली सेना ने दक्षिणी लेबनान में हिजबुल्लाह के बुनियादी ढांचे पर हमला करने की बात कही। हमलों में बेरूत के दक्षिण में मुख्य राजमार्ग पर सात वाहन प्रभावित हुए। संयुक्त राष्ट्र ने हिजबुल्लाह पर दक्षिणी लेबनान में शांति सेना के पास ड्रोन हमलों का आरोप लगाया है। महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने दोनों पक्षों से युद्धविराम का पालन करने को कहा है। 2 मार्च को शुरू हुए इस युद्ध में अब तक 2,896 लोग मारे गए और 8,824 घायल हुए हैं। 17 अप्रैल के अमेरिकी-ब्रोकर युद्धविराम के बावजूद दोनों पक्ष एक-दूसरे पर हमले कर रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक बीते कई हफ्ते से जारी टकराव के बीच अब लेबनान और इस्राइल गुरुवार को अमेरिका में सीधी बातचीत करने वाले हैं।

ब्राजील में चुनाव से पांच महीने पहले फंसे सीनेटर बोल्सोनारो

ब्रासीलिया, एजेंसी। दक्षिण अमेरिकी देश ब्राजील में इसी साल अक्तूबर में राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव कराए जाने हैं। चुनाव से पांच महीने सीनेटर फ्लेवियो बोल्सोनारो पर एक बैंकर से लाखों रुपये मांगने के आरोप लगे हैं।बुधवार को जेल में बंद बैंकर डैनियल वोरकारो से लाखों रुपये मांगने के आरोप सामने आने के बाद उन्होंने इसे सिरे से खारिज कर दिया। माना जा रहा है कि ये गंभीर आरोप राष्ट्रपति चुनाव में उनकी उम्मीदवारी को नुकसान पहुंचा सकते हैं। इंटरसेप्ट ब्राजील ने वोरकारो के वॉइस मैसेज के हवाले से जारी ब्योरे प्रकाशित किए हैं। इनमें बोल्सोनारो ने कथित तौर पर अपने पिता जायर बोल्सोनारो के जीवन पर फिल्म 'द डार्क हॉर्स' की एवज में 61 मिलियन रियाल (करीब 12 मिलियन अमेरिकी डॉलर) मांगते सुने गए हैं। वोरकारो ब्राजील में भ्रष्टाचार और घोटाले के एक बड़े केंद्र के रूप में बदनाम हैं। फ्लेवियो बोल्सोनारो ने किसी अवैध लाभ की पेशकश या पैसा लेने से इन्कार किया है। राजनीतिक सलाहकार थॉमस ट्रॉमन के मुताबिक यह घोटाला बोल्सोनारो के अभियान को बुरी तरह प्रभावित कर सकता है। नवंबर में देश के केंद्रीय बैंक के सख्त आदेश के बाद बैंको मास्टर बंद हो गया।

ईरान ने यूएई को धमकायाः अराघची बोले- इस्राइल से साठगांठ पड़ेगी महंगी, अरब ने नेतन्याहू के दावों को नकारा

तेहरान, एजेंसी। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने इस्राइल के साथ किसी भी प्रकार की गुप्त साठगांठ के खिलाफ सख्त चेतावनी जारी की है। यह बयान इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के उस दावे के बाद आया है, जिसमें उन्होंने संयुक्त अरब अमीरात की गुप्त यात्रा की बात कही थी। ईरान ने कहा कि इस्राइल के साथ मिलकर साजिश रचने वालों को इसका अंजाम भुगतना होगा।

इस्राइली प्रधानमंत्री कार्यालय ने बुधवार को एक बयान जारी किया। इसमें दावा किया गया कि 'ऑपरेशन रोरिंग लायन' के दौरान पीएम नेतन्याहू ने यूएई की गुप्त यात्रा की थी। इस दौरान उन्होंने यूएई के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान से मुलाकात की। इस्राइल ने इसे दोनों देशों के रिश्तों में एक 'ऐतिहासिक सफलता' करार दिया। हालांकि, यूएई के विदेश मंत्रालय ने इन खबरों को पूरी तरह से खारिज कर दिया है। यूएई ने कहा कि इस्राइली पीएम की कोई यात्रा नहीं हुई और न ही किसी सैन्य प्रतिनिधिमंडल का स्वागत किया गया।

ईरान की सुरक्षा सेवाओं ने पहले ही बता दिया था- अराघची

विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ड्ड' पर अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि नेतन्याहू के संदेश ने उस सच को सार्वजनिक कर दिया है, जिसकी जानकारी ईरानी सुरक्षा सेवाएं पहले ही नेतृत्व को दे चुकी थीं। अराघची ने चेतावनी दी कि ईरान के महान लोगों के साथ दुश्मनी करना एक मूर्खतापूर्ण जुआ है। उन्होंने कहा कि विभाजन पैदा करने के लिए इस्राइल के साथ सहयोग करना एक अक्षम्य अपराध है और ऐसे तत्वों की जवाबदेही तय की जाएगी।

क्षेत्रीय सुरक्षा और सैन्य सहयोग के कयासः रिपोर्ट्स के अनुसार, इस्राइल ने ईरान के साथ युद्ध के दौरान यूएई को 'आयरन डोम' बैटरी और सैनिक भेजे थे। मीडिया रिपोर्ट्स यह भी दावा करती हैं कि मोसाद प्रमुख डेविड बार्निया ने संघर्ष के दौरान कम से कम दो बार यूएई का दौरा किया था। चर्चा यह भी है कि दोनों देशों ने ईरान के एक प्रमुख पेट्रोकेमिकल साइट पर हमले के लिए समन्वय किया था। यूएई ने इन सभी दावों को बेबुनियाद बताया है। उनका कहना है कि इस्राइल के साथ उनके संबंध अब्राहम समझौते के तहत सार्वजनिक और आधिकारिक हैं।

मोरक्को में लापता 19 वर्षीय अमेरिकी सैनिक मारिया सिमोन का शव 12 दिन बाद बरामद

रबात, एजेंसी। मोरक्को में सैन्य अभ्यास के दौरान लापता हुए दूसरे अमेरिकी सैनिक का शव मिला है। अमेरिकी सेना ने बुधवार को यह जानकारी दी। 19 वर्षीय मारिया सिमोने कोलिंगटन फ्लोरिडा के टावेरेस की निवासी थीं। वह मोरक्को में एक मनोरंजक पदयात्रा के दौरान एक चट्टान से गिर गई थीं। कोलिंगटन एयर एंड मिसाइल डिफेंस क्रू मेंबर के रूप में कार्यरत थीं। वह चार्ली बैटरी, 5वीं बटालियन, चौथी एयर डिफेंस आर्टिलरी रेजिमेंट में तैनात थीं। इससे पहले, पिछले सप्ताह पहले सैनिक, केंड्रिक लैमोंट की का शव भी बरामद किया गया था। दोनों सैनिक 2 मई को 'अफ्रीकन लायन' सैन्य अभ्यास के बाद लापता हुए थे। इस घटना से जुड़े विवरणों की अभी भी जांच की जा रही है।

फ्लोरिडा विमान दुर्घटनाः पांच घंटे तक फंसे रहे 11 यात्री, अमेरिकी सेना ने बचाया अमेरिका में फ्लोरिडा तट पर हुई विमान दुर्घटना के बाद 11 लोग पांच घंटे तक जीवन रक्षक बेड़े पर फंसे रहे। अमेरिकी सेना ने कड़ी मशक्कत के बाद इन्हें सुरक्षित बचाया। मंगलवार को इंजन फेल होने के बाद पायलट ने विमान को वेरो बीच से करीब 80 किलोमीटर दूर पानी में उतारा था। बहामास से फ्रीपोर्ट जा रहे विमान की आपात लैंडिंग के बाद पायलट ने 10 यात्रियों सहित खुद को जीवन रक्षक बेड़े पर पहुंचाया। तीन लोगों को मामूली चोटें थीं। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस आपात परिस्थिति में पांच घंटे तक सभी लोग तूफान के बीच मदद का इंतजार करते रहे। विमान में लगे आपातकालीन संकेतक की मदद से तटरक्षक बल को अलर्ट मिला, जिसके बाद वायु सेना रिजर्व के बचाव दल ने सभी लोगों का रेस्क्यू किया। वायुसेना अधिकारी मेजर एलिजाबेथ पिओवाटी ने पायलट के प्रयासों को चमत्कारी बताया। पायलट समेत सभी 11 लोगों को मेलबर्न ऑरलैंडो अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे ले जाया गया, जहां उनकी हालत स्थिर है। संघीय विमानन प्रशासन दुर्घटना की जांच कर रहा है।

उषा को देखते ही मोहित हो गए थे वेंसः शादी के लिए ले लिया था बड़ा संकल्प, अमेरिकी उपराष्ट्रपति की प्रेम कहानी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस कॉलेज के दौरान हुई पहली मुलाकात में ही उषा के प्रति काफी मोहित हो गए थे। यहां तक कि उन्होंने अपने दोस्तों से कह दिया था कि या तो वह इस लड़की से शादी करेंगे अथवा जीवनभर अविवाहित रहेंगे। वेंस ने खुद यह खुलासा अपनी नई किताब में

किया है। अपने संस्मरण कम्यूनियन : फाइंडिंग माय वे बैक टू फेद में वेंस ने लिखा है कि वह उषा की सुंदरता, बुद्धिमत्ता और अलग अंदाज से आकर्षित हुए थे जो बाद में उनकी पत्नी बनीं। इस संस्मरण के कुछ अंश यूएसए टुडे ने प्रकाशित किए हैं। येल लॉ स्कूल में उषा बाला चिलुकुरी से मिलने वाले वेंस ने कहा कि वह पहली ऐसी व्यक्ति थीं जिनके लिए उन्होंने सच्चा प्रेम महसूस किया। यह पुस्तक अगले महीने प्रकाशित होगी। वेंस ने लिखा, जब मैं पहली बार उषा से मिला तो उनकी कई बातें मुझे असामान्य लगीं। उनमें से एक यह थी कि वह बेहद प्रतिस्पर्धी थीं लेकिन मुझे यह आकर्षक से ज्यादा अजीब लगा। अमेरिकी उपराष्ट्रपति ने कहा कि वह ईसाई धर्म को मानने वाले व्यक्ति से नास्तिक बने और फिर कैथोलिक धर्म के प्रति रुझान बढ़ा। उन्होंने 2019 में कैथोलिक धर्म अपनाया और कहा कि इस नए विश्वास ने उन्हें वह उद्देश्य दिया जो उन्हें येल विश्वविद्यालय की शिक्षा या वित्तीय क्षेत्र में काम करने से नहीं मिला था। वेंस की पहली पुस्तक हिलबिली एलेगी है जिसमें उनके बचपन की कहानी है जो हिंसा, शराबखोरी और गरीबी से प्रभावित था।

35 साल की महिला ने पति को जहर देकर माराः बच्चों के लिए किताब भी लिखी, अब अदालत से आजीवन कारावास

पार्क सिटी (यूटा), एजेंसी। अमेरिका के यूटा राज्य की एक महिला को उसके पति की हत्या के मामले में बिना पैरोल उम्रकैद की सजा सुनाई गई है। बुधवार को एक जज ने यह फैसला सुनाया। महिला ने अपने पति की मौत के बाद बच्चों के लिए एक ऐसी किताब लिखी थी, जिसमें उनके पिता को खोने के दुख के बारे में बताया गया था।

कोरी रिचिन्स नाम की इस महिला को मार्च महीने में हत्या का दोषी पाया गया था। उस पर आरोप था कि उसने साल 2022 में पार्क सिटी के पास घर में अपने पति एरिक रिचिन्स के कॉकटेल ड्रिंक में फेंटेनाइल (बहुत तेज असर करने वाली दर्द कम करने की दवा) को मात्रा से पांच गुना ज्यादा मिलाकर उसे मार दिया।

जूरी ने कोरी रिचिन्स को चार अन्य गंभीर अपराधों में भी दोषी माना। इनमें बीमा धोखाधड़ी, फर्जी दस्तावेज बनाना और हत्या की कोशिश जैसे मामले शामिल हैं। आरोप था कि उसने वैलेंटाइन डे से कुछ हफ्ते पहले भी अपने पति को फेंटेनाइल मिला सैंडविच देकर जहर देने की कोशिश की थी। बचाव पक्ष ने कहा है कि वह इस फैसले और सजा के खिलाफ अपील करेगा।

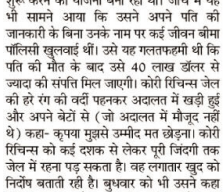

जज रिचर्ड मराजी ने सजा सुनाते समय कहा, जो व्यक्ति ऐसे अपराध करता है, वह कभी भी आजाद रहने के लायक नहीं है। जिस दिन सजा सुनाई गई, उसी दिन एरिक रिचिन्स का 44वां जन्मदिन था। सरकारी वकीलों ने कहा कि 35 साल की कोरी रिचिन्स रियल एस्टेट का काम करती थी और घर खरीदकर बेचने का कारोबार भी करती थी। उस पर करोड़ों रुपये का कर्ज था

और वह किसी दूसरे आदमी के साथ नया जीवन शुरू करने की योजना बना रही थी। जांच में यह भी सामने आया कि उसने अपने पति की जानकारी के बिना उनके नाम पर कई जीवन बीमा पॉलिसी खुलवाई थीं। उसे यह गलतफहमी थी कि पति की मौत के बाद उसे 40 लाख डॉलर से ज्यादा की संपत्ति मिल जाएगी। कोरी रिचिन्स जेल की हरे रंग की वर्दी पहनकर अदालत में खड़ी हुई और अपने बेटों से (जो अदालत में मौजूद नहीं थे) कहा- कृपया मुझसे उम्मीद मत छोड़ना। कोरी रिचिन्स को कई दशक से लेकर पूरी जिंदगी तक जेल में रहना पड़ सकता है। वह लगातार खुद को निर्दोष बताती रही है। बुधवार को भी उसने कहा कि अदालत का फैसला 'पूरी तरह झूठ' है। जूरी ने उसे चार अन्य अपराधों में भी दोषी पाया। इनमें वैलेंटाइन डे के समय अपने पति को फेंटेनाइल मिला सैंडविच देकर मारने की कोशिश का मामला भी शामिल था। एरिक रिचिन्स के पिता यूजीन रिचिन्स ने जज से अपील की कि कोरी को बिना पैरोल उम्रकैद की सजा दी जाए, ताकि उनके पोतों की सुरक्षा हो सके। जब एरिक की मौत हुई थी, तब उनके तीनों बेटे 9, 7 और 5 साल के थे। उन्होंने अदालत में कहा, यह सजा जरूरी है ताकि एरिक के तीनों बेटे कभी इस डर में न जिएं कि उनके पिता की जान लेने वाली महिला फिर उन्हें नुकसान पहुंचा सकती है। यह मामला साल 2023 में काफी चर्चा में आया था। कोरी रिचिन्स को उस समय गिरफ्तार किया गया था, जब वह अपने बच्चों के लिए लिखी उस किताब का प्रचार कर रही थी, जिसमें एक लड़के के अपने पिता की मौत के दुख से उबरने की कहानी थी। बेटों ने कहा- हमें अपनी मां से डर लगता है। कोरी की भाभी केटी रिचिन्स बेंसन ने कहा कि ये बच्चे किसी किताब की कहानी का हिस्सा नहीं हैं, लेकिन उनकी जिंदगी कोरी की वजह से ऐसे ही दर्द और दुख में बदल गई है। सामाजिक कार्यकर्ताओं ने अदालत में बच्चों के लिखे पत्र पढ़कर सुनाए। तीनों बेटों ने कहा कि अगर उनकी मां जेल से बाहर आई तो वे खुद को सुरक्षित महसूस नहीं करेंगे। जब बच्चे अधपका खाना खाने से मना करते थे, तब उनकी मां उन्हें डराने के लिए युद्ध से प्रभावित इलाकों में भूखे बच्चों के वीडियो दिखाती थी। अब 11 साल के हो चुके बीच वाले बेटे ने कहा, आपने सिर्फ लालच की वजह से मेरे पापा को हमसे छीन लिया और आपको सिर्फ अपने बारे में और अपने बेकार बॉयफ्रेंड की चिंता थी।

बलूचिस्तान में पाकिस्तानी सेना और लड़ाकों के बीच मुठभेड़, मेजर समेत पांच सैनिकों की मौत

कराची, एजेंसी। बलूचिस्तान में पाकिस्तान सेना ने एक बड़े संयुक्त अभियान में सात लड़ाकों को मार गिराने का दावा किया है। हालांकि इस कार्रवाई में पाकिस्तानी सेना के एक मेजर समेत पांच सैनिकों की भी मौत हो गई। यह जानकारी पाकिस्तान सेना की मीडिया शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस ने बुधवार देर रात जारी बयान में दी। सेना के बयान में कहा गया कि अभियान के दौरान सात लड़ाके मारे गए। हालांकि इस दौरान एक फील्ड ऑफिसर यानी मेजर समेत पांच सैनिकों की भी जान चली गई। मारे गए सैनिकों की पहचान फिलहाल सार्वजनिक नहीं की गई है। कार्रवाई के बाद सुरक्षा बलों ने इलाके में तलाशी अभियान भी चलाया। इस दौरान लड़ाकों के कब्जे से हथियार, गोला-बारूद और विस्फोटक सामग्री बरामद किए जाने का दावा किया गया

है। सेना ने कहा कि इलाके में बाकी लड़ाकों की तलाश के लिए अभियान अभी जारी है। बलूचिस्तान में इस साल सुरक्षा बलों ने कई बड़े अभियान चलाए हैं। मार्च में हरनाई और बसीमा जिलों में हुए ऑपरेशन में 15 लड़ाकों के मारे जाने का दावा किया गया था, जबकि फरवरी में झोब जिले में 10 लड़ाके मारे गए थे। दरअसल, बलूचिस्तान लंबे समय से हिंसा और उग्रवाद से प्रभावित रहा है। यहां सक्रिय सशस्त्र समूह अक्सर सुरक्षा बलों और सरकारी ढांचे को निशाना बनाते रहे हैं। पाकिस्तान सरकार कई हमलों के लिए बलूच लिबरेशन आर्मी और तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान को जिम्मेदार ठहराती रही है।

मोदी जैसा कोई नहीं: पीएम के मुरीद हुए नॉर्वे के पूर्व पर्यावरण मंत्री सोल्हेम

ओस्लो, एजेंसी। नॉर्वे के पूर्व मंत्री और संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम के पूर्व प्रमुख एरिक सोल्हेम ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उनके नेतृत्व और पर्यावरण संबंधी दृष्टिकोण के लिए जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि दुनिया के किसी भी देश में कोई भी नेता अपने देश में मोदी जितना लोकप्रिय नहीं है। पश्चिमी नेताओं को उनके हरित संदेश से बहुत कुछ सीखने को है। सोल्हेम का यह बयान पीएम मोदी के 18-19 मई को नॉर्वे के दौरे से पहले आया है। नॉर्वे के एक अखबार में छपे लेख में सोल्हेम ने पीएम मोदी की लोकप्रियता, आर्थिक सुधारों और हरित विकास पर उनके जोर का जिक्र करते हुए, उन्हें एक ऐसा परिवर्तनकारी नेता बताया जो वैश्विक मंच पर भारत के उदय को गति दे रहे हैं। उन्होंने लिखा कि पश्चिमी नेता मोदी के हरित संदेश से बहुत कुछ सीख सकते हैं। नॉर्डिक प्रधानमंत्रियों को भारतीय नेता के साथ अपनी बैठक के दौरान उन्हें ध्यान से सुनना चाहिए। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम के पूर्व प्रमुख ने विशेष रूप से नवीकरणीय ऊर्जा और सतत विकास पर प्रधानमंत्री मोदी के जोर की सराहना की और उन्हें हरित विकास का गारंटर बताया। मोदी दुनियाभर में सबसे प्रभावशाली लोकतांत्रिक नेताओं में से एक पीएम मोदी की राजनीतिक हैसियत की तारीफ करते हुए सोल्हेम

ने लिखा, भारतीय प्रधानमंत्री की अप्रूवल रेटिंग लगभग 70 प्रतिशत है और वह दुनियाभर में सबसे प्रभावशाली लोकतांत्रिक नेताओं में से एक बने हुए हैं। लेख में पीएम मोदी की गुजरात के वडनगर से हुई शुरुआत पर चर्चा की गई है। इसमें कहा गया है कि एक साधारण पारिवारिक पृष्ठभूमि से निकलकर दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र का नेतृत्व करने तक का उनका सफर उन्हें असाधारण बनाता है और उन्हें एक स्व-निर्मित नेता के रूप में वर्णित किया गया है। सोल्हेम ने लिखा, भारतीय अर्थव्यवस्था अब सात प्रतिशत की दर से बढ़ रही है जो चीन से अधिक और किसी भी अन्य प्रमुख अर्थव्यवस्था से कहीं ऊपर है। यदि मौजूदा विकास के रुझान जारी रहते हैं तो 2050 तक भारत की अर्थव्यवस्था दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकती है।

पूर्व मंत्री ने भारत के राजनीतिक और वैचारिक विकास पर कहा कि हिंदू राष्ट्रवाद भारतीय राजनीति में एक निर्णायक शक्ति बन गया है और प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भाजपा ने जाति और वर्ग की सीमाओं से परे जाकर समर्थन जुटाया है। पार्टी ने भारत में कुछ ऐसा हासिल किया है जो पूरी तरह से अनोखा और नया है। भाजपा को सभी का समान समर्थन हासिल है। भारत से घनिष्ठ संपर्कों से नॉर्वे को बहुत कुछ हासिल होगा : सोल्हेम के अनुसार, मोदी ने आर्थिक विकास और पर्यावरणीय जिम्मेदारी का सफलतापूर्वक मेल किया है। नॉर्वे और भारत के बीच मजबूत संबंधों का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि भारत के साथ घनिष्ठ जुड़ाव दोनों पक्षों के लिए अनगिनत जीत के अवसर पैदा करेगा।

खिलाड़ियों का पैसा अफसरों की खेल सुविधाओं पर खर्च

स्विमिंग पूल और टेनिस कोर्ट बनाए; ओलिंपिक मेडलिस्ट तैयार करने बना था एनएसडीएफ

नई दिल्ली (एजेंसी)। जिस पैसे से ओलिंपिक मेडल जीतने वाले खिलाड़ियों को ट्रेनिंग मिलनी थी, उससे दिल्ली के बड़े अधिकारी अपने रिहायशी इलाकों में स्विमिंग पूल और टेनिस कोर्ट चमका रहे हैं। यह खुलासा मीडिया की एक रिपोर्ट में हुआ है। इसके अनुसार नेशनल स्पोर्ट्स डेवलपमेंट फंड (एनएसडीएफ) का करोड़ों रुपया ब्यूरोक्रेट्स की सोसायटियों और क्लबों में डाइवर्ट किया गया। दावा है कि खेल फैसिलिटी के लिए आवंटित इस फंड का एक हिस्सा सिविल सेवा संस्थानों और नौकरशाहों की दिल्ली स्थित कॉलोनियों के स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में खर्च हुआ है। इतना ही नहीं, राजस्थान और

छत्तीसगढ़ की ऋस से जुड़ी 2 संस्थाओं और एशिया व कैरेबियाई क्षेत्र के कुछ छोटे क्रिकेट बोर्ड पर भी पैसा खर्च किया गया।

एनएसडीएफ से टॉप्स जैसी स्कीम चलती है – एनएसडीएफ भारत सरकार का विशेष फंड है, जिसका उद्देश्य खेलों को बढ़ावा देना और प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को फाइनेंशियल सपोर्ट देना है। इसकी स्थापना नवंबर 1998 में हुई थी। एनएसडीएफ से टारगेट ओलिंपिक पोडियम स्कीम जैसी स्कीम चलाई जाती हैं। एनएसडीएफ फंड का संचालन केंद्रीय खेल मंत्री की देखरेख में 12 मेंबर्स की काउंसिल करती है। हालांकि, अनुदान प्रस्तावों को मंजूरी खेल मंत्रालय की 6 अधिकारियों की कमेटी देती है। यानी उसी सिस्टम के लोग इन अनुदानों से लाभान्वित होते हैं।

न्यू मोती बाग में टैम्परेचर-कंट्रोल्ड स्विमिंग पूल बना – लुटियंस दिल्ली के न्यू मोती बाग जैसे पॉश इलाकों में एनएसडीएफ के पैसे से टैम्परेचर-कंट्रोल्ड स्विमिंग पूल और आलीशान टेनिस कोर्ट बनाए गए हैं। स्पोर्ट्स अथॉरिटी के डॉक्यूमेंट्स के मुताबिक 2021 से 2025 के बीच 6.7 करोड़ रुपए एंक्शन किए गए। इनमें से 6.2 करोड़ सिविल सर्विस ऑफिसर्स इंस्टीट्यूट, सिविल सर्विसेस कल्चरल एंड स्पोर्ट्स बोर्ड और न्यू मोती बाग रेजिडेंशियल कॉम्प्लेक्स में खर्च हुए।

2019 में खेलो इंडिया योजना का 2.8 करोड़ खर्च हुआ था

रिकॉर्ड्स के मुताबिक, 2024 में हस्ताक्ष अनुदान आवेदनों की जांच करने वाली 6 मेंबर्स की कमेटी के पास एक प्रस्ताव पहुंचा। यह प्रस्ताव कई सीनियर ब्यूरोक्रेट्स की रिहायशी कॉलोनी के लिए था। कॉलोनी दिल्ली के बीचोंबीच स्थित है, कड़ी सुरक्षा में रहती है और 100 एकड़ में फैली है। यह पहली बार नहीं था जब खिलाड़ियों का पैसा न्यू मोती बाग में खर्च हुआ हो। इससे पहले 31 जुलाई 2019 को साई ने खेलो इंडिया योजना के तहत न्यू मोती बाग कॉम्प्लेक्स में खेल सुविधाएं विकसित करने के लिए 2.8 करोड़ रुपए मंजूर किए थे।

महिला टी-20 वर्ल्ड कप का वॉर्म-अप शेड्यूल जारी

कार्डिफ में इंग्लैंड और वेस्टइंडीज से भिड़ेगी टीम इंडिया, 6 जून से शुरू होंगे अभ्यास मैच

नईदिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी ने महिला टी-20 वर्ल्ड कप 2026 के वॉर्म-अप मैचों का शेड्यूल जारी कर दिया है। मुख्य टूर्नामेंट से पहले सभी 12 टीमें 6 से 10 जून के बीच अभ्यास मैच खेलेंगी। भारतीय महिला टीम अपने दोनों वॉर्म-अप मैच कार्डिफ में खेलेगी। टीम इंडिया का सामना इंग्लैंड और वेस्टइंडीज से होगा। टूर्नामेंट 12 जून से एजबेस्टन में शुरू होगा। भारत अपना पहला ग्रुप मैच 14 जून को पाकिस्तान के खिलाफ खेलेगा। टीम इंडिया 8 जून को वेस्टइंडीज और 10 जून को इंग्लैंड से भिड़ेगी भारतीय महिला टीम के लिए ये वॉर्म-अप मैच अहम होंगे। भारत 8 जून को वेस्टइंडीज के खिलाफ पहला अभ्यास मैच खेलेगा।इसके बाद 10 जून को टीम इंडिया का सामना मेजबान इंग्लैंड से होगा। दोनों मैच कार्डिफ में खेले जाएंगे। भारतीय खिलाड़ियों के पास इंग्लैंड की परिस्थितियों और पिचों को समझने का अच्छा मौका होगा।

कार्डिफ, डर्बी और लॉफबरो में खेले जाएंगे 12 मैच– आईसीसी ने अभ्यास मैचों के लिए इंग्लैंड के डर्बी, लॉफबरो और कार्डिफ को चुना है। 6 जून से शुरू होने वाले वॉर्म-अप मैचों के पहले दिन आठ टीमें मैदान पर उतरेंगी।

आईपीएल 2026: 'अब तो इंडिया के लिए नहीं खेलना...

हर शॉट लगेगा', कोहली की स्टंप माइक बातचीत हुई वायरल

नईदिल्ली (एजेंसी)। विराट कोहली ने आईपीएल 2026 में कोलकाता नाइटराइडर के खिलाफ शानदार शतक जड़ने के बाद एक बार फिर सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है। दो लगातार डक के बाद विराट ने दमदार वापसी करते हुए नाबाद 105 रन बनाए और रायल चैलेंजर बेंगलुरु को 6 विकेट से शानदार जीत दिलाई। लेकिन मैच के दौरान उनकी एक स्टंप माइक बातचीत अब तेजी से वायरल हो रही है।

स्टंप माइक में कैद हुई विराट की मजेदार बात

मैच के दौरान विराट कोहली स्कूप शॉट की शैडो प्रैक्टिस करते नजर आए। इसी दौरान स्टंप माइक में उनकी आवाज कैद हुई, जिसमें वह कहते सुनाई दिए, 'अब तो इंडिया के लिए थोड़ी ना खेलना है, अब तो हर शॉट लगेगा।' कोहली की यह बात सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गई और फैंस इसे खूब शेयर कर रहे हैं।

- **मैच के दौरान दिखे काफी रिलैक्स** – इस मुकाबले में विराट काफी हल्के मूड में नजर आए। वह विपक्षी खिलाड़ियों से बातचीत करते दिखे, टिम डेविड के कैच के लिए मनीष पांडे की तारीफ की और शतक पूरा होने के बाद हल्का डांस भी किया। उनकी बॉडी लैंग्वेज से साफ दिख रहा था कि वह बिना दबाव के अपना नैचुरल गेम खेल रहे थे।
- **कोहली ने तोड़ा क्रिस गेल का रिकॉर्ड** – केकेआर के खिलाफ पारी के दौरान विराट ने टी20 क्रिकेट में 14,000 रन भी पूरे किए। इसके साथ ही उन्होंने गेल का रिकॉर्ड तोड़ते हुए सबसे तेज 14 हजार टी20 रन बनाने वाले बल्लेबाज बनने का गौरव हासिल किया।
- **आईपीएल में सबसे ज्यादा मैच खेलने वाले प्लेयर भी बने, टी-20 सबसे तेज 14 हजार रन** – रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने बुधवार को कोलकाता नाइट राइडर्स को 6 विकेट से हरा दिया। रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले गए मैच में विराट कोहली ने कई रिकार्ड्स बना डाले।कोहली ने नाबाद 105 रन की पारी खेली। इसी के साथ वे टी-20 क्रिकेट में सबसे तेज 14 हजार रन पूरे करने वाले बल्लेबाज बन गए। कोहली ने आईपीएल में 12वीं बार 400+ रन का आंकड़ा भी पार किया। वे लीग इतिहास में सबसे ज्यादा मैच खेलने वाले खिलाड़ी भी बने।

दो डक के बाद विराट की जोरदार वापसी

लगातार दो मैचों में बिना खाता खोले आउट होने के बाद विराट पर काफी दबाव था। हालांकि केकेआर के खिलाफ उन्होंने पूरी तरह अलग अंदाज में बल्लेबाजी की। पावरप्ले में उनका कैच भी छूटा, जिसका उन्होंने पूरा फायदा उठाया। कोहली ने 60 गेंदों में नाबाद 105 रन बनाए, जिसमें 11 चौके और 3 छक्के शामिल रहे।उन्होंने मैदान पर अपने पहले रन का जश्न भी जोरदार तरीके से मनाया।

विराट कोहली ऑरेंज कैप के करीब पहुंचे, पर्पल कैप पर भुवनेश्वर कुमार का कब्जा

स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ नाबाद 105 रनों की विस्फोटक पारी खेलकर अपनी टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को जीत दिलाई। इसी के साथ वह ऑरेंज कैप तालिका में तीसरे स्थान पर पहुंच गए है। वहीं गेंदबाजी सूची में भुवनेश्वर कुमार 22 विकेटों के साथ शीर्ष पर पहुंच गए है। विराट कोहली ने रायपुर में केकेआर के खिलाफ आरसीबी के लिए 193 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए आईपीएल करियर का नौवां शतक लगाया। इस पारी की बदौलत वह इस सीजन सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में तीसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। केकेआर के खिलाफ नाबाद शतकीय पारी के बाद कोहली के आईपीएल की 12 पारियों में 165.75 के स्ट्राइक रेट से 484 रन हो गए है। उनसे आगे केवल बी साई सुदर्शन (501 रन) और हाइनरिक क्लासन (508 रन) हैं। चौथे स्थान पर सनराइजर्स हैदराबाद के अभिषेक शर्मा 481 रन हैं। दिल्ली कैपिटल्स के केएल राहुल 477 रन के साथ पांचवें नंबर पर हैं। वहीं गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल के नाम 467 रन हैं। पर्पल कैप तालिका में भुवनेश्वर कुमार, जिन्होंने 2016 और 2017 में पर्पल कैप जीती थी, अब कगिसो रबाडा से आगे निकल गए है। केकेआर के खिलाफ एक विकेट लेकर भुवनेश्वर के अब 22 विकेट हो गए हैं, जबकि रबाडा के नाम 21 विकेट हैं। चेन्नई सुपर किंग्स के अंशुल कम्बोज 19 विकेट के साथ तीसरे स्थान पर हैं। लखनऊ सुपर जायंट्स के प्रिंस यादव, गुजरात टाइटंस के राशिद खान, केकेआर के कार्तिक त्यागी और सनराइजर्स हैदराबाद के इशान मलिंगा के नाम 16-16 विकेट हैं।

इटेलियन ओपन

लुसियानो डार्डेरी ने राफेल को हराकर सेमीफाइनल में बनाई जगह

रोम (एजेंसी)। Luciano Darderi ने इटेलियन ओपन में शानदार प्रदर्शन करते हुए सेमीफाइनल में जगह बना ली है। रोम में खेले गए देर रात के रोमांचक क्वार्टरफाइनल मुकाबले में डार्डेरी ने युवा स्पेनिश खिलाड़ी Rafael Jodar को 7-6(5), 5-7, 6-0 से हराया। करीब तीन घंटे आठ मिनट तक चले इस मुकाबले में कई उतार-चढ़ाव देखने को मिले। मैच रात 2:02 बजे खत्म हुआ। इस जीत के साथ 24 वर्षीय डार्डेरी ओपन एरा में रोम के सेमीफाइनल में पहुंचने वाले आठवें इतालवी खिलाड़ी बन गए।

सेमीफाइनल में कैस्पर रूड से भिड़ेंगे – अब डार्डेरी का सामना सेमीफाइनल में Casper Ruud से होगा। मैच जीतने के बाद डार्डेरी ने कहा, 'मुझे लगता है कि यह मेरे करियर की सबसे बेहतरीन जीत है। रोम की भीड़ और यहां का माहौल शानदार था। पहली बार यहां सेमीफाइनल में पहुंचना किसी सपने जैसा है।' उन्होंने युवा खिलाड़ी जोडार की भी तारीफ करते हुए कहा, 'राफा कमाल के खिलाड़ी हैं। वह सिर्फ 19 साल के हैं और उन्होंने शानदार टेनिस खेला। दूसरे सेट में उन्होंने जबरदस्त वापसी की, लेकिन मैं लगातार लड़ता रहा।'

पहले सेट में डार्डेरी का दबदबा

मुकाबले की शुरुआत से ही डार्डेरी आक्रामक नजर आए और उन्होंने जल्दी 3-1 की बढ़त बना ली। हालांकि जोडार ने शानदार वापसी करते हुए बेसलाइन से दमदार शॉट लगाए और मुकाबले को बराबरी पर ला दिया। पहले सेट के दौरान कोपा इटालिया फुटबॉल फाइनल के कारण स्टेडियम के पास धुआं फैल गया, जिसकी वजह से मैच कुछ समय के लिए रोकना पड़ा। खेल दोबारा शुरू होने के बाद डार्डेरी ने शानदार खेल दिखाया और टाईब्रेक में पहला सेट अपने नाम कर लिया।

दूसरे सेट में जोडार की जोरदार वापसी

दूसरे सेट में डार्डेरी ने 3-0 की बढ़त बना ली थी और उनके पास मैच खत्म करने के दो मौके भी थे। लेकिन 19 वर्षीय जोडार ने हार नहीं मानी। उन्होंने 4-5 पर दो मैच पॉइंट बचाए और लगातार दो गेम जीतकर मुकाबले को निर्णायक सेट तक पहुंचा दिया।

विराट कोहली का कैच टपकाना भारी पड़ा

केकेआर कोच अभिषेक नायर ने गिनाए हार के कारण

रायपुर (एजेंसी)। कोलकाता नाइट राइडर्स के कोच अभिषेक नायर ने स्वीकार किया कि पारी की शुरूआत में विराट कोहली का कैच टपकाना उनकी टीम पर भारी पड़ा और कोहली ने नाबाद शतक जमाकर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरू को आईपीएल मैच में छह विकेट से जीत दिलाई। कोहली को कार्तिक त्यागी की गेंद पर रोवमैन पावेल ने जीवनदान दिया जब उनका स्कोर 21 रन था। कोहली ने इसका पूरा फायदा उठाते हुए 60 गेंद में नाबाद 105 रन बनाए। जीत के लिए 193 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए कोहली और देवदत पडिक्कल (39) ने दूसरे विकेट के लिए 92 रन की साझेदारी की। नायर ने कहा, 'जब लक्ष्य का पीछा करते हुए विराट कोहली का कैच आप छोड़ देते हैं तो राह बहुत मुश्किल हो जाती है।' नायर ने कहा कि केकेआर ने अच्छे रन बनाए थे लेकिन छोटी छोटी गलतियों के कारण मैच उनके हाथ से निकल गया। उन्होंने कहा, 'जैसा कि मैंने पहले कहा कि स्कोर अच्छा था। लेकिन कई चीजें बेहतर हो सकती थी। विराट का कैच काफी कठिन था।' कोच का मानना है कि वरूण चक्रवर्ती की कमी भी टीम को खली। उन्होंने कहा, 'आखिर में क्रिकेट में ऐसा होता है।

भारत के खिलाफ खेला आखिरी टेस्ट, इंग्लैंड के स्टार ऑलराउंडर डॉसन ने अचानक लिया संन्यास

लंदन (एजेंसी)। डॉसन ने फर्स्ट-क्लास क्रिकेट से तत्काल प्रभाव से संन्यास लेने का ऐलान कर दिया है। इंग्लैंड के अनुभवी ऑलराउंडर ने यह फैसला अपने व्हाइट-बॉल करियर को लंबा करने के लिए लिया। डॉसन ने आखिरी बार 2025 में भारत के खिलाफ ओवलस-तेंदुलकर ट्रॉफी के दौरान टेस्ट क्रिकेट खेला था। इंग्लैंड द्वारा न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज के लिए टीम घोषित किए जाने के दिन ही डॉसन ने रेड-बॉल क्रिकेट छोड़ने का फैसला सुनाया।

'यह फैसला आसान नहीं था' – 36 वर्षीय डॉसन ने बयान जारी कर कहा, 'मैंने फर्स्ट-क्लास क्रिकेट से संन्यास लेने का फैसला किया है। यह आसान फैसला नहीं था, लेकिन मुझे लगता है कि अपने व्हाइट-बॉल करियर को लंबा करने के लिए यही सही समय है।' उन्होंने आगे कहा, 'हैम्पशायर के लिए 200 से ज्यादा मैच खेलना मेरे लिए गर्व की बात है। इतने सालों में खिलाड़ियों के साथ कई शानदार यादें जुड़ी हैं। मैं अब भी हैम्पशायर के लिए व्हाइट-बॉल क्रिकेट खेलने और टीम की सफलता में योगदान देने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हूं।'

फैंस को कहा धन्यवाद – डॉसन ने अपने प्रशंसकों और क्लब सदस्यों का भी आभार जताया। 'सालों से मुझे समर्थन देने वाले सभी फैंस और सदस्यों का मैं दिल से धन्यवाद करता हूं। हैम्पशायर हमेशा मेरा घर रहेगा और मैं जल्द ही यूटिलिटी बाउल में फिर खेलते हुए नजर आऊंगा।'

टेस्ट करियर रहा छोटा – इंग्लैंड क्रिकेट टीम के लिए लियाम डॉसन ने 2016 में टेस्ट डेब्यू किया था, लेकिन एक दशक

लंबे करियर में उन्हें सिर्फ चार टेस्ट मैच खेलने का मौका मिला। उन्होंने चार टेस्ट में 54.75 की औसत से 8 विकेट लिए, जिसमें एक पारी में चार विकेट शामिल रहे। बल्लेबाजी में उन्होंने 7 पारियों में 110 रन बनाए, जिसमें नाबाद 66 रन की पारी भी शामिल है।

हैम्पशायर के दिग्गज खिलाड़ियों में शामिल – हालांकि फर्स्ट-क्लास क्रिकेट में डॉसन का रिकॉर्ड बेहद शानदार रहा। हैम्पशायर काउंटी क्रिकेट क्लब के लिए वह इतिहास के तीसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले और चौथे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले खिलाड़ी हैं। 211 मैचों में उन्होंने 34.17 की औसत से 10,424 रन बनाए, जिसमें 17 शतक और 54 अर्धशतक शामिल हैं। वहीं बाएं हाथ के स्पिनर के तौर पर उन्होंने 32.36 की औसत से 361 विकेट झटके, जिसमें 14 बार पांच विकेट लेने का कारनामा शामिल रहा।

हैम्पशायर क्रिकेट ने दी भावुक विदाई– हैम्पशायर के क्रिकेट डायरेक्टर गिल्स व्हाइटस ने कहा, 'लियाम हैम्पशायर क्रिकेट के शानदार खिलाड़ी रहे हैं। इस काउंटी के लिए 200 से ज्यादा फर्स्ट-क्लास मैच खेलना उनकी मेहनत और गुणवत्ता को दिखाता है।' उन्होंने आगे कहा, 'उनकी कमी टीम में साफ महसूस होगी। आधुनिक दौर में वह हैम्पशायर के इकलौते खिलाड़ी हैं जिन्होंने क्लब के लिए 200 से ज्यादा फर्स्ट-क्लास मैच खेले, जो बेहद खास उपलब्धि है।'

अब व्हाइट-बॉल क्रिकेट पर फोकस – डॉसन हाल ही में इंग्लैंड की टी20 वर्ल्ड कप 2026 टीम का हिस्सा थे। उन्होंने सेमीफाइनल मुकाबले में एक ओवर फेंका था, जिसमें 19 रन खर्च किए। इसके अलावा अपने पिछले वनडे मैच में उन्होंने श्रीलंका के खिलाफ दो विकेट लिए थे। अब देखना दिलचस्प होगा कि इंग्लैंड की व्हाइट-बॉल योजनाओं में उनकी भूमिका कितनी अहम रहती है। डॉसन अब 22 मई को समरसेट के खिलाफ हैम्पशायर के टी20 ब्लास्ट ओपनर में खेलते नजर आएंगे।

लियोनेल मेसी का तूफान, दो गोल दागकर इंटर मियामी को दिलाई रोमांचक जीत

सिनसिनाटी, ओहियो (एजेंसी)। लियोनेल मेस्सी के शानदार डबल गोल की बदौलत इंटर मियामी सीएफ ने एमएलएस में धमाकेदार वापसी करते हुए FC Cincinnati को 5-3 से हरा दिया। सिनसिनाटी के टीक्यूएल स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में इंटर मियामी ने पीछे रहने के बावजूद शानदार कमबैक कर तीन अहम अंक हासिल किए। इस जीत के साथ इंटर मियामी ने एमएलएस इतिहास में शुरुआती 9 अवे मैचों में सबसे ज्यादा 22 अंक हासिल करने के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली।

मेसी ने दिलाई शुरुआती बढ़त– मैच के 24वें मिनट में मेसी ने विपक्षी टीम की डिफेंसिव गलती का फायदा उठाते हुए बॉक्स के अंदर से गोल दागा और इंटर मियामी को 1-0 की बढ़त दिलाई। यह इस सीजन एमएलएस में मेसी का 10वां गोल था।

पहले हाफ के अंत में सिनसिनाटी की वापसी – घरेलू टीम को 44वें मिनट में पेनल्टी मिली, जिसे केविन डेंकी ने गोल में बदलकर स्कोर 1-1 कर दिया। इसके बाद दूसरे हाफ की शुरुआत में पावेल बुचा ने 49वें मिनट में गोल कर सिनसिनाटी को बढ़त दिला दी।

मेसी ने फिर संभाली टीम की कमान – इंटर मियामी के कप्तान मेसी ने 55वें मिनट में शानदार लेफ्ट फुट शॉट लगाकर स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया। Rodrigo De Paul के बेहतरीन पास पर मेसी ने पहला टच लेते ही गेंद को नेट में पहुंचा दिया। यह इस सीजन मेसी का 11वां गोल था, जबकि डी पॉल का छठा असिस्ट रहा।

फिर पीछे हुई मियामी – 64वें मिनट में एवांडर ने गोल दागकर स्कोर सिनसिनाटी को एक बार फिर 3-2 की बढ़त दिला दी। ऐसा लग रहा था कि मुकाबला मियामी के हाथ से निकल जाएगा, लेकिन इसके बाद टीम ने जोरदार वापसी की।

आखिरी मिनटों में इंटर मियामी का कमाल – सब्स्टीट्यूट खिलाड़ी Mateo Silvetti ने 79वें मिनट में गोल कर मुकाबला 3-3 से बराबर कर दिया। इस गोल में भी मेसी का अहम योगदान रहा। इसके बाद German Berterame ने 84वें मिनट में गोल दागकर इंटर मियामी को 4-3 की बढ़त दिलाई। मैच के 89वें मिनट में मेसी के शॉट को रोकने की कोशिश में गोलकीपर रोमन कैलेटानो से आत्मघाती गोल हो गया और इंटर मियामी ने मुकाबला 5-3 से अपने नाम कर लिया।

थाईलैंड ओपन 2026

श्रीकांत और सिंधू शानदार जीत के साथ दूसरे दौर में पहुंचे

बैंकॉक (एजेंसी)। भारत के स्टार बैडमिंटन खिलाड़ियों किदाम्बी श्रीकांत और पीवी सिंधू ने थाईलैंड ओपन सुपर 500 टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए दूसरे दौर में जगह बना ली। दोनों खिलाड़ियों ने अपने-अपने मुकाबले सीधे गेम में जीतकर भारतीय फैंस को खुश होने का मौका दिया। पूर्व विश्व नंबर-1 किदाम्बी श्रीकांत ने सिंगापुर के आठवीं वरीयता प्राप्त लो कीन यू को 21-14, 21-15 से हराया। श्रीकांत ने पूरे मुकाबले में आक्रामक खेल दिखाया और विरोधी खिलाड़ी को वापसी का मौका नहीं दिया। अब अगले दौर में उनका सामना चीनी ताइपे के सू लि यांग से होगा।